सुविचार
विश्वबंधुत्व द्वारा शांति की स्थापना संसार का सर्वोच्च आदर्श है।
-परमहंस योगानंद

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 25 May 2026 ● Year : 05 ● Issue : 129 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Kriti Sanon Marks 12 Years In...

SARAFA

सोना	:	14,730
चांदी	:	295.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

झारखंड में उमस वाली झुलसाती गर्मी ने लोगों की बढ़ाई परेशानी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में इन दिनों उमस वाली झुलसाती गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। राज्य के कई जिलों में गर्म हवाओं और लू का असर देखने को मिल रहा है। इस वजह से दिन में सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। देर शाम लोग घरों से बाहर निकल पा रहे है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की संभावना जताई गई है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ सकती है। राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 44.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 39.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने 25 और 26 मई को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों- गढ़वा, पलामू और चतरा में हीटवेव यानी लू चलने को लेकर अलर्ट जारी किया है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने के साथ तेज धूप से बचने की अपील की है।

आज-कल भी जारी रहेगा सितम, मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए जारी किया हीटवेव का अलर्ट

44 डिग्री सेल्सियस रहा डाल्टनगंज का अधिकतम तापमान, रांची में 39 डिग्री किया गया रिकॉर्ड

- दिन में सड़कों पर पसर जा रहा सन्नाटा, देर शाम लोग घरों से निकल रहे बाहर
- आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि की जताई जा रही संभावना
- प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से की सतर्क रहने की अपील

प्रमुख शहरों का तापमान औसत से अधिक

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे कम तापमान गोड्डा में 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान सबसे अधिक 6.4 मिलीमीटर बारिश दुमका में रिकॉर्ड की गई। हालांकि, बारिश का असर गर्मी पर ज्यादा नहीं दिखा और अधिकतर जिलों में उमस और गर्म हवाओं का असर जारी रहा। राज्य के प्रमुख शहरों का तापमान भी सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। रांची में अधिकतम तापमान 39.0 डिग्री और न्यूनतम 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री और न्यूनतम 29.1 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 42.1 डिग्री और न्यूनतम 28.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 40.0 डिग्री और न्यूनतम 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पेज 04 पर पढ़ें।

जमशेदपुर में लू लगने से दो की मौत।

7-10 जून तक हो सकती है मानसून की एंट्री

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून अंडमान-निकोबार पहुंच चुका है। इसकी स्थिति अनुकूल बनी हुई है। 26 मई तक इसके केरल पहुंचने की संभावना है। इसके बाद संथाल परगना के रास्ते 7 से 10 जून के बीच झारखंड में मानसून के प्रवेश की संभावना है। झारखंड में इस साल मई में तापमान पिछले वर्ष की तुलना में 5 से 7 डिग्री अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। जहां पहले 36-38 डिग्री रहता था, वहीं अब 40-45 डिग्री तक पहुंच रहा है।

BRIEF NEWS

बंगाल के फालता में पहली बार जीती भाजपा

NEW DELHI : रविवार को पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर आए चुनावी नतीजे में भाजपा को जीत मिली। बीजेपी उम्मीदवार देबांग्शु ने 1 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उन्हें 1.49 लाख से ज्यादा वोट मिले। सीपीएम के उम्मीदवार शंभूनाथ कुर्मी 40 हजार वोट के साथ दूसरे नंबर पर रहे। वहीं चुनाव से पीछे हटने वाले टीएमसी के जहांगीर चौथे नंबर पर रहे। फालता में 74 साल के इतिहास में भाजपा ने पहली बार जीत हासिल की है। 1952 से 2006 तक यह कांग्रेस और सीपीआई (एम) का गढ़ था। 2011 के बाद से लगातार तीन बार टीएमसी उम्मीदवार ने यहां जीत दर्ज की थी। फालता में जीत के साथ भाजपा की अब कुल सीटें 208 हो गईं हैं। 4 मई को आए रिजल्ट में भाजपा को 207 सीटें मिलीं थीं। टीएमसी के खाते में सिर्फ 80 सीटे हैं। फालता में 285 बूथों पर 21 मई को दोबारा मतदान कराया गया था। रीपोलिंग में वोटिंग करीब 2 प्रतिशत बढ़ गई। चुनाव आयोग के मुताबिक यहां 88.13 प्रतिशत मतदान हुआ। इससे पहले, 29 अप्रैल को इसी सीट पर 86.71 प्रतिशत मतदान हुआ था।

एक्ट्रेस ट्विशा की मौत के 12 दिन बाद अंतिम संस्कार

NEW DELHI : एक्ट्रेस ट्विशा की मौत के 12 दिन बाद रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। भोपाल के भदभदा श्मशान घाट में भाई मेजर हर्षित ने ट्विशा को मुखाग्नि दी। इस दौरान ट्विशा की मां और परिवार भावुक होकर रो पड़ा। इससे पहले रविवार को ही दिल्ली एम्स की टीम ने ट्विशा की डेडबॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। भोपाल एम्स में करीब 3 घंटे चली प्रक्रिया के बाद टीम भोपाल से रवाना हो गई। पोस्टमॉर्टम से जुड़े सैंपल और विसरा भोपाल एम्स में ही सुरक्षित रखे गए हैं। टीम अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपेगी। 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स में ट्विशा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। सुप्रीम कोर्ट ने ट्विशा शर्मा केस को स्वत: संज्ञान लिया है। सोमवार को चीफ जस्टिस की बेंच इस केस की सुनवाई करेगी। ट्विशा के पति समर्थ को शनिवार को भोपाल जिला कोर्ट में पेश किया गया था।

वाराणसी में हवाई अड्डे पर 6.93 करोड़ का गांजा जब्त

VARANASHI : रविवार को राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के विकसित एक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई के अधिकारियों ने वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर बैंकॉक से वाराणसी फ्लाइट से पहुंचे दो यात्रियों को रोककर तलाशी ली। दोनों यात्रियों के सामान की जांच के दौरान कई पैकेट में एक हरे रंग का गांठदार, तेज गंध वाला पदार्थ मिला, जो फील्ड परीक्षण करने पर गांजा पाया गया। डीआरआई की टीम के अनुसार दोनों यात्रियों के सामान से कुल 19.8 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाला गांजा (हाइड्रोपोनिक वीड) बरामद कर जब्त किया गया।

दर्दनाक : बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में हुई वारदात में 82 लोग जख्मी

पाकिस्तान में रेलवे ट्रैक के पास सुसाइड अटैक, 24 की गई जान

NEW DELHI @ PTI : रविवार को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में अचानक एक सुसाइड अटैक किया गया। इस हमले में 24 लोगों की जान चली गई, जबकि 82 जख्मी हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, यह हादसा एक रेलवे ट्रैक के नजदीक हुआ, जिसकी चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन क्वेटा कैंट की ओर जा रही थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के असर से आसपास की इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेर लिया। धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि जाफर एक्सप्रेस पाकिस्तान रेलवे की एक लंबी दूरी की प्रमुख पैसेंजर ट्रेन है। यह ट्रेन बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा को पाकिस्तान के बड़े शहरों से जोड़ती है। यह बलूचिस्तान समेत कई संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरती है।

धमाके की चपेट में आई जाफर एक्सप्रेस, पटरी से उतरे कई डिब्बे, मची अफरातफरी

- विस्फोट के असर से आसपास की इमारतों की खिड़कियों के टूट गए शीशे
- फायर ब्रिगेड, पुलिस और सुरक्षा बलों ने तुरंत शुरू कर दिया राहत-बचाव ऑपरेशन
- सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेरा, धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू

बीएलए ने ली जिम्मेदारी

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने क्वेटा कैंट से मिलिट्री के जवानों को ले जा रही ट्रेन पर सुसाइड अटैक की जिम्मेदारी ली है। बीएलए के स्पोक्सपर्सन जयंद बलूच ने एक बयान में कहा कि बीएलए की सुसाइड यूनिट मजीद ब्रिगेड ने रविवार की सुबह क्वेटा कैंट से कब्जा करने वाली आर्मी के जवानों को ले जा रही ट्रेन को एक बहुत ही ऑर्गेनाइज्ड सुसाइड अटैक में टारगेट किया।

अस्पताल में घोषित की गई इमरजेंसी

विस्फोट के बाद स्थिति को देखते हुए अस्पताल में इमरजेंसी घोषित कर दी गई, ताकि घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता दी जा सके। बलूचिस्तान के गृह विभाग के विशेष सहायक बाबर यूसुफजई ने पत्रकारों को बताया कि धमाके की सूचना मिलते ही सुरक्षा बल और रेस्क्यू टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। उन्होंने कहा कि पुलिस फिलहाल विस्फोट की प्रकृति और उसके पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी हुई है। सेना और पुलिस बल मामले की छानबीन कर रहे हैं। हालांकि, अधिकारियों ने हादसे की वजह और धमाके की वजह से हुए जानमाल के नुकसान के बारे में आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है।

कॉमनवेल्थ गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क को किया पार

नेशनल सीनियर एथलेटिक्स में हरियाणा की रवीना ने जीता गोल्ड

- ऑल इंडिया पुलिस की रेशमा पटेल को मिला सिल्वर, यूपी की मुनिता प्रजापति ने जीता ब्रॉन्ज
- पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी प्रियंका गोस्वामी को इस बार मिला चौथा स्थान

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को राजधानी रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित 29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता में पहले सेशन में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। ट्रैक एंड फील्ड की विभिन्न स्पधाओं में जहां कई नए चेहरे उभरकर सामने आए, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों ने भी अपना दम दिखाया। महिलाओं की 10 हजार मीटर रेस वॉक स्पर्धा में हरियाणा की रवीना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रवीना ने 44:29.66 सेकेंड का समय लेते हुए पहला स्थान हासिल किया। खास बात यह रही कि उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क को भी पार कर लिया। ऑल इंडिया पुलिस की रेशमा पटेल 44:57.94 मिनट के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि उत्तर प्रदेश की मुनिता प्रजापति ने 45:23.92 मिनट के साथ कांस्य पदक जीता। पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी प्रियंका गोस्वामी इस बार चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने 45:57.21 मिनट का समय दर्ज किया। महाराष्ट्र की सेजल अनिल सिंह पांचवें स्थान पर रहीं। वहीं दिल्ली की तान्या को डिसक्वालिफाई किया गया, जबकि हरियाणा की योगिता और राजस्थान की कमला रेस पूरी नहीं कर सकीं।

अभी डील को अंतिम रूप दिया जाना बाकी

ईरान के साथ समझौते पर काफी हद तक हो चुकी बातचीत : ट्रंप

NEW DELHI @ PTI : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने एवं युद्ध समाप्त करने को लेकर ईरान के साथ एक समझौते पर काफी हद तक बातचीत हो चुकी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि समझौते के अंतिम पहलुओं और ब्योरे पर फिलहाल चर्चा हो रही है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। उन्होंने इस बारे में और कोई विवरण नहीं दिया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सऊदी अरब,

संयुक्त अरब अमीरात, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र, जॉर्डन और बहरीन के नेताओं से तथा अलग से इजरायल से बात की। उन्होंने इसे शांति से संबंधित ऐसा समझौता ज्ञापन बताया, जिसे अमेरिका, ईरान और बातचीत में शामिल अन्य देशों द्वारा अभी अंतिम रूप दिया जाना है।

बारामूला में आतंकवादियों के ठिकाने से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

BARAMULA : रविवार को उत्तरी कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली। बारामूला जिले के नीलसर कंडी इलाके में संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादियों के संदिग्ध ठिकाने से भारी मात्रा में विस्फोटक गोला-बारूद बरामद किया गया। विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर बारामूला पुलिस, 52 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने इलाके में संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान दौरान सुरक्षाबलों ने 14 राउंड ओजी-7वी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) और 9 राउंड पीजी-7पी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) बरामद किए। इस बरामदगी से एक संभावित खतरे को टाला गया है और यह उत्तरी कश्मीर में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

झारखंड से बिहार तक बेटियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

झारखंड की राजधानी रांची से लेकर बिहार की राजधानी पटना तक बेटियों की सुरक्षा सवालों के घेरे में है। दो पड़ोसी राज्यों में हुई दो अलग-अलग घटनाओं ने सभ्य समाज के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। दोनों मामलों में बेटियों से छेड़छाड़ की गई हैं। रांची की घटना में ऐसा व्यक्ति आरोपी है जिस पर देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। वहीं पटना की घटना में होटल में रहने वाला एक युवक कटघरे में है। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि वारदात के समय बेटी अपने पिता के साथ थी। इन दोनों घटनाओं ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सिस्टम को दोबारा सोचने के लिए मजबूर कर दिया है।

युवती से छेड़छाड़ व अश्लील हरकत के मामले में दबोचा गया सेना का जवान

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के लालपुर थाना क्षेत्र में एक युवती से छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पारा मिलिट्री फोर्स के जवान को गिरफ्तार किया। युवती ने लालपुर थाना में आवेदन देकर छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर संबंधित वीडियो को जब्त किया। लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपी विनय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी जवान का वर्तमान पता यूनिट-1 बटालियन, राजपुताना रायफल, नामकुम रांची है। पुलिस ने कार्रवाई की सूचना यूनिट-1 बटालियन राजपुताना रायफल, नामकुम रांची के कमांडिंग ऑफिसर को भी दे दी है।

बिहार के होटल में पिता के सामने बेटी से छेड़खानी, परीक्षा देने आई थी पटना

AGENCY PATNA : पटना के होटल में युवती के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पीड़ित युवती अपने पिता के साथ होटल में रुकी थी। इसी दौरान शनिवार की आधी रात होटल स्टाफ कमरे में घुसा और युवती को हाथ पकड़कर खींचने लगा। पिता की नींद खुली तो स्टाफ भाग गया। पीड़िता के पिता ने बताया कि घटना के बाद बगल में रहे रहे भजीते को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंचकर उसने रुपसपुर थाने को सूचना दी। घटना की सूचना मिलने के बाद डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम ने होटल के कमरों की तलाशी की। इस दौरान 4 लड़कियां और 4 लड़के शराब पीते मिलें, जिन्हें पकड़कर पुलिस थाने ले गई। छेड़खानी करने वाले आरोपी सत्येंद्र (31) को गिरफ्तार किया गया है। दो और आरोपी हैं। उनकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

विकास की नई दिशा दर्शनीय व धार्मिक स्थलों को जोड़ने के लिए बन रहे आधुनिक कॉरिडोर

पर्यटकों को पर्यटन के साथ आध्यात्मिक अनुभूति का मिलेगा आनंद

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : विकास की नई दिशा के विजन के साथ हेमंत सरकार झारखंड के पर्यटन स्थलों को विकसित कर रही है। इसके लिए प्रदेश में सड़क आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। राज्य के प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों तक आसान एवं तेज आवागमन सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन विभाग, पथ निर्माण विभाग और नगर विकास विभाग समन्वय बनाकर काम कर रहे हैं, ताकि यहां की हसीन वादियों के साथ पर्यटकों को पर्यटन और आध्यात्मिक अनुभूति का आनंद मिल सके। इसके तहत टूरिस्ट कॉरिडोर और होली टूरिस्ट कॉरिडोर परियोजना पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर विभाग चरणबद्ध तरीके से महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहा है। करीब 506 किलोमीटर लंबे इन दोनों कॉरिडोर पर लगभग 4600 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य नेतरहाट, मैक्लुस्कीगंज, रजरप्पा और देवघर जैसे प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों तक बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराना है। परियोजना के तहत सिसई-घाघरा-नेतरहाट रोड, सिल्ली-तमाड़-खूंटी मार्ग, गारू-हेरहंज सड़क, बालूमाथ-पांकी रोड, बालूमाथ-मैक्लुस्कीगंज-चामा मोड़ मार्ग, हजारीबाग-टंडवा सड़क, रजरप्पा-गोमिया फोरलेन कॉरिडोर, गोमिया-पेंक-डुमरी सड़क, डुमरी-गिरिडीह-भीरकीडीह मार्ग और भीरकीडीह-बुधाई-देवघर फोरलेन सड़क जैसे कई महत्वपूर्ण मार्गों को विकसित किया जा रहा है।

पर्यटन, पथ निर्माण और नगर विकास विभाग समन्वय बनाकर कर रहे काम

करीब 506 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर पर 4600 करोड़ रुपये किए जाएंगे खर्च

- खूंटी जिले के पेरवा घाघ फॉल जाने वाली सड़क को मिल चुकी है स्वीकृति

सीएम हेमंत के निर्देश पर चरणबद्ध तरीके से सड़क परियोजनाओं को बढ़ाया जा रहा आगे

चार हिस्सों में बन रहा होली कॉरिडोर

होली कॉरिडोर रांची के ओरमांझी से शुरू होकर गोला, रजरप्पा, गोमिया, डुमरी, गिरिडीह होते हुए देवघर तक जाएगा। वहीं टूरिस्ट कॉरिडोर सिल्ली, तमाड़, खूंटी, सिसई, घाघरा, नेतरहाट, गारू, लातेहार, बालूमाथ और मैक्लुस्कीगंज जैसे क्षेत्रों को जोड़ते हुए विकसित किया जाएगा।

आधारभूत संरचना पर हो रहा काम : सुदिव्य

राज्य के पर्यटन, नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने बताया कि झारखंड सरकार आधारभूत संरचना को विकसित करने के लिए कई योजनाओं पर एक साथ काम कर रही है। जहां आवश्यकता पड़ रही है, वहां पथ निर्माण विभाग और ग्रामीण कार्य विभाग के समन्वय से महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई हिस्सों की स्वीकृति दी जा चुकी है। खूंटी जिले के पेरवा घाघ फॉल जाने वाली सड़क की भी स्वीकृति मिल गई है और उसका डीपीआर अंतिम चरण में है। वहीं घाघरा-नेतरहाट सड़क को भी पर्यटन कॉरिडोर के रूप में मंजूरी प्रदान कर दी गई है। सरकार का मानना है कि इन सड़क परियोजनाओं से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय व्यापार, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलेगी। बेहतर सड़क संपर्क बनने से श्रद्धालुओं और पर्यटकों की यात्रा अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक हो सकेगी।

तकनीकी खराबी आने पर विमान को खेत में उतारा पायलट सुरक्षित

ALIGARH : उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ जिले के धनीपुर हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाले एक प्रशिक्षु विमान में अचानक तकनीकी खराबी आने के बाद पायलट ने सूझबूझ से विमान को क खेत में उतार दिया। पायलट और प्रशिक्षु छात्र दोनों सुरक्षित हैं। सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। एडीएम सिटी अतुल गुप्ता ने बताया कि रविवार सुबह आठ बजकर 25 मिनट पर पायलट ने प्रशिक्षु छात्र के साथ उड़ान भरी थी। विमान तकरीबन एक घंटे तक आसमान में उड़ा फिर अचानक उसमें तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद पायलट ने विमान को थाना हरदुआगंज क्षेत्र के चंगेरी गांव के पास खेत में उतार दिक्षा। उसमें पायलट और प्रशिक्षु छात्र दोनों पूरी तरह सुरक्षित हैं। विमान को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ वार्ता

भारत संघर्ष के बजाय बातचीत व कूटनीति का समर्थक : जयशंकर

NEW DELHI @ PTI : भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भारत संघर्ष के बजाय बातचीत और कूटनीति का समर्थक है। वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए निर्बाध समुद्री व्यापार, अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान और विश्वसनीय सप्लाई चेन जरूरी है। भारत संसाधनों और बाजार हिस्सेदारी को हथियार की तरह इस्तेमाल किए जाने के खिलाफ है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो के बीच रविवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। इसमें भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को

और मजबूत करने पर जोर दिया गया। इसके बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में जयशंकर ने कहा कि भारत अपनी 140 अरब की आबादी की ऊर्जा जरूरत के प्रति समर्पित है और विविध स्रोतों से किफायती ईंधन खरीदने का पक्षधर है। जयशंकर ने कहा कि वैश्विक संघर्षों के बीच रक्षा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में मेक इन इंडिया की नीति को विशेष महत्व देता है।

चरही में तेज रफ्तार ट्रेलर ने मचाई तबाही, दो की मौत, दो हुए घायल

बिहार शरीफ से ईंट लादकर रांची जा रहे वाहन ने तीन गाड़ियों में मारी टक्कर

घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त ट्रक व बिखरी ईंटें

PHOTON NEWS HAZARIBAG : हजारीबाग जिले के चरही में रविवार को सुबह तेज रफ्तार ट्रेलर ने तबाही मचा दी। एनएच पर खड़े कई वाहनों में टक्कर मार दी। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है। चरही एनएच स्थित ओवरब्रिज के समीप प्रकाश होटल के पास सुबह करीब छह बजे एन एच पर कई वाहन खड़े थे। इस बीच बिहार शरीफ से ईंट लादकर रांची जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने तीन वाहनों में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में ट्रेलर में सवार दो लोगों की दबकर मौत हो गई, जबकि दो घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर संख्या बीआर 52 जी 7513 बिहार शरीफ से ईंट लेकर रांची की ओर जा रहा था। इसी दौरान चालक ने नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़े वाहनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए। गनीमत थी कि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में कोई सवार नहीं था, वरना और भी जानें जातीं। लोग अपने वाहन को खड़ा कर होटल में एवं कुछ आसपास गए हुए थे। दुर्घटना की चपेट में आया ट्रक संख्या यूपी 83 बीटी 4773 प्लास्टिक दाना लोड कर पानीपत से विशाखापत्तनम जा रहा था। चालक चाय पीने के लिए प्रकाश होटल के पास वाहन खड़ा कर रुका हुआ था। इसके अलावा दो अन्य खड़े वाहन भी ट्रेलर की चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही चरही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दबे लोगों को बाहर निकाला गया। स्थानीय लोगों ने भी बचाव एवंराहत कार्य में सहयोग किया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

कोडरमा घाटी में ट्रक व डंपर के बीच हुई भीषण टक्कर, चालक के दोनों पैर टूटे

KODERMA : कोडरमा जिले में रविवार सुबह हुए एक सड़क हादसे ने एनएच–20 पर कुछ समय के लिए अफरा–तफरी का माहौल पैदा कर दिया। सदर थाना क्षेत्र के कोडरमा घाटी स्थित नौवें माइल के पास एक ट्रक और डंपर के बीच हुई भीषण टक्कर में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भयावह था कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक वाहन की केबिन में बुरी तरह फंस गया। घायल चालक की पहचान बिहार के नवादा जिले निवासी प्रदीप यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों, राहगीरों और पुलिस की तत्परता से चालक को वाहन से सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रदीप यादव कोलकाता से ट्रक में दाल लोड कर बिहार के नवादा की ओर जा रहा था। इसी दौरान जब उसका वाहन कोडरमा घाटी के ढलान वाले हिस्से में पहुंचा, तब अचानक ट्रक का ब्रेक फेल हो गया। वाहन की रफ्तार अधिक होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सामने चल रहे डंपर से जा भिड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद सड़क पर कुछ समय तक यातायात भी प्रभावित रहा। दुर्घटना के तुरंत बाद वहां से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों और स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर पुलिस और रोड सेफ्टी टीम घटनास्थल पर पहुंची। चालक के केबिन में फंस जाने के कारण उसे निकालना आसान नहीं था। सदर अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा जांच के दौरान पता चला कि दुर्घटना में चालक के दोनों पैर फ्रैक्चर हैं। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रांची स्थित रिम्स (राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान) रेफर कर दिया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार घायल चालक की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उसका इलाज किया जा रहा है।

पांकी-मेदिनीनगर रोड पर डंपर-बाइक की टक्कर में एक की मौत, दो जख्मी

PALAMU : पांकी–मेदिनीनगर रोड पर शनिवार को देर शाम हुए सड़क हादसे में एक किशोर की मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना पांकी थाना क्षेत्र के माड़न गांव के पास हुई, जहां डंपर और बाइक के बीच आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार कुश भुइयां (17) की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मनिका थाना क्षेत्र के बरवईया गांव का रहने वाला था और अपने ननिहाल आया था। वहीं, हादसे में बाइक पर सवार अजय भुइयां और मुकेश भुइयां गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल पांकी थाना क्षेत्र के बैदा–गौरीदह गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

BRIEF NEWS

डीसी-एसपी ने केंद्रीय कारा में देर रात की छापेमारी

GIRIDIH : गिरिडीह के केंद्रीय कारा में शनिवार को देर रात उपायुक्त रामनिवास यादव और पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने लगभग दो घंटे तक कारा परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन किया। छापेमारी के दौरान पुरुष एवं महिला दोनों वार्डों में अलग-अलग टीमों द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया गया। प्रत्येक वार्ड में बंदियों की उपस्थिति, सुरक्षा मानकों और अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। हालांकि इस दौरान टीम को कोई भी आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। छापेमारी अभियान में एसडीएम श्रीकांत विस्पुते, दंडाधिकारी बिनोद सिंह, डीएसपी-वन नीरज कुमार सिंह, एसडीपीओ सदर जीतबाहन उरांव, एसडीपीओ डुमरी आबिद खान, बीडीओ गणेश रजक तथा सीओ जितेंद्र प्रसाद ने सक्रिय भूमिका निभाई।

डीजल टैंकर में आग लगने से झुलसा युवक

PALAMU : पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के दोकरा इलाके में शनिवार की रात डीजल टैंकर में आग लगने से एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया। घायल युवक की पहचान रामप्रवेश गुप्ता के रूप में हुई है। घटना के बाद उसे तत्काल मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज- अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रिम्स रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, रात करीब आठ बजे दोकरा स्थित एक स्टोन माइंस में खड़े डीजल टैंकर में अचानक आग लग गई। इसी दौरान वहां मौजूद रामप्रवेश गुप्ता आग की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने प्रयास कर किसी तरह आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और घटना के कारणों की पड़ताल कर रही है।

बकरीद को लेकर पुलिस ने की मॉकड्रिल

RAMGARH : रामगढ़ जिले में 28 मई को बकरीद का त्यौहार मनाया जाने वाला है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। पुलिस भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर चुकी है। रविवार को पुलिस लाइन में उपद्रवियों से निपटने के लिए पूरी तैयारी का मॉकड्रिल किया गया। सार्जेंट मेजर मंटू यादव, रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे की मौजूदगी में उपद्रव का दृश्य दिखाया गया। पुलिस ने कैसे उपद्रवियों को काबू में किया, इस पर भी पूरा एक्शन हुआ। किस तरह भीड़ में शामिल लोगों को समझाना है। नहीं मानने पर वाटर कैनन से भीड़ को तितर-बितर किया जाना है। अगर इसके बावजूद भीड़ शांत नहीं होती है तो आंसू गैस के गोले और फिर लाठी चार्ज जैसी स्थिति कैसे हैंडल किया जाए, इस पर पूरी ट्रेनिंग दी गई। मॉक ड्रिल के माध्यम से रामगढ़ जिले में शांतिपूर्ण त्यौहार मनाने का संदेश दिया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि विधि व्यवस्था बिगाड़ने वाले और शांति भंग करने वालों पर पूरी कार्रवाई होगी।

पलामू के निजी क्लिनिक में किशोर की मौत पर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम व हंगामा

झोलाछाप डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन देने का परिजनों ने लगाया आरोप, प्रशासन ने की कड़ी कार्रवाई

रोड पर हंगामा करते लोग व पहुंची पुलिस

AGENCY PALAMU : पलामू जिले हैदरनगर क्षेत्र में एक कथित झोलाछाप चिकित्सक के क्लीनिक में इलाज के दौरान 16 वर्षीय किशोर की मौत के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। चार घंटे तक सड़क जाम कर हंगामा किया गया। परिजन और ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए अस्पताल को सील कर दिया। इसके बाद लोगों का गुस्सा शांत हुआ।

रविवार दोपहर शव का एमआरएमसीएच में पोस्टमार्टम किया गया। इससे पहले शनिवार देर रात तक हंगामा हुआ। मृतक की पहचान बुद्धी बिगहा गांव निवासी विक्की ठाकुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार विक्की ठाकुर को उल्टी हुई थी। उसे इलाज के लिए मस्जिद मोहल्ला स्टेट डॉक्टर वाजिद अली के निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान लापरवाही बरती गई। गलत इंजेक्शन देने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और लोग शव के साथ सड़क पर उतर आए। आक्रोशित ग्रामीणों ने हंगामा और प्रदर्शन करते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित निजी क्लीनिकों और कथित झोलाछाप चिकित्सकों के कारण लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने तथा अवैध क्लीनिकों के खिलाफ अभियान चलाने की मांग उठाई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। परिजन और ग्रामीण कार्रवाई की मांग को लेकर पड़े रहे।

सूचना मिलने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी विश्व प्रताप मालवा और अंचल अधिकारी संतोष कुमार और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और कई घंटे तक परिजनों को समझाया। देर रात दंडाधिकारी सह अंचलाधिकारी संतोष कुमार की ओर से क्लिनिक को सील कर दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। इधर, किशोर की मौत के बाद गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक और आक्रोश का माहौल है।

तुलसी भवन में उपस्थित साहित्यकार • फोटोन न्यूज

तुलसी भवन में साहित्यकारों ने सुनाई रोचक कहानियां

JAMSHEDPUR : सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन द्वारा संस्थान के प्रयाग कक्ष में रविवार को मासिक कार्यक्रम कथा मंजरी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के उपाध्यक्ष रामनंदन प्रसाद तथा संचालन, साहित्य समिति की रीना सिन्हा सलोनी ने की, जबकि धन्यवाद ज्ञापन तुलसी भवन कार्यकारिणी के प्रसन्नवदन मेहता ने किया। सरस्वती वंदना नीता सागर चौधरी ने प्रस्तुत किया, जबकि स्वागत वक्तव्य साहित्य समिति के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. यमुना तिवारी व्यथित ने दिया। इसी क्रम में विभिन्न विषयों को स्पर्श करती हुई 17 कहानियों का पाठ किया गया, जिसमें डॉ. अजय कुमार ओझा, डॉ. अरुण कुमार शर्मा, माधवी उपाध्याय, वसंत जमशेदपुरी, ब्रजेंद्रनाथ मिश्र, डॉ. एनके सिंह, आलोक मंजरी, नीता सागर चौधरी, हरि मित्तल, डॉ. अनीता निधि, डॉ. उदय प्रताप हयात, उपासना सिन्हा, स्मृति पांडेय चौबे, पूनम सिंह, प्रणति शरण. ममता कर्ण व सुस्मिता मिश्र ने कहानियां सुनाईं। इस अवसर पर डॉ. प्रसेनजित तिवारी, डॉ रागिणी भूषण, डॉ. यमुना तिवारी 'व्यथित', कैलाश नाथ शर्मा गाजीपुरी सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित थे।

हजारीबाग जिले में घर-घर हो रही जलस्रोत की जांच

HAZARIBAG : सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल को स्वस्थ जीवन का आधार बताते हुए जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए पेयजल स्रोतों की नियमित जांच कराने की अपील की है। इसी उद्देश्य से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग 23 मई से 23 जून तक पूरे जिले में विशेष जल जांच अभियान चला रहा है। उपविकास आयुक्त रिया सिंह ने बताया कि जिले के प्रत्येक गांव में एक जलसहिया कार्यरत है, जिसे पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा फील्ड टेस्ट किट उपलब्ध कराया गया है। विभागीय प्रावधानों के अनुसार सभी जलसहियाओं द्वारा गांव के सभी घरों के पेयजल स्रोतों की जांच मानसून के पूर्व एवं मानसून के बाद अनिवार्य रूप से की जाएगी। किट के माध्यम से पेयजल में कुल 10 प्रकार की जांच की जाती है। इसमें मुख्य रूप से पीएच, टर्बीडिटी, फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट, क्लोरीन, हार्डनेस, अलकलाइन व आयरन जैसी महत्वपूर्ण जांच शामिल हैं। इन परीक्षणों के माध्यम से जल की गुणवत्ता का आकलन कर संभावित स्वास्थ्य जोखिमों से बचाव किया जा सकेगा। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे जलसहियाओं को जांच कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें तथा अपने घरों एवं आसपास के पेयजल स्रोतों की नियमित जांच अवश्य कराएं। यदि किसी स्रोत का पानी दूषित पाया जाता है, तो उसके उपयोग से बचें तथा इसकी सूचना संबंधित विभाग को दें। जिला प्रशासन ने कहा कि सामूहिक सहभागिता से ही स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया जा सकता है। सभी नागरिकों से इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की गई है।

गिरिडीह से 50 लाख रुपये की चांदी के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

GIRIDIH : नगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 50 लाख रुपये की चांदी के साथ दो संदिग्ध लोगों को दबोचा है। रविवार तड़के सुबह इस छापेमारी के दौरान 50 लाख रुपये मूल्य के 19 किलो चांदी बरामद किया गया है। इस दौरान दोनों संदिग्धों को एक बोलेरो गाड़ी के साथ दबोचा गया। हिरासत में लिए गये दोनों आरोपितो से नगर थाना पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। इसमें एक संदिग्ध खुद को महाराष्ट्र और दूसरा हजारीबाग का बताया जा रहा है। दोनों 19 किलो चांदी के चार सिल्ली को गिरिडीह में ही किसी जेवर कारोबारी को उनके डिमांड के अनुसार आपूर्ति करने आए थे। हालांकि दोनों संदिग्धों ने दावा किया है कि उनके पास पूरे कागजात है। लेकिन पुलिस की माने तो दोनों को लेकर कई तरह की बाते सामने आ रही है।नगर थाना प्रभारी रतन कुमार ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल की जा रही है। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

टुंडी में हाथियों का आतंक, स्कूल व घर तोड़े

हाथी के हमले से क्षतिग्रस्त घर

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद जिले के टुंडी प्रखंड क्षेत्र में एक बार फिर जंगली हाथियों के झुंड ने भारी तबाही मचाई है। करीब 35 हाथियों का झुंड शनिवार देर रात जाताखुटी पंचायत के दालुगोड़ा गांव में घुस आया। हाथियों ने पहले स्कूल को क्षतिग्रस्त किया और वहां रखे मिड डे मील का अनाज खा गए। इसके बाद एक ग्रामीण के घर को तोड़ दिया। अचानक हाथियों के हमले से गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग किसी तरह जान बचाकर घरों से भागे। सूचना मिलने पर मशालची पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद हाथियों के झुंड को गांव से खदेड़ा गया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीण रातभर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। टुंडी थाना क्षेत्र के जाताखुटी पंचायत स्थित दालुगोड़ा गांव में शनिवार देर रात करीब 35 जंगली हाथियों का झुंड घुस आया। हाथियों ने सबसे पहले रंगामाटिया स्कूल को निशाना बनाया। स्कूल का दरवाजा और दीवार तोड़कर हाथियों ने वहां रखे मिड डे मील का अनाज चट कर दिया। इसके बाद हाथियों का झुंड गांव के निवासी रामलाल मुर्मू के घर पहुंचा और घर को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। उस समय घर के सभी सदस्य सो रहे थे। अचानक हाथियों के घर में घुसने से परिवार में चीख-पुकार मच गई। महिलाएं बच्चों को गोद में लेकर किसी तरह जान बचाकर बाहर भागीं।

पीड़ित रामलाल मुर्मू और उनकी पत्नी चंदौली मुर्मू ने बताया कि इसी साल जनवरी महीने में भी हाथियों ने उनका घर तोड़ दिया था। उस नुकसान से परिवार अभी उबर भी नहीं पाया था कि एक बार फिर हाथियों ने घर उजाड़ दिया। घर में रखा करीब 10 से 12 मन धान और 4 से 5 मन चावल भी हाथी खा गए।

साइबर फ्रॉड नेटवर्क का हुआ खुलासा जीजा-साला समेत दबोचे गए पांच ठग

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी शंभू कुमार सिंह

JAMTARA : पुलिस ने साइबर फ्रॉड के बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। पश्चिम बंगाल, झारखंड एवं कई जगहों पर गिरोह के सदस्य सक्रिय थे। एक साइबर फ्रॉड जामताड़ा में बहन के घर में रहकर धंधा चला रहा था। यहीं से अपने नेटवर्क को कमांड कर रहा था। पुलिस ने जीजा-साला समेत पांच शातिर ठगों को गिरफ्तार कर लिया है। ये साइबर फ्रॉड लोगों को फोन कर बिजली बिल, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड बंद होने का डर दिखाकर ठगी करते थे। सुराग मिलने पर पुलिस ने दबिश दी। जामताड़ा के एसपी शंभू कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद साइबर थाना की पुलिस ने नारायणपुर और करमाटांड़ इलाके में छापेमारी की। पुलिस ने पांच साइबर अपराधियों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 15 मोबाइल फोन, 14 फर्जी सिम कार्ड, चार एटीएम कार्ड, दो लैपटॉप और 50 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार अपराधियों में विष्णु मंडल, सचिन मंडल, सागर नायक, किशोर दास और विश्वजीत दास शामिल हैं। इनमें से कुछ आरोपी पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर के रहने वाले हैं। पुलिस जांच में पता चला कि विश्वजीत दास अपनी बहन और जीजा के घर में रहकर साइबर ठगी कर रहा था। वहीं दूसरे आरोपी भी गांव में रहकर लोगों को फोन कर ठग रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लोगों को फोन कर कहते थे कि उनका बिजली बिल बकाया है या उनका डेबिट और क्रेडिट कार्ड बंद होने वाला है। इसके बाद वे लोगों से बैंक की जानकारी और ओटीपी हासिल कर उनके खाते से पैसे निकाल लेते थे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार दो आरोपी पहले भी साइबर ठगी के मामलों में जेल जा चुके हैं।

रोड एक्सीडेंट गिरिडीह जिले में शुरू हुआ सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान, सफेद वर्दी में तैनात रहेगी ट्रैफिक पुलिस

25 दिनों में 33 की मौत से एसपी हुए चिंतित, बाइक पर निकले

पुलिस अधिकारियों व जवानों के साथ बाइक पर सवार एसपी डॉ. विमल कुमार

PHOTON NEWS GIRIDIH: गिरिडीह जिले में हर दिन सड़क दुर्घटना हो रही है, जिसमें कोई न कोई घायल होता रहा है। हर दो-तीन दिन में किसी न किसी की मौत भी होती है। ज्यादातर घटनाएं बाइक से हो रही हैं। हाल के 25 दिनों में जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटनाओं में 33 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 30 अप्रैल को तीन, 1 मई को एक, 2 मई को तीन, 4 मई को तीन, 5 मई को चार, 8 मई को छह, 9 मई को तीन, 11 मई को दो, 12 मई को दो, 13 मई को दो, 15 मई को एक, 18 मई को एक, 20 मई को एक और 22 मई को एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत हुई। इस पर एसपी डॉ. विमल कुमार ने चिंता जताते हुए जिले में व्यापक रूप में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू किया है। जागरुकता अभियान की शुरूआत करते हुए एसपी डॉ बिमल कुमार रविवार को खुद बाइक पर सवार होकर अन्य अधिकारियों और ट्रैफिक के जवानों के साथ शहर में निकले और लोगों को जागरूक किया। एसपी ने लोगों से यातायात नियम का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हेलमेट तो निहायत ही जरूरी है। इसके अलावा ट्रिपल लोड बाइक नहीं चलाना है। गलत साइड से न तो चलना है और ना बायीं ओर से किसी वाहन या व्यक्ति को ओवरटेक करना है। ओवरटेक करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि सामने से कोई वाहन तो नहीं आ रहा है, जिससे दुर्घटना हो सकती है।

बाइक सवारों को दिए हेलमेट

एसपी डॉ बिमल कुमार ने कार चालक और सवारों से सीट बेल्ट पहनने को कहा। इस दौरान बगैर हेलमेट के चल रहे लोगों को हेलमेट और गुलाब के फूल दिए। इधर गिरिडीह ट्रैफिक पुलिस की वर्दी भी चेंज हो गई है। अब से गिरिडीह की ट्रैफिक पुलिस अन्य जिले की तरह सफेद वर्दी में दिखेगी।

सड़क सुरक्षा आम जनमानस के लिए महत्वपूर्ण : डीसी

LATEHAR : उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई, जिसमें जिले में घटित सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए दुर्घटनाओं को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्देश संबंधित विभागों को दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर सभी विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करें। सड़क सुरक्षा अभियानों की प्रगति लाने और व्यापक जनजागरूकता अभियान पर विशेष बल दिया गया। सड़क किनारे झाड़ियों की सफाई सुनिश्चित करने और मुख्य पथों पर कॉन्वेक्स मिरर, स्पीड ब्रेकर और रोड साइन लगाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन, तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग, बिना निबंधन और बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

BRIEF NEWS

दामोदर महोत्सव आज उद्गम स्थल पहुंचेंगे राज्यपाल गंगवार

RANCHI : युगांतर भारती के तत्वावधान में 25 मई को लोहरदगा स्थित दामोदर नदी के उद्गम स्थल चूल्हा पानी में दामोदर महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। संयोगवश इसी दिन गंगा दशहरा का पर्व भी मनाया जाएगा, जिससे इस आयोजन का धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व और बढ़ गया है। युगांतर भारती के अध्यक्ष अंशुल शरण ने रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार इस महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय करेंगे।

लालपुर में मोबाइल छिनतई मामले का खुलासा, दो गिरफ्तार

RANCHI : लालपुर थाना क्षेत्र में मोबाइल छिनतई की घटना का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खुलासा कर लिया है। मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है और छिनतई किया गया मोबाइल भी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार वादी राकेश कुमार सिन्हा शनिवार को विराज नगर लालपुर की ओर किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो अज्ञात अपराधकर्मी आए और उनके हाथ से मोबाइल झपट्टा मारकर फरार हो गए। घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी का फुटेज खंगाला गया। फुटेज में अंशु कच्छप तथा आकाश वर्मा की पहचान हो गई। इसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पिठोरिया में भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील

PITHORIYA : पिठोरिया थाना परिसर में आगामी बकरीद और मांडा पूजा के सफल आयोजन को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों त्योहारों को आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना है। पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश पांडे ने कहा कि त्योहारों के दौरान सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, ताकि किसी भी तरह की अफवाह या आपत्तिजनक पोस्ट और वीडियो को फैलने से रोका जा सके।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुंचाने पर चर्चा

KANKE : रविवार को अमन ग्रुप वेलफेयर ट्रस्ट' की महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष अताउल्ला अंसारी की अध्यक्षता मे हुई। बैठक में संस्था के पिछले कार्यों की समीक्षा की गई, साथ ही भविष्य में समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुंचाने का एक मजबूत ब्लूप्रिंट भी तैयार किया गया। संस्था के जनहित कार्यों से प्रभावित होकर क्षेत्र के दर्जनों युवाओं और प्रबुद्ध जनों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

तदाशा मिश्रा पुलिस मुख्यालय में क्राइम व नक्सलवाद पर करेंगी मंथन

कानून व्यवस्था को ले डीजीपी सख्त, अपराध की करेंगी समीक्षा

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर डीजीपी तदाशा मिश्रा सख्त कदम उठाने वाली हैं। 29 और 30 मई को राज्य के सभी जिलों के एसएसपी, एसपी, रेंज आईजी, डीआईजी समेत मुख्यालय के सीनियर आईपीएस अफसरों के साथ कानून व्यवस्था पर समीक्षा बैठक करेंगी। इसमें अपराध, नक्सलवाद, सभी लंबित कांड, महिला अपराध समेत कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। समीक्षा बैठक के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। तदाशा मिश्रा पहली बार राज्य के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ आमने-सामने बैठकर कानून व्यवस्था की समीक्षा करेंगी। बैठक में पॉक्सो एक्ट, महिला अत्याचार दहेज मृत्यु, दुष्कर्म, सामूहिक दुष्कर्म, डायन प्रतिषेध से जुड़े मामले और एससी-एसटी अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की भी गहन समीक्षा की जाएगी। इन मामलों में लंबित अनुसंधान की स्थिति, अभियोजन में रुकावट और पीड़ितों को दी गई मुआवजा राशि, राहत की प्रगति रिपोर्ट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

लंबित कांड और महिला अपराध मामलों के निष्पादन का जानेंगी हाल

पीड़ितों को दी गई मुआवजा राशि व राहत की प्रगति रिपोर्ट पर भी चर्चा

डीजीपी तदाशा मिश्रा

साइबर क्राइम, डकैती व नक्सल गतिविधियों पर फोकस

डीजीपी द्वारा पर्व त्यौहार के दौरान खड़ी हुई कानून व्यवस्था की समस्या 2025 से मार्च 2026 तक यदि कोई महत्वपूर्ण कांड, आपराधिक घटना जिसमें विधि व्यवस्था की स्थिति खराब हुई हो, उसकी पूरी विवरणी, राज्य में साइबर क्राइम, डकैती, लूट, चोरी गृह भेदन, फिरौती के लिए अपहरण, रंगदारी, आर्म्स एक्ट, नक्सल और अवैध मानव व्यापार से संबंधित रिपोर्ट के साथ-साथ वर्तमान नक्सल परिदृश्य कैसा है इस पर चर्चा की जाएगी। वहीं झारखंड में 5 साल या उससे पूर्व के लंबित कांडों के निष्पादन की दिशा में किस तरह के कार्य किए जा रहे हैं, वर्तमान में राज्य के जिलों में लंबित कांडों की क्या स्थिति है- डीजीपी द्वारा पूरा जायजा लिया जाएगा। झारखंड पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी पत्र में बताया गया है कि 29 मई को दिन के 11 बजे से झारखंड पुलिस मुख्यालय के सभागार में कानून व्यवस्था से जुड़े तमाम एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

कानून व्यवस्था से संबंधित पीपीटी का होगा प्रस्तुतिकरण

समीक्षा बैठक में एजेंडा नंबर एक के तहत पुलिस महानिरीक्षक अभियान द्वारा कानून व्यवस्था से संबंधित पीपीटी का प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। एजेंडा नंबर 2 में सीआईडी द्वारा राज्य के मुख्य अपराध से संबंधित पीपीटी का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। एजेंडा नंबर 3 में राज्य के वर्तमान नक्सल परिदृश्य से संबंधित पीपीटी प्रेजेंटेशन स्पेशल ब्रांच के द्वारा किया जाएगा। एजेंडा नंबर 4 में नए कानून से संबंधित पीपीटी का प्रस्तुतीकरण पुलिस उप महानिरीक्षक जैप के द्वारा किया जाएगा। डीजीपी की बैठक में आगामी श्रावणी मेले को लेकर भी विशेष रणनीति तैयार की जाएगी। देवघर एसपी को श्रावणी मेले के संबंध में विशेष प्रजेंटेशन बनाकर लाने का निर्देश दिया गया है।

बकरीद को लेकर स्पेशल ब्रांच ने किया अलर्ट

RANCHI : झारखंड पुलिस की स्पेशल ब्रांच ने ईद-उल-अजहा (बकरीद) को लेकर सभी जिलों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश जारी किया है। बकरीद पर्व के दौरान पूर्व में हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए विभाग ने सभी जिलों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। स्पेशल ब्रांच ने पशु तस्करों पर भी विशेष नजर रखने की हिदायत दी है। बकरीद का पर्व 28 मई को मनाए जाने की सूचना है। हालांकि चांद के दृष्टिगोचर होने के आधार पर तिथि में परिवर्तन भी संभव है। स्पेशल ब्रांच के पत्र में यह लिखा गया है कि वैसे तमाम व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक तथा अन्य सोशल मीडिया ग्रुप्स पर भी निगरानी रखें, जो किसी विशेष संप्रदाय धर्म जाति की भावनाओं को आहत करने वाली टिप्पणियां करते हैं और नफरत फैलाते हैं। उनके एडमिन का नाम और मोबाइल नंबर संग्रह कर उन पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

रांची के डीडीसी बने संजय कुमार भगत, 14 अफसर इधर से उधर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के 14 पदाधिकारियों का स्थानांतरण-पदस्थापन किया है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें झारखंड के अधिकारियों को संयुक्त सचिव से पदोन्नति देते हुए अपर सचिव बनाया गया है, जबकि कुछ अधिकारियों की विभागीय जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।

मो. शब्बीर अहमद को पदस्थापन की प्रतीक्षा से हटाकर श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग में अपर सचिव बनाया गया। इसके साथ ही कर्मचारी राज्य बीमा योजना, रांची के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया।

संदीप कुमार दोराइबुरू को पदस्थापन की प्रतीक्षा से हटाकर स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग में अपर सचिव बनाया गया।

रविराज शर्मा को पदस्थापन की प्रतीक्षा से गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग में अपर सचिव बनाया गया।

श्याम नारायण राम को पदस्थापन की प्रतीक्षा से झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) का सचिव बनाया गया।

संयुक्त सचिव कृषि विभाग में कार्यरत अल्बर्ट बिलूंग को उसी विभाग में अपर सचिव बनाया गया।

मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग के संयुक्त सचिव अखलेश कुमार सिन्हा को उसी विभाग में अपर सचिव बनाया गया।

जल संसाधन विभाग के संयुक्त सचिव ओनिल क्लेमेन्ट ओड़ेया को स्थानांतरित करते हुए उन्हें अपर सचिव पद पर स्कूली शिक्षा साक्षरता विभाग में पदस्थापित किया गया है।

पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के संयुक्त सचिव मोईनउद्दीन खान को अपर सचिव जल संसाधन विभाग के पद पर पदस्थापित किया गया है।

झारखंड संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा परिषद की विशेष कार्य पदाधिकारी रंजीता हेम्ब्रम को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का अपर सचिव बनाया गया है, जिसमें उन्हें अभियान निदेशक स्वच्छ भारत मिशन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

ऊर्जा विभाग के संयुक्त सचिव मो. मुस्तकीम अंसारी को उसी विभाग में अपर सचिव बनाया गया है।

लातेहार में आईटीडीए के परियोजना निदेशक प्रवीण कुमार गागराई को राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग में अपर सचिव बनाया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और केसी वेणुगोपाल से मिले इरफान अंसारी, मिला टास्क

PHOTON NEWS RANCHI : नई दिल्ली में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान तेलंगाना सरकार के मंत्री और पूर्व क्रिकेट कप्तान मो. अजहरूद्दीन भी मौजूद रहे। बैठक में संगठन की मजबूती, झारखंड की राजनीतिक स्थिति और जनता के बीच सक्रिय रहने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान खड़गे ने डॉ. इरफान अंसारी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके अंदर जुनून और लगन है, जिसे कभी खत्म नहीं होने देना चाहिए। इसके अलावा डॉ. इरफान अंसारी ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की। इस दौरान झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था, ग्रामीण क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच और संगठनात्मक गतिविधियों पर लंबी चर्चा हुई। केसी वेणुगोपाल ने कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जनता के लिए किया गया काम ही सबसे बड़ी पहचान बनता है और बिना दबाव के जनता की सेवा करते रहना चाहिए।

मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात करते इरफान अंसारी व मो. अजहरूद्दीन • फोटोन न्यूज

ऑटो किराया चार्ट लागू करने को लेकर बनी रणनीति

RANCHI : रांची स्थित ड्यूक मेंशन लाइन टैंक रोड कार्यालय में रविवार को झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ और रांची जिला ऑटो चालक यूनियन के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने किया। ऑटो चालकों की विभिन्न समस्याओं और यात्री हित से जुड़े चार प्रमुख एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में ग्लोबल टेंडर मामले को लेकर नगर आयुक्त, अवैध वसूली के मुद्दे पर यातायात एसपी तथा परमिट संबंधी समस्याओं को लेकर परिवहन कमिश्नर को लिखित आवेदन देने का निर्णय लिया गया।

पूर्व मंत्री राजेंद्र प्रसाद सिंह को पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, कार्यों को किया याद

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और मजदूर किसानों की मजबूत आवाज रहे स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि राजेंद्र प्रसाद सिंह उन नेताओं में शामिल थे जिन्होंने राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का जरिया माना। उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों, श्रमिकों, किसानों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित किया। उन्होंने कहा कि राजेंद्र बाबू ने झारखंड की सामाजिक और राजनीतिक चेतना को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई और मंत्री रहते हुए विकास, रोजगार एवं सामाजिक न्याय के मुद्दों को प्राथमिकता दी।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस परिवार उनके योगदान को याद करते हुए सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और जनहित की लड़ाई को और मजबूत करने का संकल्प लेता है।

राजेंद्र प्रसाद सिंह को श्रद्धांजलि देते कांग्रेस के नेता • फोटोन न्यूज

24 जिलों से एक महिला और एक पुरुष प्रतिनिधि हुए शामिल

राष्ट्रीय खेल नीति के अनुरूप बने 'हॉकी झारखंड' के नए बायलॉज को मिली मंजूरी

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को हॉकी झारखंड की स्पेशल जेनरल बॉडी की महत्वपूर्ण बैठक भोलानाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में राष्ट्रीय खेल नीति, अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ और हॉकी इंडिया के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किए गए हॉकी झारखंड के नए बायलॉज को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। संगठन के पदाधिकारियों ने इसे झारखंड में हॉकी के विकास और पारदर्शी खेल प्रशासन की दिशा में अहम कदम बताया। बैठक में राज्य के सभी 24 जिलों से एक महिला और एक पुरुष प्रतिनिधि शामिल हुए। इसके अलावा कार्यकारिणी समिति के सभी प्रमुख पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान संगठन के संचालन, चुनाव प्रक्रिया, खिलाड़ियों की भागीदारी और जिला इकाइयों की संरचना जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में भाग लेते भोलानाथ सिंह व अन्य • फोटोन न्यूज

शहर में स्ट्रीट फूड की जांच करेगी मोबाइल लैब

- लोगों से दुकानों में स्वच्छता देखकर खाने की अपील, मिलावटी खाद्य पदार्थों से रहें सतर्क
- गर्मी में भोजन जल्दी खराब होने और बैक्टीरिया संक्रमण का बढ़ा खतरा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची में गर्मी के दौरान बढ़ते खाद्य संक्रमण और मिलावटी खानपान की आशंकाओं को देखते हुए फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट अब सड़क किनारे बिकने वाले खाद्य पदार्थों की जांच के लिए विशेष अभियान शुरू करने जा रहा है। शहर के विभिन्न इलाकों में मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के जरिए स्ट्रीट फूड और रोडसाइड दुकानों में बिकने वाले खाने की चीजों की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। यह विशेष निरीक्षण अभियान अगले सप्ताह से शुरू होगा। अभियान के तहत सड़क किनारे लगने वाली खाने-पीने की दुकानों, बाजारों, स्कूल जोन, शाम के स्नैक सेंटर और प्रमुख फूड हब को चिन्हित कर वहां बिकने वाले खाद्य पदार्थों की जांच की जाएगी। इस दौरान तेल, पानी, मसाले, दूध से बने उत्पाद और तैयार खाद्य सामग्री के सैंपल लेकर मौके पर ही उनकी गुणवत्ता की जांच की जाएगी।

फूड सेफ्टी ऑफिसर डॉ. पवन कुमार ने बताया कि सड़क किनारे बिकने वाले खाद्य पदार्थों की नियमित जांच पहले से की जाती है, लेकिन गर्मी के मौसम में भोजन जल्दी खराब होने और बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा बढ़ जाने के कारण इस बार निरीक्षण अभियान को और तेज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक गर्मी, असुरक्षित पानी का इस्तेमाल, भोजन का गलत तरीके से भंडारण और खुले में रखे खाद्य पदार्थ संक्रमण के प्रमुख कारण बनते हैं।

गुणवत्ता मानकों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने स्ट्रीट फूड विक्रेताओं और रोडसाइड ढाबा संचालकों को साफ-सफाई बनाए रखने, ढके हुए डस्टबिन का उपयोग करने, शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को अलग रखने, खाना बनाने और बर्तन धोने में स्वच्छ पेयजल का उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि खाद्य गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। गंभीर मामलों में लाइसेंस रद्द करने, खाद्य सामग्री जब्त करने और कानूनी कार्रवाई का भी प्रावधान है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि गर्मी में खुले में रखे कटे फल, बिना ढके खाद्य पदार्थ और अस्वच्छ स्थानों पर तैयार खाना खाने से बचें।

रोजगार सृजन ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साथ आधारभूत संरचना विकास का कराया जाएगा काम

'वीबी-जी राम जी' योजना के तहत 318 नए कार्यों की अंतरिम सूची जारी

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी वीबी-जी राम जी योजना के तहत कराए जाने वाले कार्यों की अंतरिम सूची जारी कर दी गई है। 'विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन' योजना के तहत फिलहाल 318 प्रकार के कार्यों को शामिल किया गया है, जिनपर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ आधारभूत संरचना विकास का काम कराया जाएगा। ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड ने इस संबंध में सभी जिलों, उप विकास आयुक्तों और कार्यक्रम पदाधिकारियों (पीओ) को पत्र भेजते हुए सूची पर सुझाव और राय मांगी है। विभाग ने कहा है कि यदि स्थानीय जरूरतों और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार अन्य उपयुक्त कार्यों को शामिल करने की आवश्यकता हो, तो जिलों से उसका प्रस्ताव भेजा जाए। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह फिलहाल अंतरिम सूची है और राज्यों से प्राप्त सुझावों के आधार पर इसमें आगे और भी कार्य जोड़े जा सकते हैं। माना जा रहा है कि योजना के अंतिम स्वरूप में ग्रामीण विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, जल संरक्षण, कृषि उत्पादकता और सामुदायिक परिसंपत्तियों से जुड़े कई अतिरिक्त कार्यों को शामिल किया जा सकता है।

नई योजना एक जुलाई 2026 से लागू करने की तैयारी चल रही है और यह वर्तमान मनरेगा व्यवस्था का स्थान लेगी। जारी सूची में सबसे अधिक प्राथमिकता जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते जल संकट और सिंचाई की समस्या को देखते हुए नहर निर्माण, बाढ़ नियंत्रण चैनल, डायवर्जन चैनल, चेक डैम, गली प्लग और अंडरग्राउंड डाइक जैसे कार्य बड़े पैमाने पर कराये जायेंगे। इसके अलावा व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर बोल्डर चेकडैम, अर्थेन चेकडैम, गैबियन चेकडैम और मेसनरी चेकडैम निर्माण के साथ उनकी मरम्मत और रखरखाव के कार्य भी शामिल किए गए हैं।

जल संरक्षण, सिंचाई और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर रहेगा सबसे ज्यादा फोकस

आगे राज्यों से प्राप्त सुझावों के आधार पर लिस्ट में जोड़े जा सकते हैं और भी कार्य

प्रतीकात्मक फोटो

स्प्रिंग शेड के लिए कलेक्शन चैंबर का किया जाएगा निर्माण

सूची में तालाब निर्माण एवं जीर्णोद्धार, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज पिट, रिचार्ज शाफ्ट, इंजेक्शन वेल और वर्षा जल संचयन संरचनाओं के विकास को भी प्राथमिकता दी गयी है। इसके साथ ही सामुदायिक स्तर पर स्टॉर्म वाटर ड्रेन की मरम्मत, स्प्रिंग शेड के लिए कलेक्शन चैंबर निर्माण, बंद पड़े बोरवेल में फिल्ट्रेशन चैंबर निर्माण, एस्केप चैनल के किनारे फिल्ट्रेशन पॉन्ड सह रिचार्ज शाफ्ट निर्माण तथा जल निकायों में इंजेक्शन वेल निर्माण जैसे कार्य भी योजना का हिस्सा होंगे।

कृषि उत्पादन व सिंचाई क्षमता बढ़ाने पर जोर

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उत्पादन और सिंचाई क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से फार्म पॉन्ड निर्माण, खेत सिंचाई सुविधा विस्तार, जल निकासी सुधार और अन्य जल संरक्षण संरचनाओं को भी सूची में शामिल किया गया है। इसके अलावा ब्रशवुड गली प्लग, मिट्टी गली प्लग और स्टोन बोल्डर गली प्लग निर्माण जैसे छोटे लेकिन प्रभावी जल संरक्षण कार्यों को भी प्राथमिकता दी गयी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार योजना का उद्देश्य केवल ग्रामीण रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण, भूजल स्तर में सुधार, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना और प्राकृतिक संसाधनों का टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करना भी है।

आरएसएस के आदिवासी समागम पर सियासत, कांग्रेस-झामुमो पर हमला

PHOTON NEWS RANCHI : दिल्ली में आयोजित आरएसएस के आदिवासी समागम को लेकर झारखंड की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस नेताओं द्वारा इस आयोजन का विरोध किए जाने के बाद झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस और झामुमो पर हमला बोला है। रांची स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कांग्रेस पर सनातन धर्म को कमजोर करने का आरोप लगाया है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कांग्रेस का एकमात्र उद्देश्य सनातन धर्म को कमजोर करना है और इसके लिए उसके नेता लगातार अनर्गल बयानबाजी करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म संख्या बढ़ाने के लिए धर्म परिवर्तन नहीं कराता, जबकि जनजातीय समाज की संस्कृति और सनातन परंपराओं में काफी समानता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय संस्कारों से जुड़ा होता है और जिन लोगों ने धर्म परिवर्तन कर लिया है, वे जनजातीय अधिकारों की बात कैसे कर सकते हैं। उन्होंने सरना आदिवासियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए डीलिस्टिंग की आवश्यकता पर जोर दिया। कहा कि इससे वास्तविक सरना आदिवासियों को उनका हक मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता जनजातीय समुदाय को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

समाचार सार

मुफस्सिल थाना परिसर में चला सफाई अभियान

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के पुलिस अधीक्षक अमित रेनू के निर्देश पर मुफस्सिल थाना प्रभारी विनोद कुमार ने रविवार को सभी पदाधिकारियों और कर्मियों के साथ मिलकर थाना परिसर में साफ-सफाई अभियान चलाया। इस दौरान वदीर्धारी पुलिसकर्मियों ने झाड़ू उठाकर पूरे थाना परिसर की सफाई की। कार्यालय, बैरक, परिसर और आसपास के इलाके को चमकाया गया। थाना प्रभारी विनोद कुमार खुद सफाई में जुटे रहे। उनका कहना था कि स्वच्छता की जिम्मेदारी सिर्फ सफाईकर्मी की नहीं है। यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

मृतक के परिवार को विधायक ने दी सहायता

GHATSILA : फुलडुंगरी स्थित एनएच-18 पर कुछ दिनों पूर्व हुई सड़क दुर्घटना में सुसनीजोबनी गांव निवासी उत्तम पातर की मौत हो गई थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मृतक की पत्नी शांति पातर व पुत्र बुद्धेश्वर पातर ने श्राद्धकर्म के लिए विधायक सोमेश चंद्र सोरेन से सहायता मांगी थी। विधायक ने परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। इसी क्रम में रविवार को विधायक के निर्देश पर प्रखंड कोषाध्यक्ष बाबूलाल मुर्मू ने श्राद्धकर्म के लिए खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई, जिसे विकास मजूमदार, पावड़ा पंचायत के झामुमो अध्यक्ष मेघराय बेसरा एवं सुदर्शन बेहरा ने घर जाकर सहायता सामग्री सौंपी।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, लाखों के सामान खाक

GHATSILA : धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के नूतनगढ़ पंचायत अंतर्गत जोरसोल गांव के बाघासोल टोला में शॉर्ट सर्किट से शिवशंकर बास्के के घर में आग लग गई, जिससे लगभग डेढ़ लाख रुपये के सामान खाक हो गए। शिवशंकर बास्के के पुत्र सुकेश बास्के ने बताया कि रविवार को घर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने की जानकारी बच्चों ने दी। आग से फ्रिज, अलमारी तथा उसमें रखे कपड़े, 70 हजार रुपये तथा घर में रखा करीब 20 क्विंटल धान, पलंग, टेबल, चेयर, टेबल फैन और घरेलू उपयोग के सभी सामान जल गए। ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक सबकुछ खाक हो चुका था। यदि सरकारी सहायता नहीं मिली तो पुनः परिवार को खड़ा होने में वर्षों लग जाएंगे।

मालगाड़ी की चपेट में आकर अज्ञात युवक की मौत

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल अंतर्गत गुवा स्टेशन क्षेत्र के ठाकुरा गांव स्थित रेलवे ओवरब्रिज के पास रविवार को मालगाड़ी की चपेट में आने से 25 वर्षीय अज्ञात युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, युवक का शव रेलवे ओवरब्रिज के किनारे झाड़ियों में पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। आशंका है कि युवक मालगाड़ी की चपेट में आ गया। गुवा के थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। युवक की पहचान नहीं हो पाई है। उसके पास से कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिला है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की शिनाख्त का प्रयास कर रही है। आसपास के थानों को भी सूचना दी गई है। थाना प्रभारी ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। यह पता लगाया जा रहा है कि युवक रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंचा। घटना हादसा है या कोई अन्य वजह, इसकी जांच की जा रही है।

अनुमंडल अस्पताल में 43 लोगों ने किया रक्तदान

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में रक्त की कमी दूर करने के लिए रविवार को चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में द्वितीय रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 43 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। शिविर का उद्घाटन अंचल अधिकारी सुरेश कुमार सिन्हा, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंशुमन शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। अंचलाधिकारी ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर जिले में प्रत्येक माह की 24 तारीख को रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। शिविर में प्रखंड, अंचल और अनुमंडल अस्पताल के कर्मचारी, सीआरपीएफ-60 बटालियन के जवानों समेत शहर के कई लोगों ने रक्तदान किया।

बारीगोड़ा में आदिवासी जमीन पर कब्जे को लेकर भारी बवाल

चारदीवारी की गई ध्वस्त, ग्रामसभा के बाद महिलाएं भी पहुंचीं, पुलिस के खिलाफ हुई नारेबाजी

PHOTON NEWS JSR : परसुडीह स्थित बारीगोड़ा के डुंगरीटोला में रैयती जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर रविवार को जमकर बवाल हुआ। इसे लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था, लेकिन रविवार को इसने उग्र रूप ले लिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और पीड़ित परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे और निमार्णाधीन चारदीवारी को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद वहां कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने हस्तक्षेप कर किसी तरह मामले को शांत कराया।

निर्माणाधीन चारदीवारी को तोड़ते लोग • फोटोन न्यूज

बताया जाता है कि डुंगरीटोला के कृति मैदान के पास एक रैयती जमीन को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोग नंदो भूमिज की पुश्तैनी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। इस मामले को लेकर शनिवार को गांव में माझी बाबा रमेश मुर्मू की अध्यक्षता में ग्रामसभा भी हुई थी। इसमें ग्रामीणों ने कथित अवैध कब्जे और निर्माण का विरोध करते हुए इसे तत्काल रोकने की मांग रखी। ग्रामसभा ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यदि 24 घंटे के भीतर निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो ग्रामीण स्वयं कार्रवाई करेंगे। इस संबंध में परसुडीह थाना और अंचल कार्यालय को भी लिखित सूचना दी गई थी। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद रविवार को ग्रामीण पारंपरिक हथियार के साथ मौके पर पहुंचे। इसमें काफी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी। वहां निर्माण कार्य जारी रहने से ग्रामीणों का आक्रोश भड़क गया। उन्होंने निमार्णाधीन चारदीवारी को हथौड़े से ध्वस्त कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की। ग्रामीणों का आरोप था कि विवादित भूमि पर निर्माण कार्य प्रशासन की जानकारी में कराया जा रहा था। पुलिस ने इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

माझी बाबा रमेश मुर्मू ने कहा कि गांव की पारंपरिक व्यवस्था और रैयती जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए वे लगातार आवाज उठाते रहेंगे। पुलिस की मध्यस्थता के बाद फिलहाल क्षेत्र में शांति है। वहीं, जमीन को अपना बताने वाले अरविंद सिंह ने कहा कि मैने यह 84 कट्ठा जमीन अवतार सिंह नामक व्यक्ति से खरीदी है। जमीन के चारों ओर मैंने चारदीवारी बनाई थे, जिसे ग्रामीणों ने तोड़ दिया।

कीनन स्टेडियम के पास महिला से छिनतई, छीना झपटी में बाइक से गिरी

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कीनन स्टेडियम के पास रविवार को बाइक सवार दो अपराधियों ने एक महिला का पर्स छीन लिया। इस दौरान छीनाझपटी में चलती बाइक से महिला सड़क पर गिर गई, जिससे वह घायल हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर बिष्टुपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस बदमाशों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों का सहारा ले रही है।

बताया जाता है कि पीड़ित महिला नीतू पांडेय अपने पति गौरीशंकर पांडेय के साथ साकची से बिष्टुपुर की ओर बाइक से जा रही थी। जैसे ही वह कीनन स्टेडियम के पास पहुंची, पीछे से आए एक बाइक पर सवार दो युवक महिला के कंधे पर लटका पर्स छीनने लगे। इस पर महिला ने पर्स को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन अपराधियों के झटका देने की वजह से महिला संतुलन खोकर सड़क पर गिर गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उसे संभाला और घटना की सूचना पुलिस को दी। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश बाग-ए-जमशेद गोलचक्कर की ओर भाग निकले। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत डीसी ने 51 मरीजों को लिया गोद

PHOTON NEWS CHAIBASA : टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत रविवार को सदर अस्पताल चाईबासा के कुपोषण उपचार केंद्र में 100 टीबी मरीजों के बीच पोषण युक्त फूड बास्केट का वितरण किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला के उपायुक्त मनीष कुमार ने किया। इस दौरान उपायुक्त मनीष कुमार ने निक्षय मित्र बनकर 51 टीबी मरीजों को गोद लिया। उनके अलावा सिविल सर्जन ने 11, सदर अंचल अधिकारी ने 11, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद ने 04, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक ने 05, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी ने 05, एनएचएम डीडीएम ने 05 और डिस्ट्रिक्ट एपिडेमियोलॉजिस्ट ने 05 मरीजों को गोद लेकर फूड बास्केट उपलब्ध कराया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नहीं है। यह समाज के हर जिम्मेदार नागरिक की सहभागिता से चलने वाला जन आंदोलन है। उन्होंने सभी टीबी मरीजों से नियमित दवा सेवन, समय पर जांच और पोषक आहार लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि निर्धारित उपचार अवधि का पूरा पालन करके ही टीबी को खत्म किया जा सकता है। उपायुक्त ने कहा कि टीबी मरीजों को केवल इलाज ही नहीं, सामाजिक सहयोग और पोषण समर्थन की भी जरूरत होती है। इसी उद्देश्य से निक्षय मित्र पहल के तहत मरीजों को फूड बास्केट दिया जा रहा है। इससे उपचार के दौरान उन्हें जरूरी पोषण मिल सकेगा। उपायुक्त ने जिले के सभी प्रशासनिक पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और प्रबुद्ध नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में निक्षय मित्र बनने की अपील की।

टीबी मरीज को फूड बास्केट देते उपायुक्त मनीष कुमार • फोटोन न्यूज

पोटका में लू लगने से किसान की हो गई मौत

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। बताया जा रहा है भीषण गर्मी के चलते पोटका में एक किसान मोहन सरदार की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि मोहन सरदार की मौत लू लगने के चलते हुई है। मोहन सरदार पोड़ाडीह पंचायत के मटियाल गांव के रहने वाले थे। उनकी उम्र 30 वर्ष बताई जा रही है। बताते हैं कि मोहन सरदार अपने घर से हल्दीपोखर के साप्ताहिक हाट गए थे। वहां से वह घर लौट रहे थे, तभी लगुरासाई गांव के पास उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह पेड़ के नीचे लेट गया। यहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर कोवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया। इधर, भीषण गर्मी के चलते रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया। डॉक्टरों का कहना है कि लोग घरों से बाहर न निकलें। इन दिनों जिले में लू का प्रकोप अधिक है।

जमशेदपुर में दो लोगों की मौत, लू लगने की आशंका

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में रविवार को कथित तौर पर लू लगने से जमशेदपुर में दो लोगों की मौत हो गई है। इनमें से एक अधेड़ की बिष्टुपुर में मौत हुई है, जबकि दूसरे व्यक्ति की मौत बर्मामाइंस ट्यूब डिवीजन गेट के पास हुई। बिष्टुपुर में कोल्ड स्टोरेज के पास रविवार को एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति का नाम संतोष है। बताते हैं कि वह बिष्टुपुर इलाके में कबाड़ चुनकर अपना गुजारा करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रविवार की दोपहर अचानक संतोष गिर पड़ा। आसपास के लोग वहां पहुंचे। लोगों ने उसे उठाने की कोशिश की। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इन दिनों जमशेदपुर में भीषण गर्मी पड़ रही है। लू भी चल रही है। लोग आशंका जाता रहे हैं कि शायद उसे लू लग गई होगी और इसी के चलते उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही संतोष की मौत का वास्तविक कारण पता चलेगा। उधर, बमार्माइंस में ट्यूब डिवीजन गेट के पास एक व्यक्ति की मौत हुई। व्यक्ति के नाक और मुंह से खून निकल रहा था। लोगों ने फौरन घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल के शीत गृह भेज दिया है। मृतक का नाम प्रकाश राव बताया जा रहा है। वह मजदूरी करता था।

घटनास्थल पर जुटे लोग

बॉक्सिंग प्रैक्टिस के दौरान किशोर की मौत, परिवार में पसरा मातम

JAMSHEDPUR : साकची थाना क्षेत्र अंतर्गत काशीडीह लाइन नंबर-5 निवासी पीयूष पटेल (15) की बॉक्सिंग प्रैक्टिस के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार समेत पूरे इलाके में शोक का माहौल है। गौरतलब है कि पीयूष पटेल शनिवार शाम रोजाना की तरह काशीडीह कम्युनिटी सेंटर में बॉक्सिंग अभ्यास के लिए पहुंचा था। वह रिंग में पंचिंग और प्रैक्टिस कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह जमीन पर गिर पड़ा। पीयूष को गिरता देख वहां मौजूद अन्य खिलाड़ी और कोच तुरंत उसकी मदद के लिए दौड़े। काफी देर तक उसे होश में लाने की कोशिश की गई, लेकिन जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसे तत्काल इलाज के लिए टाटा मेन हॉस्पिटल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए इलाज शुरू किया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। सूचना मिलने पर पुलिस भी अस्पताल पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि भीषण गर्मी और हीटवेव के कारण पीयूष को हार्टअटैक आया हो। हालांकि मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने रविवार को शव परिजनों को सौंप दिया। पीयूष अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसके पिता का करीब 10 महीने पहले निधन हो चुका था। परिवार में उसकी मां और दो बड़ी बहनें हैं। बेटे की असमय मौत से परिवार गहरे सदमे में है, वहीं मोहल्ले में भी शोक और मातम का माहौल है। यह घटना जमशेदपुर में लोगों को झकझोर देने वाली बन गई है।

बोड़ाम में नौवीं की छात्रा का पेड़ पर लटका मिला शव, हत्या की आशंका

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम थाना क्षेत्र स्थित नूतनडीह गांव में नौवीं कक्षा की छात्रा माला सिंह का शव घर से करीब 2 किलोमीटर दूर एक पेड़ पर लटका मिला। पुलिस का कहना है की माला सिंह ने आत्महत्या कर ली है, लेकिन, यह बात किसी के गले नहीं उतर रही है।

लोग हत्या की आशंका भी जता रहे हैं। पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। बताते हैं की माला सिंह 21 मई की शाम को घर से निकली थी। उसने घर में बताया था कि वह तालाब में नहाने जा रही है। इसके बाद परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की। लेकिन, कहीं पता नहीं चला था। माला सिंह बोड़ाम के लायलम गांव के स्कूल में पढ़ती थी।

टाटानगर स्टेशन के बाहर खुली टोकरी में मिले दो कोबरा, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

PHOTON NEWS JSR : टाटानगर रेलवे स्टेशन के मेन इंट्री गेट के बाहर रविवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब खुली टोकरी में दो जहरीले कोबरा सांप दिखाई दिए। अचानक सांपों को खुले में देखकर यात्रियों में दहशत फैल गई और लोग वहां से दूर हटने लगे। गौरतलब है कि कुछ संपेरे दो अलग-अलग टोकरियों में सांप छोड़कर वहां से चले गए थे। दोनों टोकरियों के ढक्कन खुले होने के कारण कोबरा बाहर नजर आए, जिससे स्टेशन परिसर के बाहर भीड़ जमा हो गई। चूंकि यह रेलवे स्टेशन का बिजी इलाका है, इसलिए किसी बड़े हादसे की आशंका बढ़ गई थी। लोगों ने घटना की सूचना आरपीएफ और जीआरपी को दी। इसके बाद आरपीएफ और जीआरपी के जवान मौके पर पहुंचे और स्नेक कैचर को बुलाया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्नेक रेस्क्यूअर छोटू मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों कोबरा सांपों का रेस्क्यू किया और उन्हें सुरक्षित पकड़ा। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। रेस्क्यूअर छोटू ने बताया कि बरामद दोनों सांप कोबरा प्रजाति के थे, जिन्हें स्थानीय भाषा में गेहुंअन सांप भी कहा जाता है। यह अत्यंत विषैले होते हैं और खुले में इनका होना लोगों के लिए गंभीर खतरा बन सकता था। वन विभाग और डीएफओ के निर्देश पर दोनों सांपों को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। समय रहते रेस्क्यू होने से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद स्टेशन परिसर और आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह जहरीले सांप छोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। लोगों का अनुमान है कि सपेरे ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन पहुंचे होंगे, लेकिन किसी कार्रवाई के डर से सांपों को बाहर ही छोड़कर फरार हो गए।

टोकरी में कोबरा सांप • फोटोन न्यूज

आयोजन सृजन संवाद के 15 वर्ष पूरे होने पर दिखाई गई डॉ. मीनू रावत की वीडियो फिल्म

यतीश कुमार व सविता सिंह की रचनाओं से यादगार बन गई गोष्ठी

PHOTON NEWS JSR : 15 साल पूरे होने पर सृजन संवाद की 162वीं गोष्ठी में दो कवियों के कविता पाठ का आयोजन 23 मई को स्ट्रीमयार्ड पर हुआ। इसका फेसबुक लाइव के जरिए प्रसारण किया गया। साहित्य और कला जगत से जुड़े कई साथियों ने इसमें भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन बेंगलुरु से परमानंद रमण ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ. विजय शर्मा ने दोनों अतिथि कवियों का स्वागत किया और सत्र की रूपरेखा प्रस्तुत की। यह कार्यक्रम सृजन संवाद के पंद्रहवें वर्ष का अंतिम कार्यक्रम था, अतः इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने 'सृजन संवाद' की सदस्य डॉ. मीनू रावत का बनाया वीडियो दिखाया। जिसमें विभिन्न विद्वानों ने शुभकामना संदेश दिए हैं। इसे देख फेसबुक पर टिप्पणी आई, 'इतने बड़े-बड़े साहित्यकार जब सृजन संवाद की उपलब्धियों को लेकर कुछ कह रहे हैं, तो महसूस हो रहा है, जमशेदपुर में कितना बड़ा काम हुआ है।'

डॉ. प्रियंका सिंह ने कवि यतीश कुमार का परिचय देते हुए बताया। यतीश कुमार की 'अंतस की खुरचन', 'आविर्भाव' कविता संग्रह एवं 'बोरसी भर आँच' आत्मकथा प्रकाशित हैं। सामाजिक कार्यों से जुड़े यतीश कुमार कई ब्लॉग पर उपस्थित हैं। उन्हें कई सम्मान-पुरस्कार प्राप्त हैं। परमानंद रमण के आग्रह पर यतीश कुमार ने 'बस इतना हो', 'स्त्री' ('अंतस की खुरचन' काव्य संग्रह से) सुनाई। 'स्त्री' कविता को वे आत्मकथा 'बोरसी भर आँच' का निचोड़ मानते हैं। आगे उन्होंने 'प्रेम में पेड़', 'काला चाँद' कविता सुनाई। 'काला चाँद' कलकत्ता की हालिया घटना को केंद्र में रख कर बुनी गई है, जिसे सुन श्रोता कविता की शक्ति से परिचित हुए। इसने सबको हिला कर रख दिया। टिप्पणी आई, 'हल्की सी कविता कब भारी हो चलती है, पता ही नहीं चलता।'

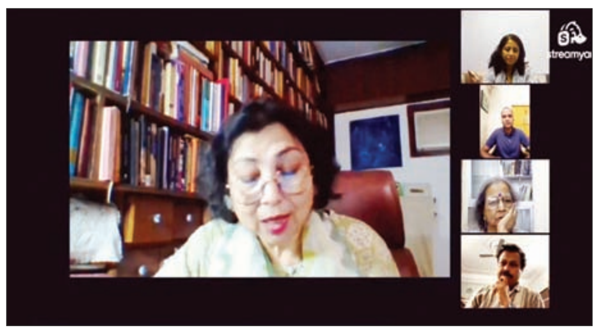

इस कविता पाठ के उपरांत डॉ. प्रियंका सिंह ने कवि सविता सिंह का परिचय दिया। आरा में जन्मी सविता सिंह के कविता संग्रह 'अपने जैसा जीवन', 'नींद थी और रात थी', 'खोई चीजों का शोक', 'वासना एक नदी का नाम', 'प्रेम भी एक यातना है' तथा 'स्वप्न समय' प्रकाशित हैं। दो द्विभाषिक काव्य-संग्रह 'रोविंग टुगेदर' (अंग्रेजी-हिन्दी) तथा 'ज स्वी ला मेजों दे जेत्वाल' (फ्रेंच-हिन्दी) तथा ओड़िया में 'जेयुर रास्ता मोरा निजारा' शीर्षक से संकलित हैं। उनकी कविताएँ कई भाषाओं में अनूदित हैं। आपकी कविताँ कई स्थानों पर कोर्स में पढ़ाई जाती हैं। सम्मान-पुरस्कार प्राप्त वर्तमान में सविता सिंह इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में प्रोफेसर, स्कूल ऑफ जेंडर एंड डेवलपमेंट स्टडीज की संस्थापक निदेशक हैं। सविता सिंह ने 'मैं किसकी औरत हूँ', 'अपनी यातना में' पढ़ी। इस पर टिप्पणी आई, 'बहुत शानदार कविता'। फिर उन्होंने 'रात नींद, सपने और स्त्री', 'मनोकामनाओं जैसी स्त्री', 'रूथ का सपना', 'सारा का सुंदर बदन' कविता सुनाई। इसके बाद उन्होंने 'वासना एक नदी का नाम है' संग्रह से तीन कविताएँ 'सृष्टि के रूप' तथा 'हवाएँ' तथा 'मनोरम' कविता पढ़ी। कार्यक्रम के अंतिम चरण में डॉ. विजय शर्मा ने दोनों कवियों, सफल संचालन के लिए परमानंद रमण एवं प्रियंका सिंह के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया, तकनीकी टीम व फेसबुक दर्शकों-श्रोताओं का आभार प्रकट किया।

इनकी उपस्थिति रही खास : संगोष्ठी में देश-विदेश से दर्शक-श्रोता जुड़े, जिनमें जमशेदपुर से साहित्य कला फाउंडेशन की डॉ. क्षमा त्रिपाठी, डॉ. मीनू रावत, अरविंद तिवारी, आभा विश्वकर्मा, वीणा, ऋचा द्विवेदी, डॉ. आशुतोष कुमार झा, सुधीर सुमन, रांची से वैभव मणि त्रिपाठी, गोरखपुर से उमा उपाध्याय, अनुराग रंजन, ओडिशा से कस्तुरिका मिश्रा, बेंगलुरु से पत्रकार अनघा मारीषा, कवि परमानंद रमण, पुणे से सिने-विश्लेषक एवं इतिहासकार मनमोहन चड्ढ़ा, जौनपुर से अश्वनी त्रिपाठी आदि सम्मिलित हुए।

बुरुडीह डैम के दोनों गेट की शुरू हो गई मरम्मत

GHATSILA : क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन स्थल बुरुडीह डैम में वर्षों से खराब पड़े दोनों गेट की मरम्मत रविवार को शुरू हुई। गेट की मरम्मत स्वर्णरिखा परियोजना के 10 नंबर डिवीजन की ओर से 40 लाख की लागत से कराई जा रही है। जानकारी के अनुसार बुरुडीह डैम 1983 में बनने के बाद डैम से किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए बायें और दायें दो गेट बनाए गए थे। डैम में पानी जमा होने के बाद किसानों को जरूरत के अनुसार गेट को खोलकर समय समय पर खेतों की सिंचाई के लिए पानी दिया जाता था। गेट 2004 तक ठीक ठाक चला था। डैम के पानी से हीरागंज, बुरुडीह, रामचंद्रपुर, दीघा, केंदडांगा, एदलबेड़ा, चेंगजोड़ा, माहलेडीह, कालिचित्ती समेत काशिदा पंचायत के कुछ गांवों में गरमा धान और विभिन्न प्रकार की सब्जियों की खेती होती थी। इस दौरान 22 साल के अंतराल में तीन बार गेट की मरम्मत हुई, लेकिन तीन साल के अंतराल पर गेट खराब हो जाता था। दोनों गेट खराब होने के कारण डैम से हर दिन लाखों लीटर पानी बेकार बह रहा है। इसके कारण समय से पहले हर साल बुरुडीह डैम में पानी की मात्रा काफी कम हो जा रही थी। छह-सात साल से गेट मरम्मत की मांग आसपास के ग्रामीण कर रहे थे। दो माह पूर्व 20 - 20 लाख की लागत से दोनों गेटों की मरम्मत की स्वीकृति मिली।

BRIEF NEWS

पीएम के मन की बात कार्यक्रम को लेकर भाजपा की बैठक

BHAGALPUR : बिहपुर विस भाजपा की अहम बैठक रविवार को एनडीए कार्यालय बिहपुर में हुई। बैठक को सूबे के पथ निर्माण मंत्री सह क्षेत्रीय विधायक ई.शैलेंद्र ने भी वर्चुअल संबोधित किया। जिसमें 31 को होने वाले पीएम के मन की बात कार्यक्रम को आमजनों के साथ हर बूथ पर सुनने को कहा गया। कल 26 मई को केंद्र की मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे हो रहे हैं। पूरे देश में पांच से 21 जून तक विश्वास, विकास और जनकल्याण के 12 वर्ष थीम पर कार्यक्रम होगा। जिलाध्यक्ष मुक्तिनाथ सिंह निषाद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह विस संयोजक दिनेश यादव, जिला महामंत्री प्रभुनंदन चौधरी ओर जिला मंत्री रूपेश रूप की उपस्थिति में बैठक की अध्यक्षता नारायणपुर उत्तरी मंडल अध्यक्ष ब्रजेश शर्मा नागर ने किया।

फरियानी नदी में डूबने से 15 वर्षीया किशोरी की मौत

ARARIA : जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र के जामुन घाट स्थित फरियानी नदी में डूबने से एक 15 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। मृतका रानीगंज नगर पंचायत वार्ड संख्या 13 तेरासी टोला निवासी अनिल चौधरी की पुत्री किरण कुमारी है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार किरण कुमारी अन्य बच्चों के साथ फरियानी नदी में नहाने गई थी। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चली गई, आसपास मौजूद लोगों ने शोर सुनकर उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। स्थानीय लोगों की मदद से किशोरी को जब नदी से बाहर निकाला गया तो तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतका किरण 08 बहन व एक भाई में पांचवें स्थान पर थी। स्थानीय ग्रामीणों ने इस हादसे के लिए फरियानी नदी में हो रहे अवैध बालू खनन को जिम्मेदार बताया है।

भागलपुर में दुकानदार पर चाकू से हमला

BHAGALPUR : जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के भुराहा चौक पर रविवार को बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान राहुल कुमार के रूप में हुई है, जो अपने घर पर ही जनरल स्टोर और चाट-चाउमिन की दुकान चलाता है। घटना सुबह करीब पांच बजे की बताई जा रही है। घटना को लेकर राहुल कुमार ने जगदीशपुर थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह अहले सुबह करीब तीन बजे अपनी दुकान में सोया हुआ था। इसी दौरान दरवाजा खटखटाने की आवाज आई। दरवाजा खोलने पर एक अनजान व्यक्ति ने ठंडा पानी मांगा, राहुल ने उसे पानी दिया, जिसके बाद वह वहां से चला गया। करीब दस मिनट बाद वह युवक फिर लौटा और अन्य सामान मांगने लगा। राहुल ने उससे कहा कि दुकान खुलने का समय नहीं हुआ है और जो सामान लेना हो, एक बार में बताए।

'व्यावसायिक समागम' : प्रदेश में निवेशकों को मिलेगा भरोसा और सुरक्षा

उद्योग नीति में जरूरत पड़ने पर होगा और सुधार : सम्राट चौधरी

AGENCY PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के शताब्दी वर्ष पर आयोजित 'व्यावसायिक समागम' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राज्य में निवेश और औद्योगिक विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि बिहार में उद्योग स्थापित करने के लिए निवेशकों को भरोसा और सुरक्षा देना सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज-2025 में आवश्यक संशोधन किए गए हैं और जरूरत पड़ने पर आगे भी बदलाव किए जाएंगे।

- राज्य सरकार चाहती है कि बिहार में अधिक से अधिक निवेश हो और स्थापित हों नए उद्योग
- बड़ी संख्या में निवेशक बिहार की ओर हो रहे हैं आकर्षित
- सरकार अब निवेशकों का भरोसा मजबूत करने और सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर दे रही विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि बिहार में अधिक से अधिक निवेश हो और नए उद्योग स्थापित हों। इसमें बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निवेशकों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होने दी जाएगी और सरकार हर संभव सुविधा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में निवेशक बिहार की ओर आकर्षित हो रहे हैं और राज्य में निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि हाल ही में आयोजित बिहार एआई समिट में भी उद्योगों के विस्तार को लेकर कई सुझाव मिले थे। उन्होंने बताया कि बिहार ने देश की शीर्ष 10 उद्योग नीतियों में जगह बनाई है, लेकिन अपेक्षित स्तर पर निवेश और उद्योग स्थापना अब तक नहीं हो सकी है। सरकार अब निवेशकों का भरोसा मजबूत करने और सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है।

कानून-व्यवस्था पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में अपराध करने वालों के खिलाफ 24 घंटे के भीतर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अपराध का कोई जाति या धर्म नहीं होता और अपराधी सबसे पहले अपने ही समाज के लोगों को नुकसान पहुंचाता है।

मुख्यमंत्री ने उद्योग जगत से जुड़े लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है। इसके लिए प्रत्येक तीन महीने पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ बैठक कर समस्याओं और सुरक्षा संबंधी मुद्दों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक नीति (इंडस्ट्री पॉलिसी) में जरूरत के अनुसार सुधार किए जाएंगे। पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र समेत पुराने शहरों में उपलब्ध जमीन का उपयोग सर्विस सेक्टर, आईटी सेक्टर और होटल उद्योग जैसे नए व्यवसायों के लिए भी किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने बिहार के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यही धरती देश को स्वर्णिम काल देने वाली रही है और पाटलिपुत्र से करीब 200 वर्षों तक शासन किया गया था।

एमएसएमई सेक्टर को राज्य की समृद्धि का आधार बताते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार को विकसित बनाने के लिए छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2024 से भूमि अधिग्रहण और नई टाउनशिप नीति पर काम शुरू किया है।

सारण में आरपीएफ व सीबीडीएस ने ट्रेन से पांच तस्करों को किया अरेस्ट

AGENCY SARAN : शराबबंदी कानून को प्रभावी रूप से लागू रखने और रेल मार्ग से होने वाली तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रेल सुरक्षा बल और सीबीडीएस की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।

वाराणसी रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त तथा सहायक सुरक्षा आयुक्त, छपरा के दिशा-निर्देशन में छपरा पोस्ट द्वारा गाड़ी संख्या 15232 में छापेमारी कर भारी मात्रा में विदेशी शराब और बीयर बरामद की गई। इस अवैध धंधे में संलिप्त पांच तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार आरपीएफ और सीबीडीएस टीम छपरा पोस्ट के जवानों द्वारा सुरेमनपुर से छपरा जंक्शन के बीच ट्रेन संख्या 15232 में आपराधिक गतिविधियों की निगरानी और रूटीन गश्त की जा रही थी। इसी

दौरान कोच संख्या ईसी/227257 में कुछ युवक संदिग्ध अवस्था में भारी भरकम पिट्ठू बैग और थैलों के साथ खड़े दिखाई दिए। सुरक्षा बलों को देखते ही वे सकपकाने लगे। संदेह गहराने पर जब टीम ने उनके बैग और थैलों की सघन तलाशी ली, तो अधिकारियों की आंखें फटी रह गईं। बैगों के अंदर विभिन्न नामी ब्रांड्स की विदेशी शराब और बीयर की खेप बेहद शातिर तरीके से छिपाकर रखी गई थी। तलाशी के दौरान संयुक्त टीम ने विभिन्न ब्रांड्स की कुल 106.915 लीटर विदेशी अंग्रेजी शराब और बीयर जब्त की, जिसकी कुल अनुमानित बाजार कीमत लगभग नब्बे हजार रुपए आंकी गई है।

किशनगंज पुलिस विभाग में एक साथ 35 पदाधिकारियों का किया गया तबादला

AGENCY KISHANGANJ : पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर जिले में अनुसंधान, विधि-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर पुलिस अवर निरीक्षक एवं सहायक अवर निरीक्षक स्तर के पदाधिकारियों का स्थानांतरण एवं पदस्थापन किया गया है।

दो वर्ष की पदस्थापन अवधि पूर्ण अथवा लगभग पूर्ण कर चुके कुल 35 पुलिस पदाधिकारियों को विभिन्न थाना क्षेत्रों में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जारी आदेश के अनुसार बहादुरगंज थाना की महिला हेल्प डेस्क में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक सावित्री कुमारी को दिघलबैंक थाना की अनुसंधान इकाई में अपर थानाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं किशनगंज थाना की अनुसंधान इकाई में कार्यरत पुलिस अवर निरीक्षक स्वाती पटेल को

बहादुरगंज थाना भेजा गया है, जहां उन्हें महिला हेल्प डेस्क का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। पोठिया थाना के मालखाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक सुजीत कुमार को बहादुरगंज थाना की अनुसंधान इकाई में अतिरिक्त सीडब्लूओपी प्रभार के साथ पदस्थापित किया गया है।

इसी प्रकार उमाशंकर यादव, मो जिकरुल्लाह, सुनैना कुमारी, अजय कुमार, रामजी शर्मा, प्रमोद कुमार यादव, हलधर यादव, विजय प्रताप यादव एवं अशोक कुमार समेत कई अधिकारियों को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। आदेश के तहत कई अधिकारियों को अनुसंधान इकाई, महिला हेल्प डेस्क, मालखाना प्रभारी, थाना लेखक तथा सीडब्लूओपी के अतिरिक्त प्रभार भी सौंपे गए हैं।

तबादले की सूची में बहादुरगंज, पोठिया, गलगलिया, जियापोखर, कोचाधामन, पौआखाली, सुखानी, टेढ़ागाछ, फतेहपुर, बीबीगंज, कुलीकोट एवं पहाड़कट्टा थाना क्षेत्र प्रमुख रूप से शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी आदेश में सभी संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को अविलंब अपने नव पदस्थापन स्थल पर योगदान देने तथा सौंपे गए दायित्वों का समुचित निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस विभाग की इस प्रशासनिक कार्रवाई को जिले में कानून-व्यवस्था एवं अनुसंधान कार्य को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

NEWS BOX

तरैया में स्वर्ण व्यवसायी से पिस्टल के बल पर हुई लूट

AGENCY SARAN : तरैया थाना क्षेत्र के रामकोला स्थित खादरा नदी किनारे शीतलपट्टी–डुमरी ग्रामीण सड़क पर रविवार को अपाची बाइक सवार दो बदमाशों ने एक स्वर्ण व्यवसायी से पिस्टल के बल पर दो किलोग्राम चांदी, 100 ग्राम सोने के आभूषण तथा 30 हजार रुपये नकद लूट लिए। घटना के विरोध में स्थानीय स्वर्ण व्यवसायियों ने एसएच–73 को जाम कर जमकर आक्रोश प्रदर्शन किया। पीड़ित व्यवसायी सत्येंद्र कुमार के अनुसार फटीदनपुर मठिया बाजार स्थित उनकी कनक ज्वेलर्स नामक दुकान है। सुबह वह अपनी बाइक से दुकान खोलने जा रहे थे और गहनों व नकदी से भरा बैग बाइक की डिक्की में था। तरैया भूतनाथ चौक पर एक अज्ञात युवक ने उनसे लिफ्ट मांगी, जिसे उन्होंने मानवता के नाते बैठा लिया। वह युवक वाईडीबीएस कॉलेज के पास उतर गया। इसके बाद जैसे ही सत्येंद्र कुमार खादरा नदी के नवनिर्मित पुल के पास पहुंचे, उत्तर दिशा से आए अपाची सवार दो अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और पिस्टल दिखाकर, धक्का देकर गिरा दिया। अपराधी डिक्की से बैग निकालकर फरार हो गए और व्यवसायी का मोबाइल कुछ दूरी पर फेंक दिया, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। इस घटना से आक्रोशित तरैया के स्वर्ण व्यवसायियों ने तरैया–मढ़ौरा मुख्य सड़क एसएच–73 को करीब आधा घंटा तक जाम रखा। मौके पर पहुंचे अपर थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार की पहल पर मढ़ौरा–2 के एसडीपीओ ने अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम हटाया गया। स्वर्ण व्यवसायी राजीव कुमार गुप्ता ने कहा है कि यदि 24 घंटे के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे पुनः आंदोलन करेंगे। अपर थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए छापेमारी की जा रही है।

7 साल से फरार अभियुक्त के घर कोर्ट के आदेश पर हुई कुर्की-जब्ती

AGENCY KISHANGANJ : जिले के सुखानी थाना क्षेत्र में न्यायालय के आदेश पर फरार अभियुक्त के खिलाफ पुलिस ने कुर्की–जब्ती की कार्रवाई की। यह कार्रवाई केस संख्या 1034/2017 से जुड़े अभियुक्त बबलू हेम्ब्रम के विरुद्ध शनिवार को की गई। अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था और न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था। जानकारी के अनुसार, बबलू हेम्ब्रम, पिता बुद्धू हेम्ब्रम, ग्राम सालगुड़ी, थाना सुखानी का निवासी है। पुलिस के मुताबिक वह पिछले करीब सात वर्षों से फरार था। इस दौरान न्यायालय द्वारा कई बार वारंट जारी किया गया, लेकिन अभियुक्त ने आत्मसमर्पण नहीं किया। इसके बाद माननीय न्यायालय ने उसके विरुद्ध कुर्की–जब्ती का आदेश जारी किया। न्यायालय के निर्देश के आलोक में सुखानी थाना पुलिस की टीम शनिवार को सालगुड़ी गांव पहुंची। वहां पुलिस ने गांव में ढोल बजवाकर इश्तेहार की उद्घोषणा कराई और ग्रामीणों को न्यायालय के आदेश की जानकारी दी। इसके बाद अभियुक्त के घर पर विधि सम्मत तरीके से कुर्की–जब्ती की कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार अभियुक्तों के खिलाफ न्यायालय के आदेशानुसार लगातार कार्रवाई की जा रही है। कानून से बचने की कोशिश करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता है।

अवैध बालू खनन के खिलाफ पुलिस का अभियान तेज, चार ट्रैक्टर जब्त

AGENCY KISHANGANJ : जिले में अवैध बालू खनन के खिलाफ पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर रविवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान चार अवैध बालू लदे ट्रैक्टर जब्त किए गए। इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, पौआखाली थाना पुलिस ने कनकई नदी के समीप छापेमारी कर एक अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया। पुलिस द्वारा ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं किशनगंज थाना क्षेत्र में दिवा गश्ती के दौरान पुलिस ने दो अवैध बालू लदे ट्रैक्टर पकड़े। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर थाना लाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर अरार्बाड़ी थाना क्षेत्र के महानंदा बांध के पास छापेमारी की गई, जहां से एक अन्य अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

'हरा गमछा हो या नीला गमछा', इस तरह की बातें मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देतीं : तेजस्वी यादव

AGENCY PATNA : बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री के हालिया बयान पर तंज कसते हुए कहा कि 'हरा गमछा हो या नीला गमछा', इस तरह की बातें मुख्यमंत्री के पद पर बैठे व्यक्ति को शोभा नहीं देतीं। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस तरह के बयान सरकार की मानसिकता को दर्शाते हैं और यह दिखाता है कि सत्ता में बैठे लोगों के अंदर कितनी नफरत भरी हुई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में लोगों को जाति, रंग और पहचान के आधार पर बांटने की कोशिश की जा रही है। लेकिन बिहार की जनता अब सब समझ चुकी है और आने वाले समय में

इसका जवाब देगी। राज्य की जनता विकास, रोजगार और महंगाई जैसे मुद्दों पर जवाब चाहती है, लेकिन सरकार असली मुद्दों से ध्यान भटकाने में लगी हुई है। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बिहार में बेरोजगारी और महंगाई लगातार बढ़ रही है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और गरीब परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। इसके बावजूद सरकार केवल बयानबाजी और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त है। महिलाओं को आर्थिक सहायता, वृद्धों को पेंशन और युवाओं को नौकरी देने जैसे वादे अब अधूरे दिखाई दे रहे हैं। बिहार सरकार के पास पैसा नहीं बचा है। जनता से किए गए वादों को पूरा करने में सरकार पूरी तरह विफल साबित हो रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने पहले भी सरकार से सवाल पूछा था कि महिलाओं को दूसरी किस्त कब दी जाएगी, पेंशन की राशि कब मिलेगी और आम जनता को राहत देने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे। लेकिन सरकार इन मुद्दों पर जवाब देने के बजाय जनता को गुमराह करने में लगी हुई है।

चलती ट्रेन से महिला का बैग गिराया हिरासत में आरोपी

BHAGALPUR : भागलपुर - नाथनगर रेलखंड पर रविवार को चलती ट्रेन में महिला यात्री का बैग गिराने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के बाद नाथनगर स्टेशन पर जमकर हंगामा हुआ। स्थानीय लोगों ने आरोपी युवक को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। बाद में आरपीएफ ने मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि महिला ने आरोप लगाया कि वह साहेबगंज से ट्रेन में आ रही थी। इसी दौरान ट्रेन में आइसक्रीम बेचने वाला एक युवक उसके बैग को पैर से धक्का देकर भागलपुर और नाथनगर स्टेशन के बीच नीचे गिरा दिया। महिला के अनुसार बैग में पैसा और कुछ सामान था।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में तेजी 7090 बच्चों की जांच में 22 संक्रमित मिले

AGENCY KISHANGANJ : जिले में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा टीएएस-1 (ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वेक्षण) अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। विद्यालय आधारित इस वैज्ञानिक सर्वेक्षण के माध्यम से बच्चों में संक्रमण की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक 7090 बच्चों की जांच की गई है, जिनमें 22 बच्चों में फाइलेरिया संक्रमण की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार ठाकुरगंज प्रखंड को छोड़कर जिले के विभिन्न प्रखंडों में सरकारी एवं निजी विद्यालयों में कक्षा 1 और 2 के बच्चों की जांच की जा रही है। प्रशिक्षित स्वास्थ्य टीमों द्वारा बच्चों के नमूने लेकर

वैज्ञानिक तरीके से परीक्षण किया जा रहा है। विभाग का कहना है कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सर्वेक्षण कार्य लगातार जारी है। फाइलेरिया एक गंभीर मच्छरजनित बीमारी है, जो संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलती है। इस रोग से शरीर के विभिन्न अंगों में असामान्य सूजन हो जाती है, जिससे पीड़ित व्यक्ति को लंबे समय तक शारीरिक और सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार छोटे बच्चों की जांच से हालिया संक्रमण की वास्तविक स्थिति का पता चलता है। अभियान की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. मंजर आलम समेत अन्य अधिकारी लगातार विद्यालयों का निरीक्षण कर रहे हैं।

खेल

सहरसा में तीन दिवसीय 41वें जिला स्तरीय एथलेटिक्स मीट प्रतियोगिता का हुआ समापन

जिला एथलेटिक्स मीट में सीनियर खिलाड़ियों ने दिखाया जलवा

AGENCY SAHARSA : जिला एथलेटिक्स संघ सहरसा के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय 41वें जिला स्तरीय एथलेटिक्स मीट प्रतियोगिता में रविवार को तीसरे और अंतिम दिन सीनियर खिलाड़ियों का दबदबा रहा।

एथलेटिक्स मीट प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी

जिसके अंतर्गत अंडर 18 बालिका वर्ग : 1000 मीटर में अनु कुमारी प्रथम नंदनी कुमारी द्वितीय एवं अर्चना कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाला फेंक में स्नेहा कुमारी प्रथम प्रीति कुमारी द्वितीय एवं प्रीति कुमारी द्वितीय एवं रीना कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंडर -18 बालक वर्ग : 400 मीटर दौड़ में चंदन कुमार स्वामी प्रथम मनीष कुमार द्वितीय एवं सत्यम कुमार ठाकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में गुलशन कुमार प्रथम सौरभ कुमार द्वितीय एवं बाबू कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही 5000 मीटर दौड़ में बमबम कुमार ने प्रथम मुन्ना कुमार ने द्वितीय एवं सचिन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि 1000 मीटर दौड़ में राजा कुमार प्रथम सत्यम कुमार ठाकुर द्वितीय एवं सुनील कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेक प्रतियोगिता में मनु कुमार प्रथम प्रियांशु कुमार द्वितीय एवं रहन राजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर 20 आयु बालक वर्ग में :- 400 एवं 800 मीटर दौड़ में बादल कुमार ने क्वालीफाई किया। 5000 मीटर दौड़ एवं लंबी कूद में हिमांशु कुमार ने क्वालीफाई किया। 1500 मीटर दौड़ में मोहित कुमार ने क्वालीफाई किया। चक्का फेंक में कृष्णा राज ने क्वालीफाई किया। 3000 मीटर दौड़ में हिमांशु कुमार ने क्वालीफाई किया।

इस अवसर पर जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष रबीन्द्र कुमार सिंह उर्फ आर के सिंह उपाध्यक्ष सैयद शमी अहमद, रोहित राज, सचिव रौशन सिंह धोनी, कोषाध्यक्ष विप्लव रंजन समाज सेवी सिद्धार्थ कुमार सिद्धु, अखिलेश सिंह टूटू मौजूद थे। आयोजन समिति के सचिव रोशन सिंह धोनी ने बताया कि इस अवसर पर तकनीकी पदाधिकारी के रूप में चंद्रशेखर खां, अरुण कुमार भारती, सूरज, गुप्ता, सनी सिंह, चंद्रशेखर खान, हिमांशु यादव, धर्मेंद्र नारायण सिंह, डेजी भूषण, अंशु कुमारी, अभिमन्यु यादव, सुमन पोद्दार आदि थे।

भागलपुर के सदर अस्पताल में एम्बुलेंस व्यवस्था बदहाल

BHAGALPUR : कहते है न स्वास्थ ही जीवन का सबसे बड़ा धन होता है। लेकिन स्वास्थ व्यवस्था ही चरमराई हो तो फिर क्या कहने। जी हाँ हम बात कर रहे है भागलपुर सदर अस्पताल की जहाँ समय पर एम्बुलेंस तक मुहैया नही हो पाती है। यूं तो बोला जाता है कि 102 पर कॉल करने पर तुरंत एम्बुलेंस आ जाती है। पर यहाँ 102 पर कई बार फोन करने पर कॉल उठाया ही नही जाता है। यहाँ तक की एम्बुलेंस अस्पताल परिसर में एक या दो ही लगी रहती है। वो भी बिना ड्राइवर के। यहाँ के एक कर्मचारी का कहना है की ड्राइवर यहीं कहीं पेड़ के पास होगा यहाँ कोई ड्राइवर नही रहता है। एम्बुलेंस चाहिए तो पहले यहां के मैनेजर से मिलें फिर वो ड्राइवर को ढूंढ़ कर लाएंगे।

विदेशी नागरिकों की सूचना छिपाई तो होगी कानूनी कार्रवाई : डीएम-एसपी

AGENCY SIWAN : जिले में विदेशी नागरिकों के ठहराव और गतिविधियों पर निगरानी को लेकर प्रशासन ने अब सख्त तेवर अपना लिया है। रविवार को समाहरणालय सभागार में जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय एवं पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा ने होटल, धर्मशाला और गेस्ट हाउस संचालकों के साथ बैठक कर साफ शब्दों में चेतावनी दी कि विदेशी नागरिकों की सूचना छिपाने या ऑनलाइन पंजीकरण में लापरवाही करने वालों पर सीधे कानूनी कार्रवाई होगी। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि जिले में आने वाले हर विदेशी नागरिक की सूचना समेकित वीजा एवं विदेशी पंजीकरण ट्रैकिंग प्रणाली के तहत अनिवार्य रूप से ऑनलाइन देनी होगी। होटल एवं गेस्ट हाउस संचालकों को निर्देश दिया गया कि

विदेशी मेहमानों के आगमन की जानकारी तत्काल सी-फॉर्म के माध्यम से अपलोड करें। वहीं शिक्षण संस्थानों को विदेशी छात्रों से संबंधित एस-फॉर्म ऑनलाइन जमा करना होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कंप्यूटर, इंटरनेट, प्रिंटर, वेब कैमरा और स्कैनर जैसी सुविधाएं हर संस्थान में उपलब्ध रहनी चाहिए। तकनीकी कमी या संसाधनों के अभाव का बहाना अब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि विदेशी नागरिकों से जुड़ी सूचनाओं में लापरवाही राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला माना जाएगा।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा व्यापार और भारत के साथ संयुक्त प्रशिक्षण

महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों और व्यापारिक रास्तों से लेकर आपदा प्रतिक्रिया तक, हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के केंद्र में है। अमेरिका को इस विशाल क्षेत्र में सैन्य संचालन के लिए निरंतर तैयारी, मजबूत समन्वय और टकराव वाले माहौल में तेजी से प्रतिक्रिया देने की क्षमता आवश्यक है। पैसिफिक एयर फोर्सेस (पीएसीएएफ) अमेरिकी वायु सेना की प्रमुख कमांड है, जिसका मुख्यालय हवाई स्थित हिकम एयरफोर्स बेस है और यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड (यूएसइंडोपैकम) का वायु घटक है। इसका मुख्य उद्देश्य हमले रोकना और स्वतंत्र तथा खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करना है। यह मिशन शक्ति के माध्यम से शांति की रणनीति के जरिए पूरा किया जाता है, जो विश्वसनीय, युद्ध के लिए तैयार वायु शक्ति और मजबूत गठबंधनों व साझेदारियों पर आधारित है। इन प्रयासों में भारत महत्वपूर्ण भागीदार है, क्योंकि अमेरिका और भारत सैन्य अभ्यासों, योजना और ऑपरेशन समन्वय के माध्यम से सहयोग का विस्तार कर रहे हैं। द्विपक्षीय रक्षा व्यापार और भारत के साथ संयुक्त प्रशिक्षण ने इस बढ़ती अंतर-संचालनता में सीधे योगदान दिया है। पीएसीएएफ के कमांडर जनरल केविन श्नाइडर बताते हैं कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय रक्षा व्यापार में वृद्धि के साथ इंटर ऑपरेबिलिटी भी बढ़ी है और हमारी साझेदारी का महत्व लगातार बढ़ रहा है, विशेषकर तब जब हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अधिक जटिल और गतिशील सुरक्षा वातावरण का सामना कर रहे हैं। जैसे-जैसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र बहुआयामी भू-राजनीतिक वातावरण का सामना कर रहा है, विवादित क्षेत्रों में कमांड एवं नियंत्रण तथा लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना प्राथमिकता बन गया है। इसे संबोधित करने के लिए परिचालन दृष्टिकोण को एजाइल कॉम्बैट एम्प्लॉयमेंट के माध्यम से अनुकूलित किया जा रहा है, जो बलों के विकेंद्रीकरण, अस्तित्व बचाए रखने की क्षमता बढ़ाने और लंबी दूरी पर संचालन गति बनाए रखने पर केंद्रित है। इसमें सामग्री को पहले से तैनात करना और छोटे, बिखरे हुए स्थानों के नेटवर्क से संचालन करना शामिल है, ताकि गति और पैमाने पर संचालन संभव हो सके। भारतीय वायुसेना जैसे साझेदारों के साथ जुड़ाव इस अनुकूलनशील दृष्टिकोण का समर्थन करता है, जिसमें मजबूत साझेदार एकीकरण, अधिक जानकारी साझा करना और इंटर ऑपरेबिलिटी का परीक्षण शामिल है। अभ्यासों को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वे युद्ध और संकट प्रतिक्रिया की अवधारणाओं को सहयोगियों और साझेदारों के साथ मिलकर परखें, सुधारें और उन्हें एक एकीकृत बल के रूप में संचालित होने में सक्षम बनाएं। यह संबंध वर्षों में काफी परिपक्व हुआ है। श्नाइडर कहते हैं, साथ मिलकर काम करने की हमारी क्षमता बुनियादी समन्वय से विकसित होकर जटिल परिस्थितियों में उच्च स्तरीय इंटरऑपरेबिलिटी तक पहुंच गई है। गतिशीलता और त्वरित अनुकूलन का यह दृष्टिकोण हाल ही में बड़े पैमाने के रेजोल्यूट फोर्स पैसिफिक (रेफोरपैक) अभ्यास में परखा गया, जिसमें 400 से अधिक विमान और 12,000 से अधिक कर्मियों ने 50 स्थानों पर भाग लेकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बड़े पैमाने पर संचालन की क्षमता का प्रदर्शन किया। इसी तरह भारत के साथ टाइगर ट्रायम्फ जैसे सहयोगी अभ्यास विशेष रूप से लॉजिस्टिक्स, मानवीय सहायता और कठिन परिस्थितियों में आपदा राहत के लिए संयुक्त क्षमताओं के विकास पर केंद्रित हैं। वायु संचालन अब तेजी से साइबर और अंतरिक्ष क्षमताओं से जुड़ रहे हैं। अमेरिका सहयोगियों और साझेदारों के साथ प्रशिक्षण, अभ्यास और योजना के माध्यम से इन क्षेत्रों में उभरती चुनौतियों का सामना करते हुए संचालन एकीकरण को गहरा कर रहा है। सभी साझेदारियों में लक्ष्य निर्बाध संचालन हासिल करना है। यह महत्वाकांक्षा व्यापक अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी को दशार्ती है, जिसमें सूचना साझाकरण, क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग और इन महत्वपूर्ण नए क्षेत्रों में गहरा सहयोग शामिल है। रणनीतिक वायु गतिशीलता हिंद-प्रशांत क्षेत्र के विशाल विस्तार में सुरक्षा संचालन और मानवीय प्रतिक्रिया दोनों के समर्थन के लिए केंद्रीय बनी हुई है। हाल के अभ्यासों में सिद्ध हुआ है कि सैकड़ों विमानों और हजारों कर्मियों की तैनाती की क्षमता त्वरित प्रतिक्रिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह दृष्टिकोण इस मान्यता को भी दशार्ता है कि सहयोगियों और साझेदारों का नेटवर्क अमेरिका की सबसे बड़ी रणनीतिक संपत्तियों में से एक है, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए साझा जिम्मेदारी को बढ़ावा देता है। क्वाड (जिसमें अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं) महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर ऐसे सहयोग के लिए प्रमुख तंत्र के रूप में कार्य करता है, जिससे भारत जैसे साझेदार विकसित होते संचालन परिदृश्य में एकीकृत हो सकें। आगे देखते हुए, सबसे बड़े अवसर रणनीतिक साझेदारियों को और मजबूत करने में निहित हैं, ताकि द्विपक्षीय और क्षेत्रीय समूहों जैसे क्वाड के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा दिया जा सके। भविष्य का सहयोग उभरते क्षेत्रों, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय सुरक्षा पर केंद्रित रहने की उम्मीद है, क्योंकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक समन्वय लगातार मजबूत हो रहा है। श्नाइडर कहते हैं- एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की नींव हमारे रणनीतिक संबंधों की मजबूती पर टिकी है। भारत में हमारे पास एक ऐसा साझेदार है, जिसके साझा मूल्य और दृष्टिकोण क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे संयुक्त संकल्प को सुनिश्चित करते हैं।

एनसीआरबी के आंकड़े और बच्चों से जुड़ी सच्चाई

ANALYSIS

डॉ. निवेदिता शर्मा

> आज शिक्षा का अर्थ ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व विकास न होकर ऐसा लगता है जैसे प्रतियोगिता, रैंक, पैकेज और प्रतिष्ठा का पर्याय बन चुका है। बच्चों के कंधों पर इतना भारी बोझ डाल दिया गया है कि वे अपनी उम्र के सहज आनंद, खेल, जिज्ञासा और रचनात्मकता से दूर होते जा रहे हैं। विद्यालयों के बाद कोचिंग संस्थानों का दबाव, परीक्षा का भय, करियर की अनिश्चितता और अभिभावकों की अपेक्षाएं मिलकर बच्चों को मानसिक रूप से थका रही हैं। बच्चों के सामने भावनात्मक अकेलेपन का संकट भी उभरकर सामने आया है। यही कारण है कि अनेक छात्र अवसाद, चिंता, बाइपोलर डिसऑर्डर और भावनात्मक तनाव से जूझ रहे हैं, किंतु दुखद है कि समय रहते उनकी स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान तक नहीं हो पाती है। यदि बच्चा उदास है, चिड़चिड़ा है या अकेला रहने लगा है, तो इसे जिद या कमजोरी मान लिया जाता है। हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। दूसरी ओर सच यह भी है कि बच्चा सबसे अधिक भय असफल कहलाने से महसूस करता है। उसे यह समझाया ही नहीं जाता कि जीवन में सफलता के अनेक रास्ते होते हैं।

देश में बढ़ती छात्र आत्महत्याएं हमारे सामने वर्तमान दौर की उस सामाजिक और शैक्षिक व्यवस्था का आईना हैं, जिसमें बचपन धीरे-धीरे दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के नीचे दम तोड़ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, वर्ष 2024 में 14,488 छात्रों ने आत्महत्या की हैं। यह संख्या वर्ष 2023 की तुलना में 4.3 प्रतिशत अधिक है। इसमें सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि एक ओर देश में कुल आत्महत्या के मामलों में गिरावट दर्ज हुई है, वहीं छात्रों की आत्महत्या लगातार बढ़ती हुई दिखाई देती है। ऐसे में यह स्थिति स्पष्ट संकेत दे रही है कि हमारे बच्चे शिक्षा के अतिरिक्त बोझ के नीचे मानसिक रूप से टूट रहे हैं। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि आत्महत्या करने वाले छात्रों में बड़ी संख्या कक्षा 10वीं तक के विद्यार्थियों की है। यह वह आयु है, जब बच्चों को सबसे अधिक भावनात्मक सहारे, संवाद और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, किंतु दुर्भाग्य से इस दौर में उन पर करियर चुनने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और सफल बनने का भारी दबाव डाल दिया जाता है। वर्ष 2015 में छात्र आत्महत्या के 8934 मामले थे, जो 2024 में बढ़कर 14,488 हो गए। यानी एक दशक में 62 प्रतिशत से अधिक वृद्धि का होना निश्चित ही हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि सामने आए साक्ष्य के आधार पर स्पष्ट होता है कि प्रतिदिन औसतन लगभग 35 छात्र अपनी जीवन यात्रा को समाप्त कर रहे हैं। यहां विचार करनेवाली बात यह भी है कि क्या यह अकेले बच्चों की असफलता है या समाज, परिवार और शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है। आज शिक्षा का अर्थ ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व विकास न होकर ऐसा लगता है जैसे प्रतियोगिता, रैंक, पैकेज और प्रतिष्ठा का पर्याय बन चुका है। बच्चों के कंधों पर इतना भारी बोझ डाल दिया गया है कि वे अपनी उम्र के सहज आनंद, खेल, जिज्ञासा और रचनात्मकता से दूर होते जा रहे हैं।

विद्यालयों के बाद कोचिंग संस्थानों का दबाव, परीक्षा का भय, करियर की अनिश्चितता और अभिभावकों की अपेक्षाएं मिलकर बच्चों को मानसिक रूप से थका रही हैं। बच्चों के सामने भावनात्मक अकेलेपन का संकट भी उभरकर सामने आया है। यही कारण है कि अनेक छात्र अवसाद, चिंता, बाइपोलर डिसऑर्डर और भावनात्मक तनाव से जूझ रहे हैं, किंतु दुखद है कि समय रहते उनकी स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान तक नहीं हो पाती है। यदि बच्चा उदास है, चिड़चिड़ा है या अकेला रहने लगा है, तो इसे जिद या कमजोरी मान लिया जाता है। हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। दूसरी ओर सच यह भी है कि बच्चा सबसे अधिक भय असफल कहलाने से महसूस करता है। उसे यह समझाया ही नहीं जाता कि जीवन में सफलता के अनेक रास्ते होते हैं। विद्यालयों और घरों में बच्चों को बार-बार तुलना का सामना करना पड़ता है। धीरे-धीरे बच्चा स्वयं को अंक और उपलब्धियों से मापने लगता है। जब अपेक्षाओं और वास्तविकता के बीच दूरी बढ़ती है, तब वह भीतर से टूटने लगता है। ऐसे में यह जरूरी हो गया है कि अभिभावक सबसे पहले यह समझें कि हर बच्चा अलग होता है। सभी बच्चों की क्षमता, रुचि और गति समान नहीं हो सकती। सफलता का अर्थ मेडिकल, इंजीनियरिंग या प्रशासनिक सेवा नहीं है। यदि बच्चा संगीत, खेल, कला, लेखन, डिजाइन, कृषि या किसी अन्य क्षेत्र में रुचि रखता है, तो उसे उसी दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। अतः आवश्यकता इस बात की है कि अभिभावक बच्चों के साथ समय बिताएं। सिर्फ स्कूल की फीस भर देना या अच्छे कोचिंग संस्थान में भेज देने से उनकी जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती है। बच्चों को सबसे अधिक जरूरत अपने माता-पिता के विश्वास, संवाद और भावनात्मक सहारे की होती है। यदि बच्चा डर, तनाव या असफलता की बात कह रहा है, तो उसे डांटने के बजाय सुने। विद्यालयों और शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। माना कि विद्यालय पढ़ाई का केंद्र है, किंतु यह भी सच है कि बच्चों के भावनात्मक विकास का भी वह एक स्थान है, इसलिए यह जरूरी है कि हर विद्यालय में प्रशिक्षित काउंसलर होने चाहिए। शिक्षकों को यह प्रशिक्षण दिया जाए कि वे बच्चों में तनाव और अवसाद के शुरूआती संकेत पहचान सकें। अनुशासन और परिणाम पर ध्यान देने के बजाय बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दें। इसके साथ ही समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है। आज समाज को यह स्वीकार करना होगा कि बच्चों की जिंदगी किसी परीक्षा या प्रतिशत से कहीं अधिक मूल्यवान है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि बच्चों को यह एहसास दिलाया जाए कि उनका जीवन किसी भी परीक्षा से बड़ा है। असफलता अंत नहीं होती। हार जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। कुल मिलाकर शिक्षा के अतिरिक्त बोझ से बच्चों को बाहर निकालने का अतिरिक्त श्रम स्कूल, अभिभावक, शिक्षक, समाज और व्यवस्था सभी को मिलकर आज करने की आवश्यकता है। तभी बच्चे किसी भी प्रकार के डर से बाहर निकल पाएंगे और एक नए आत्मविश्वास में जी सकेंगे। यदि हम अब भी नहीं चेते, तो आने वाले वर्षों में आंकड़े और भयावह हो सकते हैं। उम्मीद है, हम सभी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के सामने आए इन आंकड़ों पर गंभीर विचार अवश्य करेंगे और समाधान की दिशा में आगे आएंगे। कोई भी बच्चा आत्महत्या जैसा कदम न उठाए, हमारे सामूहिक प्रयास इसी दिशा में होने चाहिए।

राहुल-अखिलेश की नकारात्मक राजनीति

होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा कर रखी है। भारत जैसा देश, जो विश्व की विशाल जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, स्वभाविक है कि अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, स्वाभाविक रूप से इस संकट से प्रभावित है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से ईंधन बचाने, अनावश्यक सोना खरीदने से बचने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की है तो इसमें अनुचित क्या है। यह अपील न तो किसी भय का संकेत थी और न ही किसी आपातकाल की घोषणा, बल्कि आर्थिक अनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है, किंतु कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे सरकार की विफलता बताकर राजनीतिक हमला शुरू कर दिया है। सवाल यह है कि क्या हर राष्ट्रीय चुनौती को राजनीति के चश्मे से देखना उचित है। क्या राष्ट्रहित में की गई अपील का मजाक उड़ाना जिम्मेदार विपक्ष की पहचान है। आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, वह सामान्य परिस्थितियां नहीं हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक सप्लाई चेन पहले ही प्रभावित थी। अब पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने कच्चे तेल की आपूर्ति पर गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत ऊर्जा आपूर्ति गुजरती है। इस मार्ग में आई बाधा ने तेल की कीमतों में विस्फोटक वृद्धि कर दी है, जिसमें भारत लगभग 40 प्रतिशत कच्चा तेल और करीब 90 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है। अब ऐसी स्थिति में यदि सरकार जनता से ऊर्जा संरक्षण की अपील करती है तो यह उसकी दूरदर्शिता ही है, न कि विफलता। वस्तुतः दुनिया के अधिकतर देश अपने नागरिकों से ऐसे समय में संयम और सहयोग की अपेक्षा करते हैं। जापान, जर्मनी और कई यूरोपीय देशों में ऊर्जा संकट के दौरान नागरिकों ने स्वेच्छा से बिजली और ईंधन की बचत की थी। वहां इसे राष्ट्रहित माना गया, लेकिन भारत में विपक्ष इसे राजनीतिक हथियार बनाने में जुट गया। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से कहा कि पेट्रोल-डीजल का कम उपयोग करें, मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन अपनाएं, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दें, वर्क फ्रॉम होम और वर्चुअल मीटिंग्स को प्राथमिकता दें तथा सोने की अनावश्यक खरीद से बचें। इनमें ऐसा क्या है जिसे राष्ट्रविरोधी या जनविरोधी कहा जाए। असल में यह अपील तीन स्तरों पर महत्वपूर्ण है, एक- विदेशी मुद्रा की बचत के संदर्भ में। भारत का व्यापार घाटा मुख्य रूप से तेल, सोना और इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात से बढ़ता है। सिर्फ सोने के आयात पर ही हर साल अरबों डॉलर खर्च होते हैं। दो- ऊर्जा सुरक्षा के लिए। तेल की कीमत बढ़ने का सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। परिवहन महंगा होता है, उद्योगों की लागत बढ़ती है और अंततः आम जनता प्रभावित होती है। तीसरा इसका मुख्य कारण देश की आत्मनिर्भरता की दिशा तय करना है, क्योंकि वोकल फॉर लोकल, इलेक्ट्रिक वाहन, सार्वजनिक परिवहन और डिजिटल कार्य संस्कृति- ये सभी दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती के स्तंभ हैं। प्रधानमंत्री की अपील वर्तमान संकट से निकलने के लिए ही नहीं दिखती, यह तो भारत के हित में भविष्य की तैयारी भी है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की अपील को सरकार की नाकामी बताते हुए कहा कि जनता को त्याग और बचत की सलाह देना विफल शासन का प्रमाण है, किंतु कहना होगा कि यह तर्क बेहद सतही है, क्योंकि कोई भी राष्ट्र सिर्फ सरकार से नहीं चलता, नागरिकों की भागीदारी उसमें बराबर की चाहिए रहती है। वस्तुतः राहुल गांधी की राजनीति की सबसे बड़ी समस्या यही है कि वे हर राष्ट्रीय मुद्दे में विरोध का अवसर खोजते हैं। चाहे सेना का मनोबल हो, विदेश नीति हो, वैक्सीन अभियान हो या आर्थिक अनुशासन, आप देखेंगे कि वे हर जगह नकारात्मकता उनकी राजनीति का आधार बनती हुई दिखी है। विडंबना यह है कि जिन देशों की आर्थिक नीतियों की कांग्रेस अक्सर प्रशंसा करती है, वहां नागरिक अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। अमेरिका और यूरोप में ऊर्जा संकट के दौरान सरकारों ने हीटिंग कम करने, सार्वजनिक परिवहन बढ़ाने और ईंधन बचाने की अपील की थी। तब उसे जिम्मेदार नेतृत्व कहा गया था। राहुल गांधी के साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी मोदी सरकार की आलोचना में शामिल दिखाई दे रहे हैं। यह वही राजनीति है, जिसमें राष्ट्रीय संकट भी राजनीतिक अवसर बन जाता है। अखिलेश यादव लगातार भाजपा विरोध की राजनीति में इतने आगे बढ़ चुके हैं कि उन्हें हर सरकारी पहल में खामी ही दिखाई देती है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते उन्हें यह समझ नहीं कि तेल की कीमतों का असर किसानों, परिवहन और रोजमर्रा की वस्तुओं पर कितना व्यापक पड़ता है। यदि सरकार पहले से लोगों को जागरूक कर रही है और विकल्प सुझा रही है तो इसमें गलत क्या है। विपक्ष का दायित्व केवल आलोचना करना नहीं होता, बल्कि संकट के समय सकारात्मक सहयोग देना भी होता है। दुर्भाग्य से आज का विपक्ष राष्ट्रहित से अधिक राजनीतिक लाभ-हानि पर केंद्रित दिखाई देता है। दूसरी ओर विपक्ष जिस प्रकार यह चित्र प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा है कि देश में ईंधन संकट खड़ा हो गया है, वह वास्तविकता से दूर है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश में कच्चे तेल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार है। किसी पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी से कमी की सूचना नहीं मिली है। सरकार ने रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। तेल विपणन कंपनियां वैश्विक कीमतें बढ़ने के बावजूद घरेलू बाजार में कीमतें स्थिर रखने का प्रयास कर रही हैं। कंपनियां प्रतिदिन भारी आर्थिक दबाव झेल रही हैं, धताकि आम जनता पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। यानी सरकार अपील ही नहीं कर रही, वह संकट से निपटने के लिए ठोस कदम भी उठा रही। कहना होगा कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश मूलतः साझी जिम्मेदारी का संदेश है। पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री मोदी की अपील आर्थिक अनुशासन, ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक जिम्मेदार पहल है।

Social Media Corner

सच के हक में...

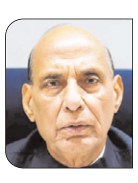

आज का भारत अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों का इनोवैटर और निमार्ता बन रहा है। जब सरकार का विजन और प्राइवेट सेक्टर का इनोवैशन साथ आते हैं, तब राष्ट्र नई ऊँचाइयाँ छूता है, और आज हम वही होते हुए देख रहे हैं। आज भारत की प्राइवेट इंडस्ट्रीज फ्यूचर वॉरफेयर की गहरी समझ के साथ लगातार कार्य कर रही हैं। इसलिए हमारी सरकार क्रिटिकल टेक्नोलॉजीज और एडवांस्ड सिस्टम्स में मेक इन इंडिया को निरंतर बढ़ावा दे रही है। भारत की डिफेंस कंपनियों का सामर्थ्य बढ़ेगा, तभी देश और अधिक मजबूत होगा। महाराष्ट्र ने हमेशा सुरक्षा और स्वाभिमान की मिसाल पेश की है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने नौसेना और किलों की जो व्यवस्था खड़ी की थी, वह केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का भी सशक्त मॉडल थी। आज उन्हीं की प्रेरणा से हम एक बार फिर आत्मनिर्भरता का सुदृढ़ किला खड़ा कर रहे हैं।

(राजनाथ सिंह का 'एक्स' पर पोस्ट)

राजधानी रांची में लगातार घंटों बिजली कटौती के कारण ब्लैकआउट जैसे हालात बन गए हैं। भीषण गर्मी और उमस के बीच आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। घरों में छोटे बच्चे, बुजुर्ग और अस्पताल में मरीज भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। रातभर बिजली नहीं रहने से लोगों की दिनचर्या भी अस्त-व्यस्त हो गई है। अंधेरे का फायदा उठाकर अपराध और असामाजिक गतिविधियों की आशंका लगातार बढ़ रही है। जनता टैक्स इसलिए देती है ताकि उन्हें मूलभूत सुविधाएं मिल सकें, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि आम लोग अंधेरे और गर्मी में परेशान हैं, जबकि मुख्यमंत्री और सरकार के शीर्ष अधिकारी जनरेटर की सुविधा में चैन की नींद सो रहे हैं।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

टूटते सपने और व्यवस्था की भयावह विफलता

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल एक परीक्षा नहीं होतीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के भविष्य, परिवारों की उम्मीदों और वर्षों की मेहनत का परिणाम होती हैं। मेडिकल जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्र में प्रवेश पाने के लिए छात्र दिन-रात मेहनत करते हैं। कई छात्र गांवों की कठिन परिस्थितियों से निकलकर, आर्थिक अभाव झेलकर और मानसिक दबाव सहकर परीक्षा की तैयारी करते हैं। ऐसे में जब नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा में पेपरलीक, सॉल्वर गैंग और करोड़ों की डील का खुलासा होता है, तो यह केवल एक परीक्षा घोटाला नहीं रह जाता, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न बन जाता है। भारत पहले भी कई बड़े पेपरलीक घोटाले देख चुका है। उत्तर प्रदेश शिक्षक भर्ती परीक्षा, रेलवे भर्ती परीक्षा, राजस्थान शिक्षक भर्ती, मध्यप्रदेश व्यापमं घोटाला और 2024 के नीट विवाद ने पहले ही युवाओं का भरोसा कमजोर कर दिया था। 2024 में बिहार और झारखंड में पेपरलीक के आरोप सामने आए थे। कई गिरफ्तारियां हुईं, लेकिन तब भी पूरी परीक्षा रद्द नहीं हुई। छात्रों के मन में यह सवाल रह गया कि क्या मेहनत का कोई मूल्य बचा है। अब 2026 में फिर वही कहानी सामने आई है, लेकिन इस बार मामला और भी गंभीर दिखाई देता है। नीट 2026 परीक्षा रद्द होने के पीछे बिहार और राजस्थान से सामने आए खुलासों ने पूरे देश को झकझोर दिया। बिहार के नालंदा में पुलिस ने जिस सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़ किया, उसने यह साबित कर दिया कि परीक्षा माफिया कितनी गहराई तक अपनी जड़ें जमा चुका है। 50 से 60 लाख रुपये में एक सीट की डील होना केवल अपराध नहीं, बल्कि शिक्षा के व्यवसायीकरण का भयावह चेहरा है। यह गिरोह असली अभ्यर्थियों की जगह सॉल्वर बैठाने की तैयारी कर रहा था। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इसका मास्टरमाइंड एक मेडिकल कॉलेज का छात्र निकला। जिस युवा को भविष्य में डॉक्टर बनकर लोगों की जान बचानी थी, वही शिक्षा व्यवस्था को संक्रमित करने में लगा था। राजस्थान में सामने आए हाथ से लिखे गेस पेपर ने इस पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया। जांच में पता चला कि परीक्षा से पहले छात्रों तक ऐसे प्रश्न पहुंच चुके थे, जिनमें से बड़ी संख्या असली परीक्षा में आई। यदि यह केवल संयोग माना जाए, तब भी इतने बड़े स्तर पर सवालों का मिलान होना सामान्य नहीं कहा जा सकता। इससे यह आशंका और मजबूत हो जाती है कि परीक्षा प्रणाली के भीतर कहीं न कहीं गंभीर सेंध लगी है। सबसे बड़ा नुकसान उन लाखों छात्रों का हुआ है जिन्होंने ईमानदारी से तैयारी की थी। करोड़ों परिवारों ने अपने बच्चों को कोचिंग दिलाने के लिए जमीन बेची, कर्ज लिया और अपनी जरूरतों को त्याग दिया। कई छात्र दिन में 12-14 घंटे पढ़ाई करते हैं। वे सामाजिक जीवन छोड़ देते हैं, मनोरंजन छोड़ देते हैं और केवल एक लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं। लेकिन, जब परीक्षा रद्द होती है, तो उनकी महीनों की मेहनत और मानसिक संतुलन दोनों पर गहरा आघात पड़ता है। एक छात्र की मानसिक स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। परीक्षा की तैयारी पहले ही तनाव, चिंता और भय से भरी होती है। छात्र लगातार तुलना, प्रतियोगिता और असफलता के डर में जीते हैं। जब पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो उनके भीतर यह भावना जन्म लेती है कि मेहनत से ज्यादा महत्व पैसे और पहुंच का है। यह भावना युवाओं को भीतर से तोड़ देती है। कई छात्र अवसाद में चले जाते हैं। कुछ खुद को असफल मानने लगते हैं। कई बार यही मानसिक दबाव आत्मघाती विचारों तक पहुंच जाता है। 2020 में मध्यप्रदेश की छात्रा विधि सूर्यवंशी का मामला आज भी लोगों को झकझोरता है। गलत रिजल्ट आने के बाद उसने आत्महत्या कर ली थी, जबकि बाद में ओएमआर जांच में उसके अंक कहीं अधिक निकले। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि परीक्षा संबंधी त्रुटियां केवल तकनीकी गलती नहीं होतीं, बल्कि किसी परिवार के जीवन का विनाश बन सकती हैं। जब एक छात्र वर्षों की मेहनत के बाद भी व्यवस्था पर भरोसा नहीं कर पाता, तो यह केवल व्यक्तिगत दुख नहीं, बल्कि राष्ट्रीय असफलता है।

डेटा और इंसाफ

न्यायपालिका के डिजिटलीकरण की दिशा में चल रहे दीर्घकालिक प्रयासों के तहत भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने पीठ से दो नई सुविधाओं का एलान किया है। इनमें एक मामला, एक डेटा, वन केस, वन डेटा (ओसीओडी) नाम का एक एकीकृत न्यायिक डेटा प्लेटफॉर्म और सु-सहायक नाम का एक एआई-संचालित चैटबॉट शामिल हैं। यह चैटबॉट सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। ओसीओडी विभिन्न अदालतों में विवादों की कार्यवाही का एक एकीकृत डिजिटल विवरण, अदालतों के अभिलेखों और वादी की कार्रवाइयों (जैसे अपील) के बीच संबंध, विभिन्न दस्तावेजों तक आसान पहुंच, प्रत्यक्ष (मैन्युअल) सत्यापन की कम जरूरत, हाईकोर्टों एवं अन्य अदालतों तक पारस्परिक पहुंच और अधिक सटीक न्यायिक आंकड़े मुहैया कराने का वादा करता है। भारत के हजारों जिला एवं अधीनस्थ अदालतों में सॉफ्टवेयर से जुड़ी कार्यपद्धतियों और अभिलेखों की गुणवत्ता में व्यापक भिन्नता के मद्देनजर यह पहल उल्लेखनीय है। अगर यह कार्यक्रम सफल होता है, तो मानकीकृत डेटा प्रशासकों को यह निर्धारित करने में भी समर्थ बनाएगा कि मामले कहां अटके हुए हैं, प्रक्रियात्मक बाधाओं को दूर करेगा और समग्र रूप से डेटा-आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार करेगा। सु-सहायक को शीर्ष अदालत की वेबसाइट के फ्रंट-एंड में समन्वित किया गया है ताकि उपयोगकर्ता केस की स्थिति, मुकदमों की सूची, आदेश एवं निर्णय, ई-सेवाएं और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न देख सकें। भारत में किसी भी बड़े स्तर के सरकारी तकनीकी कार्यान्वयन की तरह इसमें भी अंतर-संचालनीयता, पुराने रिकॉर्ड की विश्वसनीयता, निजी जानकारी तक पहुंच को सीमित करने और कर्मचारियों के कौशल विकास से जुड़े सवाल बने हुए हैं। प्रत्येक मामले के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल फिंगरप्रिंट बनाने की चाहत की वजह से ओसीओडी के दुरुपयोग का जोखिम भी बना हुआ है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

SC draws the line on stray dog menace

IN July 2025, the Supreme Court took suo motu cognisance of the stray dog menace in the country and instituted a case: 'City Hounded by Strays, Kids Pay Price.' In November 2025, in furtherance of its constitutional mandate to uphold constitutional principles, especially the fundamental right to life under Article 21 of the Constitution, the apex court gave exhaustive directions for the permanent removal of stray dogs from institutional areas, including schools/colleges, hospitals, highways, airports, rail/bus stations. The court additionally prohibited the release of aggressive/biting stray dogs back onto the streets, and the unregulated feeding of stray dogs in public places.These directions reversed several provisions of the Animal Birth Control Rules, 2023 (ABC rules), which require the release of stray dogs back to wherever they were picked up from after sterilisation. Predictably, a tsunami of petitions was filed by stray dog activists/NGOs, bizarrely fighting for the "rights" of stray dogs.To provide context, the ABC rules, which require the sterilisation and release of stray dogs onto the streets, have been a national policy since 2001. These rules were amended in 2023, and arguably made worse, with the allowance of feeding stray dogs in public places, ostensibly to keep them fed and, therefore, supposedly less likely to bite people, and a blanket ban on the removal of stray dogs even if they attacked or killed citizens.Authored by acclaimed dancer and animal welfare activist Rukmini Devi Arundale, the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960, (PCA Act) is an 'animal welfare' legislation as opposed to an 'animal rights' one.The PCA Act does not give rights to animals but, instead, protects them from "unnecessary suffering" and not 'necessary' suffering for the upholding of human rights. It, therefore, allows the humane usage and killing of animals for food, cultural and religious rights and medical research. Most importantly, the PCA Act already recognises the negative impacts of stray dogs on society and their own suffering as homeless dogs and allows for their humane euthanasia.Conversely, the ABC rules violate their own parent PCA Act by promoting dog homelessness. Over the last 25 years, the ABC policy hijacked public health and safety in the name of "animal rights", a concept alien to the Indian Constitution. They also weaponised Article 51A(g) — an undefined, unenforceable duty to show 'compassion towards living creatures', against the weakest and most vulnerable in society, placing their safety and rights below the so-called rights of stray dogs. Proponents of the ABC rules squarely blame the 'evil humanity' for all stray attacks on themselves.As a side note, perhaps the stained legacy of 'compassion' via Article 51A(g), inserted into the Constitution via the 42nd Amendment during the Emergency, that also severely curtailed the powers of the apex court and freedoms of citizens, has forever left it utterly hypocritical and irrevocably meaningless.he ABC policy functions on several false notions and a deeply flawed understanding of dog behaviour and ecology. If a full stomach alone were enough to prevent dogs from attacking people, no pet would ever attack anyone. Dogs are domestic, companion animals, meant to be under 100% human supervision and control. That is why even the most well-fed, well-cared-for and well-loved pets are required to be leashed in public.In its May 19, 2026 judgment, the apex court reinforced and justified its directions and explicitly permitted euthanasia of rabid and dangerous stray dogs wherever necessary, stating "…the magnitude of the problem and the resultant threat posed to public safety has assumed deeply disturbing proportions.

Diplomats need not play to the gallery

Reaching out to foreign opinion-makers is the key purpose of Indian diplomacy

A Norwegian journalist, Helle Lyng, asked Sibi George, Secretary (West) in the Ministry of External Affairs, three questions during his media briefing in Oslo on May 18 — Why should India be trusted? Can India promise to try to stop the human rights violations in the country? Will Prime Minister Narendra Modi start taking critical questions from the Indian press?George did well not to answer the query regarding the PM. It is not for a diplomat to dwell on a political leader's way of dealing with the domestic and foreign media. Indian Prime Ministers have had different styles of media interaction. Some like Jawaharlal Nehru, Indira Gandhi and Atal Bihari Vajpayee dealt with the media comfortably and deftly. Others may not have shied away from the press, but they also did not seek it out. PM Modi only deals with the media in carefully curated setups. That is his choice, just as his predecessors made theirs.

Back in May 1981, I witnessed Indira's interaction with the media in Dubai. At the conclusion of her UAE trip, she addressed a press conference. After the journalists had gathered, a UAE official asked me if any of them was likely to cause an embarrassment to their guest; he informed me that the journalist concerned would be removed from the conference before the PM arrived. I said if Indira got to know that I was responsible for a journalist's ejection, I was likely to lose my job!

A British woman journalist from a Western wire service raised a question about the communal situation in India. This was obviously in the context of the Meenakshipuram conversions of 1981 and the distressing Moradabad riots of 1980. Indira responded briefly. Her basic thrust was that communal problems were not unique to India. She then asked, "What is happening in Northern Ireland"? Her words, tone and demeanour did not display any irritation or emotion, but her message to the journalist was firm and clear: don't try to put us on the mat. Instead, look within. There was no follow-up question from the journalist.

The way Indira handled that intrusive and difficult query was a lesson for Indian political leaders and diplomats in responding to such questions and observations.Sibi George responded to Helle Lyng's first question — Why should Norway trust India? — with a peroration that spelt out the characteristics of a modern state. Thereafter, he asserted that India was a civilisational state whose contributions were visible everywhere. He then gave an account of Indian assistance to the Global South during the Covid pandemic; how India had reconciled competing interests of G20 members during a contentious summit (2023) and how it succeeded in getting the African Union to become a G20 member. George did not stop there; he referred to the 2026 AI

Impact Summit in New Delhi, where PM Modi called for "human-centric" AI. He concluded that international trust in India was built through these activities.

Regarding the question about the human rights situation in India, George said, "We are one-sixth of the total population of the world, but not one-sixth of the problems of the world." He emphasised that citizens were guaranteed rights in India's constitutional democracy. They could approach the courts for the enforcement of these rights. He asserted that people had no understanding of India's scale. "They read one or two news reports published by some God-forsaken, ignorant NGOs and come and ask questions. Don't worry about it," he said.George is an experienced diplomat. Surely, he would have known that he did not have to give such a long response to the "trust" question at a press conference. This is because the Norwegian media, let alone the Scandinavian media, could not have carried it in their reportage of PM Modi's visit. Hence, the inescapable conclusion is that George was trying to show to certain sections in India that he was giving a fitting reply to an impertinent Western journalist who was asking disrespectful questions about the country.

The trend of giving forceful responses to Western journalists was set in motion by External Affairs Minister S Jaishankar soon after he assumed office in 2019. He especially targeted the global liberal media. He wanted to show them the mirror. This appealed to many in India and earned Jaishankar great popularity.

A politician may seek popularity, but that cannot be the purpose of Indian diplomacy. Its purpose is to reach out to foreign opinion-makers through responses during media conferences and other means. Catering to sympathisers of the ruling dispensation in India can never be the primary object of Indian diplomacy.

That can be a product of diplomatic success achieved by India in the comity of nations. Naturally, in articulating the Indian position, diplomats have to resort to plain-speaking sometimes, bt their audience must always be external.This does not mean that Indian diplomats don't have to clarify foreign policy stances and positions to Indian institutions such as parliamentary committees and also to the media. But these situations are entirely different from what George faced at the media briefing in Oslo. Certainly, there is also a place for lectures in which diplomats can be expansive in their explanations, but responses at a press conference have to be worded differently.

Heat stress : Disaster preparedness must be scaled up

The 16th Finance Commission has recommended that heatwaves be included in the list of notified disasters under the Disaster Management Act

NDIA is feeling the heat — literally as well as economically. Rising temperatures are taking their toll on livelihoods and labour productivity amid back-to-back fuel price hikes and rocketing inflation. The worst-hit are the poor and informal workers who form the backbone of India's economy. The nationwide battle against heatwaves can no longer be regarded merely as a seasonal public health concern; it is now a full-blown economic challenge. The warnings in recent years have been stark. The International Labour Organisation estimated in 2024 that India lost nearly $100 billion due to heat-induced productivity losses. The World Bank cautioned in 2022 that around three-fourths of the labour force in India worked in heat-exposed sectors, while the country alone may account for nearly half of the world's projected job losses caused by heat stress. The most vulnerable groups include construction workers, farmers and farm labourers, street vendors and delivery agents.Central and state governments have issued advisories calling

for steps such as rescheduled work hours, shaded rest areas, hydration facilities, protective clothing and health monitoring. Yet these measures remain fragmented and insufficient, considering the scale of the crisis. India's current heat action plans are largely temporary relief mechanisms. What the country urgently needs is a comprehensive policy framework that treats safe working conditions in the scorching summer months as an inalienable right.

Earlier this year, the 16th Finance Commission recommended that heatwaves be included in the list of notified disasters under the Disaster Management Act. This classification will enable states and UTs to use money from the State Disaster Response Fund for providing relief and assistance to people. Heatwaves, which inevitably trigger a surge in the demand for electricity and water, need to be tackled with robust, proactive preparedness. The choice before policymakers and other stakeholders is simple: adapt decisively now or pay a far greater human and economic price later.

From awareness to action: Yoga's next global movement

The true success of yoga will not be measured solely by participation on June 21, but by how deeply it becomes woven into the everyday lives of people across the world.

When the United Nations adopted June 21 as the International Day of Yoga in 2014 with the support of 177 member states, following the visionary call of Prime Minister Narendra Modi at the United Nations General Assembly, the world recognised an idea India has cherished for centuries — true health is not merely the absence of disease, but a harmonious balance of body, mind and spirit. Over the past decade, the International Day of Yoga (IDY) has evolved into one of the world's largest wellness movements. Yet, as yoga's global visibility continues to expand, the next challenge before humanity is far more important: transforming awareness into sustained behavioural change.Today, awareness about yoga is nearly universal. Across continents, yoga is practised in schools, workplaces, public institutions, community centres and open public spaces. It has transcended geography, language and cultural boundaries to emerge as a shared global practice for wellness and balance. However, the real success of yoga cannot be measured only through participation in annual celebrations. Its true impact lies in whether individuals adopt yoga as part of their daily lives.This transition from awareness to regular practice has become especially important in the context of contemporary public health challenges. The world today faces rising lifestyle disorders, increasing mental health concerns, stress-related illnesses and growing healthcare costs. Rapid urbanisation, sedentary lifestyles and digital dependency have significantly altered patterns of living and well-being. Increasingly, nations are realising that healthcare systems built solely around treatment are neither sustainable nor sufficient. Prevention and healthy living must become central pillars of future healthcare frameworks.

Yoga offers precisely such a preventive and holistic approach. Rooted in India's traditional knowledge traditions, yoga is not limited to physical exercise. It represents a comprehensive way of life that strengthens physical fitness, mental resilience, emotional stability and mindfulness. Importantly, yoga remains accessible, affordable and adaptable across age groups and social backgrounds. In an era where healthcare accessibility and affordability remain major global concerns, yoga provides a low-cost, people-centric solution for long-term well-being.The growing acceptance of yoga globally reflects a larger shift in healthcare thinking. There is increasing recognition that wellness must integrate physical, mental and emotional health. This is particularly relevant in addressing non-communicable diseases, stress disorders and lifestyle-related conditions, which now account for a significant share of the global disease burden.India's own experience demonstrates both the progress achieved and the immense potential ahead. According to the National Sample Survey (79th Round), awareness regarding traditional systems of healthcare stands at nearly 95 per cent in rural India and 96 per cent in urban India. The survey further reveals that in around 1.1 crore rural households and 1.4 crore urban households, at least one member practises yoga regularly. These figures indicate encouraging acceptance, but they also highlight the vast untapped opportunity to integrate yoga into everyday life on a much larger scale. The next phase of the wellness movement must, therefore, focus on converting widespread awareness into consistent daily practice.

Under the guidance of Union Minister of Ayush Prataprao Jadhav, the Ministry of Ayush has been placing renewed emphasis on encouraging the daily adoption of yoga as a behavioural practice rather than limiting it to annual observances. Efforts are being directed towards making yoga more accessible, practical and integrated into

citizens' everyday routines. In this direction, the Morarji Desai National Institute of Yoga has partnered with digital wellness platforms to provide free daily online yoga sessions, enabling guided practice to reach citizens across geographies, professions and age groups. Initiatives such as the Common Yoga Protocol, Y-Break at workplaces and specialised yoga protocols for non-communicable diseases are further helping embed yoga within broader public health and wellness frameworks.

The countdown activities leading up to IDY 2026 have also reflected the growing public enthusiasm surrounding yoga. The 75-day countdown witnessed a major milestone through a collective trikonasana performance during Yoga Mahotsav 2026, creating an Asia Book of Records achievement and symbolising the scale of citizen participation. Similarly, the 50-day countdown saw more than 6,000 participants perform bhujangasana together, underscoring yoga's expanding public resonance and collective appeal.

The forthcoming 25-day countdown event at the Khajuraho Temples will further connect India's civilisational heritage with its contemporary wellness vision. Such initiatives remind us that yoga is not merely a physical activity, but part of a deeper philosophy centred on harmony, discipline and balance.

The significance of the International Day of Yoga today extends far beyond public gatherings. It has become a global platform for dialogue on preventive healthcare, sustainable lifestyles and collective well-being. In many ways, yoga represents India's enduring contribution to humanity's search for balance in an increasingly fragmented and fast-paced world.

The next chapter of the yoga movement must, therefore, focus on continuity and behavioural transformation. The true success of yoga will not be measured solely by participation on June 21, but by how deeply it becomes woven into the everyday lives of people across the world.India's vision for yoga has always been universal. The expanding global embrace of yoga demonstrates that ancient wisdom continues to offer meaningful solutions to modern challenges. As the world prepares for another International Day of yoga, the message is becoming increasingly clear: Yoga is no longer just an annual observance — it is evolving into a global movement for preventive health, mindful living and sustained behavioural change.

Net fuel rates up by Rs 5/L after third hike

New Delhi,.(Agency)

Prices of petrol and diesel went up by up to 91 paise per litre on Saturday, the third such hike in less than 10 days, raising the cumulative retail fuel rates across the country by nearly Rs 5 a litre. In Delhi, petrol became costlier by 87 paise, from Rs 98.64 to Rs 99.51 per litre. Diesel rates jumped by 91 paise — from Rs 91.58 to Rs 92.49 a litre. Likewise, the cost of Compressed Natural Gas (CNG) went up by Rs 1 per kg, taking its retail cost in the Capital to Rs

81.09 per kg. The latest hike comes amid disruption in global oil and gas supplies following the conflict in West Asia.

Despite the hikes, fuel retailers continue to absorb significant losses. Amid long queues and reports of shortage at petrol pumps and some outlets running dry, Indian Oil said there was no overall shortage, adding fuel outage at certain retail outlets as "highly localised" and temporary.

The IOL statement said the higher demand at certain outlets was driven by a seasonal rise in diesel consumption during the harvesting season, migration of customers from private pumps where retail prices were relatively higher, and increased institutional purchases at public sector outlets.

Multibagger stocks: These 2 made investors wealthy; turned Rs 1 lakh into Rs 46 lakh

Kolkata .(Agency)

Multibagger stocks are a dream probably for all investors. There are such gems to be found in the Indian stock market that packs the potential to turn investors into millionaires by delivering phenomenal returns over the long term. Over the last five years, several stocks have demonstrated this kind of power-packed performance. Companies operating specifically within the power equipment, renewable energy, and EV infrastructure sectors have generated exceptional wealth for investors. Two such companies are TD Power Systems and Servotech Renewable Power System. They have transformed a Rs 1 lakh investment into a value ranging from Rs 34 lakhs to Rs 46 lakhs within a short period of five years. Both these companies have demonstrated robust financials, strong order books, growing demand and operational efficiency. let's have a closer look at these two multibaggers.

TD Power Systems returns

TD Power Systems is engaged in manufacturing AC generators and electric motors which are utilised in power plants and various industrial applications. The company manufactures equipment for steam, hydro, gas, wind, and diesel-based power generation systems and currently commands a market cap of approximately Rs 20,228 crore. On May 22, 2026, the company's share closed at Rs 1,295.80.

Five years ago, on May 22, 2021, the share was trading at approximately Rs 38. This means that over this period, the stock delivered returns of nearly 3,325%. Had an investor invested Rs 1 lakh in the company five years ago, that investment would be worth approximately Rs 34 lakhs today.

India's exports grew in May to a four-year high even as trade deficit widened

New Delhi.(Agency)

At a time when the economy is increasingly coming under the stress of a falling rupee, India's export sector has registered a rise of 13.78% in this month, Union commerce minister Piyush Goyal has announced. According to him, the growth trajectory witnessed in April has continued this month too, when the value of the rupee against the US dollar fell further. Exports, foreign investment and domestic production are three parameters that are growing, the government has highlighted. Goyal stated that a significant increase in exports was recorded during the first three weeks of May. In April, India's exports had already risen by 13.78% to reach $43.56 billion. This figure was recognised as the highest monthly export level recorded in the last four years. Demand for petroleum products and rising crude oil prices played a pivotal role in this achievement.

Trade deficit widened

Unfortunately, the exports could not result in a narrowing of the trade deficit and alongside the surge in exports, an increase in imports was also recorded. Consequently, the trade deficit widened to $28.38 billion, which is a three-month high. Experts attribute this primarily to a surge in the imports of crude oil and other essential commodities. The government believes that this rise in imports is driven by robust domestic demand and heightened industrial activity. In the coming months, the prevailing conditions in the global market are expected to impact both exports and imports. This is precisely the reason why Prime Minister Narendra Modi ruged the people of the country to curb consumption of petrol, diesel, gold, edible oils and fertilisers. These items have to be imported in India in huge quantities which is draining forex resources big time and is creating a continuous downward pressure on the vaoue of the Indian currency.

Digital detox trend | Old iPods, off-grid holidays, Lego bricks: Switching off the phone is new and growing market

For a generation that grew up with smartphones, the appeal of a device that plays music and does nothing else is not retro nostalgia so much as deliberate restraint. Google Trends data from the US showed a notable surge in searches for both the iPod and the iPod Nano in 2025.

New Delhi,.(Agency)

As screen time climbs and digital anxiety becomes an increasingly familiar complaint among parents, young professionals, and even policymakers, a quiet but fast-growing market is emerging around the proposition of helping people put their smartphones down.

Its offerings range from refurbished iPods flying off second-hand shelves to Lego's most complicated brick sets selling out among adults and curated wilderness retreats where checking WhatsApp is, by design, not an option. Together, they form an unlikely but booming market: a break from the dopamine-laced tyranny of smartphones.

Much of this feeds into a rising demand for keeping off devices and weaning away from social media platforms. Bangalore-based Transforming Travels, for instance, is among the travel firms specifically offering "unplugged vacations" packages," involving what the agency calls periods of abstinence from smartphones and social media platforms. The hard sell typically entails a sojourn in a remote location, high up in the hills or inside the confines of a reserve forest, to help reduce screen dependence and anxiety. These trips range from weekend getaways to week-long group retreats, including a number of women-only groups, Chandni Aggarwal, the founder of Transforming Travels, told .

"Digital detox retreats work best in natural and remote locations, which is why those are the only kinds of destinations we usually propose," Aggarwal said. "At times we intentionally choose places with limited network reception."

The approach, she explains, is more

disciplined than it might sound. Participants frequently arrive hoping to negotiate partial access — the occasional email check, a quick scroll. That, she says, is precisely what the retreat is designed to resist. "Even briefly checking emails or messages can immediately pull your mind back into stress, work, or social pressures, interrupting the entire process of self-disconnection and reflection." Nearly 90% of her clients end up choosing remote or natural destinations, she adds — not because they are pushed to, but because once the logic is explained, it makes sense.

Few symbols of the detox moment are quite as striking as the iPod's unexpected revival. Apple retired the device in May 2022, having long since folded music listening into the iPhone. Yet demand for the original, single-purpose music player has quietly crept back, driven, analysts suggest, by precisely the thing that made the iPhone seem like an upgrade: its connectivity.

For a generation that grew up with smartphones, the appeal of a device that plays music and does nothing else is not retro nostalgia so much as deliberate restraint. Google Trends data from the US showed a notable surge in searches for both the iPod and the iPod Nano in 2025.

IOC assures of ample fuel supply, 'shortage localised'

New Delhi.(Agency)

Amid reports of fuel retail outlets running out of petrol and diesel stocks in some pockets, the country's largest oil marketing company (OMC) Indian Oil Corporation (IOC) assured consumers that there is no "overall shortage" of the two automobile fuels and the issues being faced at certain retail outlets are "highly localised and temporary".

Indian Oil also said that the three OMCs —Bharat Petroleum and Hindustan Petroleum being the other two — are continuously monitoring the situation and taking necessary steps to address such "isolated situations".

Fuel demand, particularly of diesel, is seeing a surge in certain pockets as a large number of bulk fuel consumers have shifted to public sector OMCs retail outlets due to a wide gap between retail prices — which are still below market rates — and the market-linked bulk prices, according to the government. On top of that, certain private sector fuel retailers are retailing the fuels at higher prices than the OMCs, leading to additional pressure on the latter's retail network as consumers are preferring to buy from them. Higher fuel demand due to the

crop harvesting season is also leading to additional demand pressure.

"Indian Oil wishes to reassure customers and the general public that there is no overall shortage of petrol and diesel in the country. The current situation being witnessed at certain retail outlets is highly localised and temporary in nature, arising due to local demand-supply imbalances and redistribution of sales patterns in select areas," Indian Oil said Saturday.

"The higher demand being witnessed at some locations is attributable to the following factors: seasonal increase in diesel demand during the ongoing harvesting period; temporary shift of customers from certain private retail outlets owing to relatively higher retail prices at some private pumps; increased migration of institutional and commercial demand to PSU retail outlets, as bulk and institutional supplies are currently priced significantly higher in line with prevailing international market prices," the company added.

These shifts are a major reason why the OMCs' retail outlets in some areas are running out of fuel stocks faster than usual, leading to dry-out-like situations, according to industry sources.

Piyush Goyal to lead 150-strong industry delegation to Canada next week, trade talks on table

New Delhi.(Agency)

Commerce and industry minister Piyush Goyal is heading to Canada for trade talks on May 25, with easier access for Indian textiles and leather from India in return for tapping uranium and critical minerals on the table as the two sides look to step up efforts for the proposed free trade agreement, for which talks have resumed a few months ago.

Separately, a team from the US is expected to visit India next month as the 150-day deadline for current tariffs ends in late July. The Trump administration, which has launched two Section 301 probes against a host of countries, including India, is expected to unveil its fresh tariff plan in the coming weeks.

Goyal will lead a business delegation of over 150 industry leaders to Canada to seek investments and enhance collaborations. He said a series of meetings are scheduled with leaders and

businesses in Ottawa and Toronto.

Goyal said he will also meet representatives of "Maple 8" pension funds of Canada. The "Maple 8" refers to Canada's eight largest public pension funds, which together manage assets worth around $2.4 trillion Canadian dollars and are considered among the world's most influential long-term investors.

Some of the members, such as Canada Pension Plan Investment Board, Ontario Teachers' Pension Plan, and Ontario Municipal Employees Retirement System, have already invested in India.

He added that Canada is strong on oil, gas, critical minerals, and mining, while India can offer its talented workforce and strengths in several sectors. Goyal said that the goal is to step up bilateral trade to $50 billion over the next five years, from under $9 billion in 2024-25.

About 600 Canadian companies are operating in India at present, and "we are looking at increasing it to 1,000", he said. Canada has a very large Indian diaspora, and investment is expected to be a key element of the comprehensive agreement.

Energy boost: OIL strikes gas in Rajasthan's Dandewala

New Delhi,.(Agency)

State-owned Oil India Limited (OIL) has successfully unlocked a new gas-bearing pay zone in Rajasthan's Dandewala field, with a flow of nearly 25,000 standard cubic metres per day, petroleum and natural gas minister Hardeep Singh Puri said on Saturday.

Congratulating OIL on its technological excellence, Puri said on social media that the discovery by the energy Maharatna would "provide momentum to India's journey towards energy self-sufficiency".

OIL called the discovery, made at a depth of 950 metres, "modest but significant" and said it indicated deliverability and potential of the area.

"This marks the first-ever successful establishment of gas presence in Sanu Formation within Dandewala field,

thereby opening up a new play and validating our strategy of revisiting the subsurface potential through focused technical interventions," it said.

The newly discovered gas stands out for its better quality, containing low levels of carbon dioxide, which aligns with the country's push for cleaner fuel alternatives. This discovery not only marks an important advancement for the hydrocarbon sector in western Rajasthan but also solidifies the region's status as a strategic energy hub.

Energy experts are optimistic that the unlocking of the new pay zone will catalyse further exploration and production activities in Rajasthan, which has substantial oil and gas reserves. Industry observers suggest that the latest discovery could open doors to further exploration in adjacent regions of the Jaisalmer basin.

Indians spent $623 million on foreign holidays, card settlements in March

The "other travel" segment — covering holiday expenses and international credit card bill settlements — accounted for $623 million (over Rs 5,900 crore) in the month of March 2026, highlighting the discretionary overseas spending.

Mumbai.(Agency)

Despite the ongoing war in West Asia, outward remittances under the Liberalised Remittance Scheme (LRS) for travel-related expenses didn't show sign of big moderation at $1.09 billion in March, a drop of 16% from $1.31 billion recorded in February, data released by the Reserve Bank of India said.

High air fares and disruption in travel services failed to dampen the travel spirit as over 60% of the travel-related expenses were for holiday expenses and international credit card bill settlements by Indians. In January, remittances under the travel category had touched $1.66 billion. Total LRS in March was $2.59 billion, against $2.33 billion in February.

The "other travel" segment — covering holiday expenses and international credit card bill settlements — accounted for $623 million (over Rs 5,900 crore) in the month of March 2026, highlighting the discretionary overseas spending.

The numbers make it clear that affluent and aspirational Indians are increasingly prioritising foreign experiences, education and lifestyle-driven consumption at an unprecedented scale. The RBI has provided a break-up for remittances under the travel category after credit card transactions were brought under separate LRS category for the first time in March 2026.

The government has brought overseas spending through credit cards under the LRS to curb excessive foreign exchange outflows and close regulatory loopholes.

The move follows concerns that some individuals were using international credit cards to spend beyond the annual remittance ceiling of $250,000 permitted under the scheme. Until now, overseas transactions made through debit cards were already counted under the LRS framework, but credit card expenditures

remained outside its ambit. Data gathered from leading money remittance agencies and financial institutions indicated that several international credit cards were being issued with spending limits significantly higher than the prescribed annual threshold, allowing users to bypass the cap indirectly.

By bringing credit card spending within the LRS net, the government aims to create uniformity across payment instruments, strengthen monitoring of foreign exchange outflows and prevent misuse of the existing regulations.

Travel for education also remained one of the biggest drivers of outbound money flows, touching $ 450.16 million in March alone. The amount covered tuition fees, accommodation and a wide range of student expenses overseas, reinforcing the growing migration of Indian students — and Indian money — into global education markets. Within the broader travel category, business travel remittances stood at $ 16.05 million, while pilgrimage-related travel accounted for $ 2.55 million. Overseas medical treatment travel bill touched $ 2.79 million. Total travel remittances was $16.4 billion in FY2026 as against $ 16.9 billion in Fy2025. Overseas travel has declined since March this year as the US-Iran conflict disrupted air services and drove up air fares.

Doors shut, details confined: Census teams face heat, suspicion and silence

New Delhi.(Agency)

As India pushes ahead with its nationwide census exercise amid an intense summer, the process on the ground is proving far from smooth. From Delhi to Gurugram, Gorakhpur, Chandauli, Punjab, Maharashtra and Bhopal, teachers and government staff engaged in the exercise say extreme heat, lack of awareness and public hesitation over sharing personal information have emerged as the biggest hurdles.

Across several cities, enumerators said residents are refusing to open doors, hiding details about income and property, giving incorrect phone numbers, and questioning why the government needs financial information at all. In many areas, field staff are spending hours outside homes in temperatures crossing 40 to 45 degrees Celsius.

DELHI: FEAR & HESITATION

In the national capital, census workers described widespread hesitation among residents over sharing personal details. Government school teachers assigned to door-to-door surveys in South Delhi's Vasant Kunj area refused to speak on record, but several officials admitted off camera that awareness around the census remained extremely low.

Enumerators said many residents do not allow them inside their homes to avoid sharing documents. Even after repeated requests, several households either provide incomplete details or refuse to disclose information related to income and assets.

Workers said the situation is particularly difficult in affluent neighbourhoods, where most residents are away at work during the day and are more reluctant to share financial details. While people generally

disclose information about family members, they often avoid answering questions related to movable and immovable assets, making entire days of fieldwork unproductive.

In Delhi's village areas too, the situation has remained tense. Enumerators said some residents reacted angrily when questioned about property and assets, with arguments and confrontations reported in certain localities.Conditions, however, appeared relatively smoother in slum clusters. Workers said residents there were comparatively more willing to share details, partly because they hoped the census could help them access government welfare schemes in the future.

Several residents who objected to the process said off record that questions related to family size and caste were understandable, but they could not understand why the government needed details about homes, income and assets. Many expressed fears that sharing such information could invite scrutiny from the Income Tax Department or other agencies.

Officials on the ground said the administration first needs to build awareness and address public concerns if the census exercise is to be completed smoothly in the capital.

KANPUR: TEACHERS OUT ON HOLIDAYS

In Uttar Pradesh's Kanpur, teachers engaged in census work said they have been carrying out field duties despite the summer vacation and extreme heat.Teacher Sudhanshu, who is part of the exercise, said staff begin work early in the morning and continue till afternoon under harsh sunlight. He said people are initially reluctant to share details related to income, property and family members, especially in rural areas where residents first want to know whether the survey is linked to any government scheme.

Delhi Gymkhana Club to approach Land and Development Office to seek clarity on handover order

New Delhi.(Agency)

The Delhi Gymkhana Club said it will write to the Land and Development Office seeking clarification on multiple issues after the Centre directed the club to vacate and hand over its premises by June 5.In an official communication to its members, the club said the Centre has asked it to hand over its premises in Lutyens' Delhi to "strengthen and secure defence infrastructure" and for other public security purposes.

The club said it received the notice on May 22 from the Land and Development Office (L&DO) under the Ministry of Housing and Urban Affairs, seeking "re-entry and resumption" of the 27.3-acre land parcel, which is located on 2, Safdarjung Road, adjacent to the prime minister's residence on Lok Kalyan Marg.

"Pursuant to the sudden development, the Gymkhana Club met today on an urgent basis and after detailed deliberation decided to file an immediate response to the L&DO requesting clarity on several issues in the interest of the members and employees of the club," it said.

The club also said that it has sought an urgent appointment with the officials of the housing and urban affairs ministry."The immediate priority of the club is to ensure that its operations continue without dislocation," the communication said, adding that further developments would be shared once it receives a response from the government.

The development comes after the Centre asked the Delhi Gymkhana Club to hand over its premises by June 5, saying the 27.3-acre land parcel was required for "strengthening and securing defence infrastructure" and for other vital public security purposes.In its May 22 order, the L&DO said the land falls in a highly sensitive and strategic zone and was critically required for urgent institutional and governance-related needs.

The office said the land had originally been leased to the then Imperial Delhi Gymkhana.

Avoid non-essential travel: India's advisory for 3 African nations amid Ebola surge

New Delhi.(Agency)

India has advised its citizens to avoid all kinds of non-essential travel to countries, including the Democratic Republic of Congo, Uganda, and South Sudan, as the outbreak of the Ebola virus has hit these three nations severely.In addition to avoiding travel, the government also advised nationals who are residing in these three nations to take needed precautionary measures and follow guidelines issued by the local authorities.

"In view of the evolving situation in the Democratic Republic of the Congo and other affected countries, and in line with WHO's recommendations, the Government of India advises all its citizens to avoid non-essential travel to the Democratic Republic of the Congo, Uganda and South Sudan," the health advisory issued by the Indian government said.

The development came after the World Health Organisation (WHO)

and the Africa Centres for Disease Control and Prevention declared the outbreak a global emergency concern."In light of the reported outbreaks of Ebola Disease in the Democratic Republic of the Congo (DRC) and Uganda, the World Health Organisation (WHO), under the International Health Regulations (IHR), 2005, on 17 May 2026, determined the situation to be a Public Health Emergency of International Concern (PHEIC)," the WHO advisory read.

The global health watchdog has also issued temporary recommendations aimed at curbing the spread of the Bundibugyo virus. Under the new directives issued on May 22, health authorities across the affected countries are urged to scale up disease surveillance at key international border checkpoints. The measures are specifically designed to detect, assess, report, and manage any travellers arriving.

St Stephen's exam duty roster creates row amid court stay on recruitment

The examination roster for May 28–31 carried the signature of outgoing principal Professor John Varghese in his capacity as principal of the college.

New Delhi.(Agency)

Two days after outgoing principal Professor John Varghese was listed as a faculty member in the English department ahead of his retirement later this month—drawing criticism from teachers—a fresh examination invigilation roster issued by St Stephen's College has included newly recruited teachers despite a court order and an ongoing university probe, an official said.

A Delhi High Court order dated May 13 directed the college to halt recruitment based on recommendations of the selection committee after four assistant professors approached the court seeking regularisation of their services. The petitioners have been working at the college on an ad-hoc or guest basis since 2018–2021.

The order stated that the petitioners had made out a prima facie case for interim protection and directed that their services should not be discontinued until the next date of hearing. It further ordered that recommendations of the selection committee under Advertisement No. SSC/04(4)/TS/2025 should not be implemented without the court's permission.

A college official, speaking on condition of anonymity, said a fresh examination roster circulated on Friday included the names of some newly recruited teachers. According to the official, a previous roster issued on May 15 had also included newly appointed faculty members, while additional names appeared in the latest list.

The examination roster for May 28–31, signed by the superintendent, superintendent of examinations and deputy superintendent of examinations on Thursday, also carried the signature of outgoing principal Professor John Varghese in his capacity as principal of the college. Professor Varghese was unavailable for comment.

Beyond the gun: Winning permanent peace in India's Naxal belt

New Delhi.(Agency)

The Union Home Minister's announcement on achieving the goal of "Naxal Mukt Bharat" by March 31, 2026, signalled more than political intent. It reflected the confidence and willingness to take one of its longest and largest internal security challenges headlong. This goal has been nearly achieved, largely because of security measures. The challenge now is to ensure that it does not rise like a phoenix some years later.

For decades, Naxalism posed a serious challenge across large tracts of central and eastern India. At its peak between 2004 and 2011, the insurgency spread across tribal and forested regions stretching from Bihar and Jharkhand to Maharashtra, Chhattisgarh, Telangana, Andhra Pradesh, Odisha and parts of Uttar Pradesh and Madhya Pradesh.

Violence became routine and civilians were killed, terming them as informers. Violence also meant living in constant fear and lack of development.

To recap briefly, a major turning point in the Naxal movement came in 2004

when the People's War Group and the Maoist Communist Centre of India merged to form the CPI (Maoist). The merger strengthened the insurgency's leadership, recruitment, coordination, and military capability.

Entire districts gradually came under Maoist influence. Roads, schools, public health centres, communication infrastructure and police stations became regular targets. In many remote tribal regions, the state's presence was weak, while the Maoists projected themselves as an alternative authority.The geographical spread of the insurgency has reduced sharply, and levels of violence have declined phenomenally. This transformation is the result of sustained efforts by the central and state governments, security forces, intelligence agencies, and local administration. At the same time, the Maoist movement itself has suffered from leadership losses, severe attrition, ideological depravity, insurgency fatigue, declining public support and years of continuous operational pressure.

Massive fire erupts at furniture market in northeast Delhi, locals allege delay in response by firefighters

New Delhi.(Agency)

A massive fire tore through the furniture market in northeast Delhi's Shastri Park late on Friday night, gutting nearly 500 shops and causing extensive losses to traders ahead of Eid-ul-Azha, officials said.According to the Delhi Fire Service (DFS), information about the blaze was received at 11.57 pm, following which 25 fire tenders were rushed to the spot.

Police personnel from Shastri Park police station also reached the area immediately, while nearly 200 officers were deployed to manage the crowd and maintain law and order during the overnight firefighting operation. The blaze was brought under control around 3.15 am on Saturday. No casualties were reported.

A case, FIR No. 157/26 under Section 326(g) of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS), has been registered at Shastri Park police station and an investigation is underway, officials said.

According to Delhi Fire Service officials, the fire erupted in the furniture market near New Seelampur Metro Station and spread rapidly due to the presence of highly combustible materials such as wooden furniture and plywood.Angry locals, alleging a delay in the arrival of fire tenders, pelted stones at firefighting vehicles as crews attempted to douse the blaze. Visuals from the scene showed intense flames engulfing large parts of the market while a crowd gathered nearby.

A local resident said the fire broke out around 11.15 pm and initially affected only two shops before spreading rapidly."The blaze had started in the middle of the market. Initially, only two shops had caught fire, and we still do not know how it started. Now, almost the entire market has been destroyed—barely 20 shops are left. People have suffered massive losses. It is festival time, which makes this even more tragic," he said.Some residents alleged that the fire tenders reached the spot late, resulting in major financial losses for traders. Officials said the exact cause of the fire is yet to be ascertained.

Delhi Gymkhana Club seeks urgent meeting with government after eviction notice

New Delhi.(Agency)

The Delhi Gymkhana Club has moved swiftly to seek clarity from the Centre after receiving an eviction order asking it to hand over its sprawling 27.3-acre premises in Lutyens' Delhi by June 5 for "defence infrastructure and public security purposes".In an official communication to its members on Saturday, the club said it received a letter dated May 22 from the Land and Development Office (L&DO) under the Union Ministry of Housing and Urban Affairs, seeking "re-entry and resumption" of the Safdarjung Road premises.

The club said its Governing Council held an urgent meeting following the "sudden development" and decided to immediately respond to the L&DO, seeking clarification on several issues linked to the order. "The immediate priority of the club is to ensure that its operations continue without dislocation," the communication said, adding that it has also sought an urgent appointment with officials of the ministry.

CENTRE CITES DEFENCE, SECURITY NEEDS

The Centre on Friday ordered the elite club to return the land, saying the premises were "critically required" for strengthening and securing defence infrastructure and other vital public security purposes.Located at 2, Safdarjung Road, the club occupies one of the most strategically sensitive land parcels in the national capital, adjacent to the prime minister's residence on Lok Kalyan Marg and surrounded by key government and defence establishments.

In its order, the L&DO said the land was

essential to fulfil "urgent institutional needs, governance infrastructure and public-interest projects", along with the resumption of adjoining government properties.

Invoking Clause 4 of the lease deed, the government said the President of India, through the L&DO, was determining the lease and ordering immediate re-entry of the premises.The order stated that the entire 27.3-acre plot, along with all buildings, lawns, structures and fittings, would vest with the government upon re-entry.The club has been directed to hand over peaceful possession of the premises on June 5, failing which possession would be taken "in accordance with law".

MEMBERS CALL MOVE 'SHOCKING', LEGAL CHALLENGE LIKELY

Several members described the order as a "shock" and indicated that it may be challenged in court. One member, speaking on condition of anonymity, said the club's current affairs are being managed by a government-appointed committee following earlier intervention by authorities, making it unlikely that the management itself would legally contest the order. "Members will have to move court independently if they want to challenge the government.

NEWS BOX

Nine-storey building under construction in the Philippines collapses, trapping 19 workers

LONDON. (Agency)

MANILA: Nineteen people are feared trapped after a building under construction near the Philippine capital Manila collapsed early on Sunday, government officials and witnesses said.

The building in Angeles city collapsed on itself at around 3:00 am (1900 GMT Saturday) while also heavily damaging an adjacent hotel where two of the 26 people who were rescued had been staying, they said. Local delivery rider James Bernardo, 30, told AFP by telephone he had just dropped off food on the same street when the disaster occurred.

"A few seconds later there was suddenly a loud noise in the area, and when I looked, I realised that (the building) had already collapsed," Bernardo said.

"Thank God I'm safe."

A video clip taken by Bernardo and verified by AFP showed a giant pile of twisted steel beams, power pylons and slabs of concrete blocking the street as fellow witnesses took photographs with their phones.

In the clip Bernardo can be heard saying, "We thought it was an earthquake, but it turned out it was the building (collapsing)." Angeles city is around 80 kilometres (50 miles) north of Manila.

City information officer Jay Pelayo told AFP the nine-storey building's walls and scaffolding had buckled, likely trapping people in a pile of debris.

While there were no initial reports of casualties, "there are 19 personnel that usually report in the area, so they are the ones we are trying to locate now", Pelayo said.

"There are big chunks of concrete, and we need equipment to lift them up. That is what's challenging for the rescue right now." Initial reports suggested 24 people had been rescued from the rubble, as well as two from a hotel that was also hit when the building came down, the city government said. "We hope the 19 people are part of that number" and therefore accounted for, Pelayo said.

Angry residents set fire to another Ebola treatment centre in eastern Congo; 18 people with infection flee

BUNIA.(Agency)

Angry residents of a town at the epicenter of the Ebola outbreak in eastern Congo attacked and burned a tent that was part of a health center where people are being treated for the virus, the staff there said Saturday. It was the second such attack in the region in a week.

No one was hurt in the attack, according to initial reports but as patients ran out to escape the fire, 18 people with suspected Ebola infections left the facility and are now unaccounted for, a local hospital director said.

The angry residents had arrived at the clinic in the town of Mongbwalu on Friday night and set fire to a tent set up for suspected and confirmed Ebola cases by the Doctors Without Borders humanitarian group, Dr. Richard Lokudi, director of the Mongbwalu hospital, told The Associated Press.

"We strongly condemn this act, as it caused panic among the staff and also resulted in the escape of 18 suspected cases into the community," he said.

On Thursday, another treatment center, in the town of Rwampara, was burned down after family members were banned from retrieving the body of a local man suspected to have died of Ebola.

Burials of Ebola-victims stir anger, frustration

The bodies of those who died of Ebola can be highly contagious and lead to further spread when people prepare them for burial and gather for funerals. The dangerous work of burying suspected victims is being managed wherever possible by authorities, which can be met by protests from families and friends.

Southern California chemical tank at risk of exploding as 40,000 residents are ordered to evacuate

World.(Agency)

Authorities braced for the possibility that a damaged chemical tank in Southern California could leak or explode as an evacuation order continued into the Memorial Day weekend for 40,000 residents with no timeline on when they can return.

No injuries were reported after the pressurized tank overheated Thursday and began venting vapors at a company site in Garden Grove, about 40 miles (60 kilometers) south of downtown Los Angeles, according to the Orange County Fire Authority.

But officials said the valves on the tank are broken or "gummed up," which prevented crews from removing the chemical or relieving the pressure on the tank, said Craig Covey, Orange County Fire Authority division chief.

Firefighters' first hope is to find a way to cool off the chemical inside the tank so it won't leak or explode. If that is not possible, Purdue University engineering professor Andrew Whelton said it would be best if the tank sprang a leak so the chemical could be mostly contained. An explosion that could spread the chemical over a broad area and send shrapnel flying would be the worst-case scenario.

If the temperature inside the tank continues to increase, the pressure will continue to build as the methyl methacrylate converts from a liquid to a gas, because officials said the pressure relief valves on the tank were no longer working. Whelton said it's unlikely that firefighters would consider creating a hole in the tank because of fears that could create a spark that

Video: Reporters at White House duck for cover as gunfire erupts

A gunman opened fire at a Secret Service checkpoint outside the White House before officers shot him dead. The exchange injured a bystander, triggered a lockdown across the complex and forced reporters to take cover.

World.(Agency)

Panic and confusion unfolded live on camera outside the White House after journalists reporting from the North Lawn were forced to duck for cover and run to safety when gunfire suddenly erupted near a nearby security checkpoint. Several dramatic visuals from the scene quickly went viral on social media, capturing exactly how the reporters reacted to the incident outside the White House complex on Saturday evening.

One widely shared video posted by FaytuksNetwork on X showed a television reporter calmly continuing his live report about Donald Trump and Republican support moments before gunfire rang out nearby. The journalist finished his sentence before visibly reacting, adjusting his tie and earpiece while looking around in confusion as the situation escalated.

Another viral clip showed ABC News correspondent Selina Wang and other reporters scrambling for safety after hearing what witnesses described as 15 to 30 rapid gunshots near the White House grounds. Wang later said she had been filming a social media report from the White House North Lawn when the shooting began. "It sounded like dozens of gunshots. We were told to sprint to the press briefing room," she wrote on X.

A third video that went viral showed a reporter standing exposed and reacting to the sudden burst of gunfire by repeatedly asking, "What is that?" while several others nearby immediately ducked for cover.

The gunfire erupted after a man opened fire at a United States Secret Service checkpoint near 17th Street and Pennsylvania Avenue, according to officials.

Authorities said the suspect approached the checkpoint carrying a firearm inside a bag before suddenly opening fire on officers stationed there. Secret Service personnel

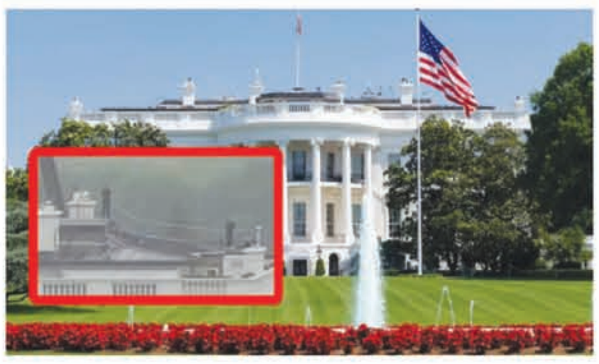

immediately returned fire, fatally shooting the suspect during the exchange.

The gunman was later identified as 21-year-old Nesire Best. Preliminary reports claimed he had been pacing suspiciously near the checkpoint shortly before the shooting. One bystander was also injured during the incident, though officials said it remains unclear whether the person was struck by bullets fired by the suspect or by responding officers.

The shooting triggered a swift security response across the White House complex, with armed Secret Service agents securing the North Lawn and escorting journalists into the White House briefing room.

President Trump, who was inside the White House residence at the time, remained safe during the incident. Federal authorities, including the Federal Bureau of Investigation (FBI), have launched an investigation into the suspect's motive and the circumstances surrounding the attack.

21-year-old Nasire Best identified as White House shooter, believed he was Jesus

World.(Agency)

The gunman who opened fire at the Secret Service checkpoint outside the White House has been identified as Nasire Best, a report by the New York Post said.

While the gunman's exact motive remains unclear, reports indicate he was mentally disturbed and frequently flagged by Secret Service officials for loitering near entry checkpoints. Last year, he was arrested twice for committing involuntary crimes like obstructing vehicular traffic and entering a restricted White House pedestrian control post. When the Washington DC Police and the Secret Service officials detained him, he said that he wanted to get arrested as he was the modern-day incarnation of Lord Jesus Christ.

The investigators, hence, suspect that the attack stemmed from his mental instability. However, a further probe into the incident is presently underway to ascertain whether a political motive lies behind the attack.

Earlier, a court order was issued against Best to stay away from the White House premises. However, the 21-

year-old reportedly violated the order.

On May 24 (as per Indian Standard Time), Secret Service officials spotted Best, who was appearing at 17th St. Northwest, behaving strangely. He took out a gun and fired a few shots that hit at least one bystander, who suffered serious injuries.

However, officials from the Secret Service's uniformed division quickly neutralised him by returning fire in a barrage. Best was injured and was taken to the hospital, where the doctors declared him dead.

WE WILL UPDATE PEOPLE FURTHER, SAYS FBI DIRECTOR KASH PATEL

Talking about the incident, Kash Patel, the director of the Federal Bureau of Investigation (FBI), said that the officials are presently investigating the case and all the details will be shared with the people once they come out.

"FBI is on the scene and supporting Secret Service responding to shots fired near White House grounds - we will update the public as we're able," Patel said, through a post on X.

Second Ebola treatment centre torched in Congo, 18 suspected patients flee

TEGUCIGALPA.(Agency)

Tensions are escalating in northeastern Congo as fear and anger over the Ebola outbreak spill into violence, with two treatment facilities attacked within days and health workers struggling to contain the spread of the virus.

In the mining town of Mongbwalu, enraged residents stormed a medical facility late Friday and set fire to a treatment tent used for Ebola patients. The structure, operated by humanitarian group Doctors Without Borders, was part of a hospital treating suspected and confirmed infections, AP reported.

The attack triggered chaos inside the facility, forcing patients and staff to flee. While no injuries were immediately reported, hospital officials said 18 people suspected of carrying the virus escaped during the panic and remain missing.

Hospital director Dr. Richard Lokudi condemned the incident, warning that the disappearance of suspected cases

could worsen transmission in surrounding communities.

The violence followed another attack a day earlier in another town, Rwampara, where an Ebola treatment centre was burned after local families were prevented from retrieving the body of a man believed to have died from the disease.

Health authorities say Ebola victims remain highly infectious after death, making traditional funeral rituals a major source of transmission. Efforts by officials and aid agencies to enforce controlled burials have increasingly clashed with local customs, fuelling resentment among residents.

On Saturday, authorities carried out a tightly guarded communal burial for Ebola victims in Rwampara. Armed police and soldiers surrounded the cemetery as Red Cross teams in protective suits buried sealed coffins, while grieving relatives watched from a distance.

Protesters clash with police after an anti-government rally in Serbia's capital

BELGRADE.(Agency)

Clashes erupted between groups of protesters and riot police after a huge anti-government rally on Saturday in the Serbian capital of Belgrade by tens of thousands of opponents of the country's autocratic President Aleksandar Vucic.

While the rally at a central square in Belgrade passed peacefully, groups of young assailants later clashed with riot police, throwing flares, rocks and bottles at police cordons. Police responded with pepper spray as they charged forward to disperse them.

The groups, including apparent soccer hooligans, rolled trash cans into the streets as shield-carrying riot police tried to surround them. Police parked anti-riot vehicles in a central Belgrade area to block the demonstrators from returning and the violence soon ended. Police said 23 people were detained.

Protests have shaken Vucic

Crowds of protesters earlier on Saturday streamed into central Belgrade, many carrying banners and wearing T-shirts inscribed with the "Students win" motto of the youth movement which organized the gathering. Columns of cars drove into Belgrade from other Serbian towns earlier in the day.

Vucic has sought to curb the mass demonstrations that have shaken his hard-line rule in the Balkan country. Big crowds on Saturday suggested the dissent persists more than a year after protests first started to demand accountability for a train station tragedy in Serbia's north in November 2024 that killed 16 people.

Serbia's state railway company on Saturday canceled all trains to and from Belgrade, in an apparent bid to stop at least some people from coming from other parts of the country. The president said in a video on Instagram on Saturday that protesters "have shown their violent nature and that they cannot stand political opponents." Vucic, who was on his way to China for a state visit, added that "the state is functioning and will continue to work in line with the law."

Iran ready to surrender enriched uranium as part of US proposed peace deal

Iran has agreed in principle to give up its highly enriched uranium stockpile in broader peace talks with the United States. The move could unlock a wider deal on hostilities, enrichment limits and frozen assets.

World.(Agency)

Iran has agreed to give up its stockpile of highly enriched uranium as part of a broader peace agreement being negotiated with the United States to end the ongoing West Asia conflict, two US officials told The New York Times.

The development came after US President Donald Trump announced that Washington and Tehran were close to finalising a deal aimed at ending hostilities and reopening the Strait of Hormuz. While Trump did not disclose the specifics of the proposed arrangement, US officials told the newspaper that Tehran had agreed in principle to relinquish its stockpile of near-weapons-grade uranium.

However, the officials said the understanding remains broad at this stage, with the exact mechanism for disposing of the uranium yet to be negotiated. Detailed discussions on how Iran would transfer, dilute, or otherwise neutralise the material are expected to take place in a later round of nuclear talks once the broader agreement is formally reached.

The reported concession marked a major shift in negotiations, especially after Iranian sources recently claimed that Supreme Leader Mojtaba Khamenei had directed that the uranium stockpile should not be sent out of the country.

According to the International Atomic Energy Agency, Iran currently possesses nearly 400 kilograms of uranium enriched to 60 per cent purity, a level close to weapons-grade. Israeli officials have repeatedly argued that the stockpile could potentially be refined further to produce material for multiple nuclear bombs.

The issue had emerged as a key sticking point in the negotiations. Iranian negotiators had reportedly pushed to postpone any commitment on the uranium stockpile until a later phase of talks. But

US officials said Washington has insisted that Tehran must make at least a preliminary commitment in the initial agreement, warning that failure to do so could lead to the collapse of talks and a resumption of military operations.

The NYT report also said American military planners had in recent days prepared options to target Iran's uranium reserves, much of which is believed to be stored underground at the Isfahan nuclear facility. The site had previously been struck by US Tomahawk missiles last year. Among the options reportedly discussed was the use of bunker-busting bombs to destroy the buried stockpile.

At one stage, Trump also considered approving a joint US-Israeli commando operation to seize the uranium stockpile after Iran regained access to the material following earlier strikes, the newspaper claimed. The operation was ultimately not authorised due to the high risks involved.

One possible route under discussion mirrors the framework used during the 2015 nuclear agreement negotiated under former US President Barack Obama, when Iran transferred large portions of its enriched uranium stockpile to Russia. Another option could involve reducing the enrichment level to make the uranium unusable for weapons purposes.

NEWS BOX

'I was struggling with hormonal issues': How Ancy Sojan turned sacrifice into gold with record leap

CHENNAI. (Agency)
All Ancy Sojan wanted coming into the long jump event at the National Senior Athletics Federation Competition was to be cautious and avoid foul jumps. She not only did that but also bettered her personal best and the meet record, leaping 6.75m to win gold at Birsa Munda Stadium, Morabadi, here on Friday.It wouldn't have been possible without her determination to push herself, especially as she has been dealing with a hormonal issue that made it difficult for her to lose weight. As a result, she even had to starve herself at times, and now all her sacrifices have finally paid off.Speaking about it, the Asian Games silver medallist said, "I was struggling with hormonal issues, and it's been very hard for me to lose weight. I had to be very disciplined with my diet and training. I knew that if I wanted to perform well, I had to stay committed and follow what my coach was telling me."

"There were times when I felt very hungry, but I controlled myself and stuck to the plan. It was tough, but it worked. I've managed to lose fat and weight, and I can now see the difference in my performance," Ancy, who has been training under coach Anoop Joseph, added.

"I still remember those off-season days when I would literally be in tears after running. But deep down, all I wanted was to come back with a strong performance."

Ancy's series on Friday read 6.47m, 6.56m, 6.69m, 6.75m, 6.68m and 6.57m, and she now believes she can go even farther, beyond the current national record of 6.83m held by Anju Bobby George."I was aiming for the Commonwealth Games, but I fell short by 9cm. I believe it will come," said Ancy, whose 2025 season was cut short because of an injury.Despite her failure to make the cut for the CWG, this has been a brilliant comeback after a below-par 2025, when her best was just 6.54m and her detractors began to question whether she had it in her to go farther. But she has proved them wrong, thanks largely to her fighting spirit.

"The mental preparation was always there, but I want to overcome obstacles.

French Open, Day 1 schedule: Novak Djokovic, Mirra Andreeva set to kick off campaign

NEW DELHI. (Agency)
The French Open 2026 begins with an exciting line-up at Roland Garros, featuring stars such as Novak Djokovic, Alexander Zverev, Taylor Fritz and teenage sensation Mirra Andreeva in first-round action across the show courts.

Court Philippe-Chatrier will host some of the biggest matches of the day. The action begins with Belinda Bencic of Switzerland taking on Austrian qualifier Sinja Kraus. Germany's Alexander Zverev, among the favourites for the title, will then face Frenchman Benjamin Bonzi. Rising Russian star Mirra Andreeva, seeded eighth, also begins her campaign against French wild card Fiona Ferro.The night session on Philippe-Chatrier will see 24-time Grand Slam champion Novak Djokovic take on Frenchman Giovanni Mpetshi Perricard in a crucial first-round clash. Djokovic enters the tournament looking to win another Roland Garros title despite concerns over his form and fitness during the clay season.Court Suzanne-Lenglen will feature Karen Khachanov against French wild card Arthur Gea, while Taylor Fritz faces fellow American Nishesh Basavareddy. Former French Open champion Barbora Krejcikova will take on Hailey Baptiste, while Sorana Cirstea faces French teenager Ksenia Efremova.

Meanwhile, Court Simonne-Mathieu will host several exciting young talents. Marta Kostyuk, who won the Madrid Open title, opens against Oksana Selekhmeteva, while Katie Volynets faces Clara Burel. Czech youngster Jakub Mensik takes on Titouan Droguet, and Brazilian teenager Joao Fonseca, one of the breakout stars of the season, begins his campaign against French qualifier Luca Pavlovic.

Gurindervir, Vishal, Tejaswin: The night Ranchi witnessed Indian track history

At the Birsa Munda Stadium, Gurindervir Singh, Vishal TK, and Tejaswin Shankar shattered three national records, pushing India into elite Asian contention. This is how three athletes altered the trajectory of the nation's track history.

LONDON. (Agency)
For decades, Indian track and field functioned on a loop of isolated brilliance. A single star would emerge, shoulder the nation's hopes, and leave a vacuum upon retirement. But what happened at the Birsa Munda Stadium in Ranchi wasn't a lone spark. It was a multipronged demolition of historical limitations, executed by three athletes who did not just break national records. They dragged Indian athletics back into relevance.Within a single session, Gurindervir Singh, Vishal TK, and Tejaswin Shankar achieved what generations before them could only chase. They obliterated psychological barriers, topped continental charts, and proved that India can be more than just mere participants.

THE PSYCHOLOGICAL BREAKTHROUGH

The tone for the night was set by raw, unadulterated speed. For years, sub-10.10 seconds was the phantom wall Indian sprinting could never scale. A 10.3-second sprint won domestic praise, while a 10.2 made you an anomaly. But Gurindervir Singh stopped looking at domestic benchmarks.Following a gruelling, psychological back-and-forth rivalry with Animesh Kujur that has seen the national record traded multiple times over recent months, Gurindervir stopped the clock at a staggering 10.09 seconds.

The immediate aftermath was pure theatre. Gurindervir took off the running shoes that carried him into history and threw it on the ground, before flashing a handwritten note to the cameras, a nod to the defiant flair of modern IPL stars. It read, "Task is not finished yet. 10.10, wait I am still standing."It was a declaration of war on low expectations. By clocking 10.09s, Gurindervir did not just qualify for the

Commonwealth Games. He logged the second-fastest time in all of Asia this season. He gave India something it has lacked for nearly a century: a pure sprinter capable of standing on a continental podium without an ounce of impostor syndrome.

Shattering the ceiling

The clock read 10.09 seconds, but the real breakthrough was psychological. For decades, Indian sprinting has been weighed down by an unspoken skepticism—a defeatist narrative about physiological limits and global standards. Gurindervir Singh didn't just break a national record; he challenged that entire premise."People used to think Indian genetics are weak, that Indians can't run the 100m, and that there's no future in sprinting," Gurindervir said, addressing the historical bias that has long shadowed the discipline.

By becoming the first Indian to breach the 10.10-second barrier, his performance serves as a definitive, track-tested eviction of those old doubts. It is a proof of concept for a new generation of athletes who no longer view global finals as an impossible destination.

Jannik Sinner's golden run threatens painfully one-sided French Open

New Delhi. (Agency)
Jannik Sinner can do no wrong at the moment. If there is anything like the Midas touch, the Italian appears to possess it. Heading into the French Open, the World No.1 looks untouchable, operating on a different plane from the rest of the competition.Six consecutive ATP Masters 1000 titles have only reinforced the surrounding aura, and with his triumph in Rome, Sinner became the youngest player to complete the coveted Career Golden Masters. Right now, it almost feels like he could beat any opponent even in his sleep. Such has been the sheer dominance of his run in 2026.Which naturally raises the question – is Roland Garros in danger of becoming a painfully one-sided affair?In Paris, Sinner now stands on the brink of history as he chases a Career Grand Slam. Last year, he came agonisingly close before Carlos Alcaraz halted his dream run in a thrilling final. This time, however, Sinner arrives looking far more complete, far more ruthless and far more dangerous. On current form, it would take something extraordinary to stop him from lifting his maiden French Open crown.

And it is not just his own brilliance that tilts the scales in his favour. There are other factors that have only strengthened the belief that this could finally be Sinner's moment to reign supreme on the red clay of

Roland Garros.

NO SINCARAZ IN PARIS

Alcaraz's absence has significantly altered the landscape at Roland Garros and perhaps handed Sinner his clearest path yet to the title. The Spaniard, sidelined by a lingering wrist injury that also forced him out of Wimbledon, leaves behind not just a gap in the draw, but a massive void in the tournament's competitive edge.

Over the past few years, Sinner and Alcaraz have built one of tennis' most compelling rivalries. Their clashes have produced unforgettable Grand Slam moments, intense five-set battles, breathtaking shot-making and momentum swings that have captivated fans across Paris, Melbourne, Wimbledon and New York. Together, they have shared the last eight Grand Slam titles, firmly establishing the era of Sincaraz at the top of men's tennis.

But with Alcaraz missing, the balance shifts heavily in Sinner's favour.

The Italian arrives in Paris in devastating form, carrying an aura of inevitability. His relentless baseline game, composure under pressure and clinical precision have made him the most dominant player on tour in recent months. Sinner has stormed through tournaments with ruthless consistency, collecting major titles while barely allowing opponents room to compete.Without Alcaraz standing in his way, a huge portion of Sinner's toughest competition disappears. That is what makes the World No. 1 so dangerous heading into the French Open.

IPL Play of the Day: How 26.75 crore outbid 27 crore in Lucknow's captaincy

New Delhi. (Agency)
Mereko andar se ek hi tension tha, woh tha Punjab."Rishabh Pant had said that just days after the IPL 2025 mega auction. Two IPL seasons later, Punjab Kings are still alive in the playoffs race, Lucknow Super Giants are finishing with the wooden spoon, and Saturday night at Ekana felt like the perfect explanation why.Because the crowd in Lucknow did not just witness PBKS finally snapping their brutal six-match losing streak and keeping their playoffs hopes alive with a seven-wicket win.

What they really saw was Rs 26.75 crore thoroughly outbidding Rs 27 crore.

Shreyas Iyer outcaptained, outbatted and outright outclassed Pant in Lucknow's biggest game of the season, delivering the exact kind of leadership Punjab Kings thought they were buying at the mega auction.If this match proved anything, it is probably that Punjab quietly won the IPL 2025 auction battle long before the points table started confirming it.

One franchise spent huge money on a proven IPL-winning captain who had already dragged Delhi Capitals and Kolkata Knight Riders deep into IPL seasons before. The other spent slightly more on superstar chaos and hoped the rest would somehow settle itself later.That has certainly not been the case.

A SARPANCH SPECIAL IN LUCKNOW

The scorecard will remember Shreyas for his unbeaten 101 off 51 balls. The three sixes off Mohammed Shami, who was undoubtedly one of LSG's best bowlers of the night. The towering slog over cow corner to finish the chase and complete his maiden IPL hundred.

But Punjab's captain had already started winning this game much earlier with his captaincy.

Because almost everything initially threatened to go wrong for PBKS with the ball.Josh Inglis walked out and instantly started treating Arshdeep Singh's bowling like a powerplay net session. Four boundaries in the opening over. Later, more punishment. By the end, Arshdeep had leaked more than 50 runs in his spell, including 17 in the final over of the innings.

IPL 2026: Shreyas Iyer joins Virat Kohli, Sanju Samson; becomes fourth captain to...

NEW DELHI. (Agency)
Punjab Kings captain Shreyas Iyer delivered one of the finest knocks of IPL 2026, smashing his maiden IPL century in a high-pressure, must-win encounter against Lucknow Super Giants at the Ekana Cricket Stadium. Facing a do-or-die situation in the playoff race, Iyer rose to the occasion with an unbeaten 101, guiding PBKS to a commanding seven-wicket victory and keeping their qualification hopes alive.

The PBKS skipper reached his century in style with a towering six as Punjab comfortably chased down 196 and climbed into the top four of the points table heading into the final round of league matches.

Batting first, LSG posted 196/6 in 20 overs, powered by an explosive 72 off 44 balls from Josh Inglis. However, the hosts lost momentum during the middle overs as PBKS bowlers tightened the scoring rate and picked up regular wickets.

Punjab's chase began shakily with early wickets, but Iyer anchored the innings brilliantly under pressure. Alongside Prabhsimran Singh, he stitched together a massive 140-run partnership that completely shifted the momentum in PBKS' favour. The victory not only ended Punjab's six-match losing streak but also produced a historic moment for Iyer.

The PBKS captain became just the third captain in franchise history to score an IPL century after:

KL Rahul – 132* vs RCB (2020)
Adam Gilchrist – 106 vs RCB (2011)
Shreyas Iyer – 101* vs LSG (2026)

Iyer also entered an elite IPL captaincy record list by becoming only the fourth captain in tournament history to score a century while chasing a target.

Centuries by captains in IPL chases
119 – Virender Sehwag vs Deccan Chargers (2011)
108* – Virat Kohli vs Rising Pune Supergiant (2016)119 – Sanju Samson vs PBKS (2021)
101* – Shreyas Iyer vs LSG (2026)

Punjab's playoffs chance

Punjab Kings (PBKS) currently sit fourth on the IPL 2026 Points Table with 15 points from 14 games, but their playoff qualification is completely out of their hands. If RR wins this afternoon's game against MI, they will reach 16 points and automatically secure the 4th spot, instantly eliminating Punjab. If RR loses to MI, Punjab then looks to the evening match. If DC beats KKR, KKR is stuck at 13 points and DC only reaches 14 points. Because Punjab has 15 points, they safely qualify.

3-way battle for playoffs. Royals, KKR threaten Punjab in top 4 race

Hyderabad. (Agency)
Phew! Look where we are. It is the final day of the league stage of the Indian Premier League. A lot has happened in India since IPL 2026's opening day. On March 28, when Royal Challengers Bengaluru played SunRisers Hyderabad in the first match of the season, Bengal was still under TMC's control, petrol prices had not been hiked by Rs 5, and the brutal heatwave had not yet fully gripped the country.What had looked like a fairly straightforward top-four race midway through the season has now turned into a thriller heading into the final day of the league stage. Three playoff spots have already been sealed, with Royal Challengers Bengaluru, Gujarat Titans and SunRisers Hyderabad all finishing on 18 points this season.The race for the fourth and final playoff spot remains alive with Punjab Kings, Rajasthan Royals and Kolkata Knight Riders still mathematically in contention.Punjab beat Lucknow Super Giants in their final league-stage game and finished with 15 points from 14 matches. Their competitors, Rajasthan and Kolkata, sit on 14 and 13 points respectively ahead of their final fixtures. Rajasthan face Mumbai Indians at the Wankhede Stadium, while KKR host Delhi Capitals at Eden Gardens.

IPL PLAYOFFS SCENARIO: PBKS vs RR vs KKR

The tension is palpable heading into the final day, with teams now completely dependent on one another's results.If Rajasthan Royals win, they qualify directly for the playoffs by sealing the fourth spot.

If Rajasthan lose and KKR win, then Ajinkya Rahane's side will tie Punjab on points and qualification will come down to Net Run Rate.KKR, who currently sit at +0.011, would need to beat Delhi Capitals by roughly 75 runs to sneak into the top four, provided Rajasthan lose earlier in the day.

If KKR end up batting second, the equation becomes even steeper. They would likely need to chase down a target of around 180 in under 13 overs.

But like everything in sport, it remains a mathematical possibility.

Punjab Kings head coach Ricky Ponting revealed after Saturday's win that the team

would stay back in Lucknow and closely follow Sunday's games. Ponting admitted that Rajasthan Royals posed the bigger threat, especially with the kind of batting firepower they possess."I haven't got many fingernails left. By tomorrow afternoon, they could be a whole lot shorter," Ponting joked on the broadcast after Punjab's win.Rajasthan Royals come into this game after obliterating Lucknow Super Giants in their previous match. Vaibhav Sooryavanshi (93), Dhruv Jurel (53*) and Yashasvi Jaiswal (43) were the architects of a sensational 221-run chase.The toss could prove extremely tricky on Sunday. Rajasthan are clearly a better chasing side, but an afternoon game in Mumbai at the fag end of the season might tempt teams to bat first before the pitch slows down later in the day.

RR would also hope that Jofra Archer returns to his best and produces the kind of searing spells that made him so dangerous earlier in the season.

Mumbai Indians, meanwhile, are expected to treat this game almost like an audition for the future. IPL 2026 marked their second disastrous campaign in three years under Hardik Pandya's captaincy, and it would not be surprising if the franchise re-evaluates several aspects of the project once again.

Taking to her social media account, Kriti Sanon re-shared a fan-page collage edit featuring several of her memorable characters from films over the years.

Kriti Sanon

Marks 12 Years In Industry, Recalls Shooting First Heropanti Scene While Having Gol Gappas

Actress Kriti Sanon turned nostalgic as she celebrated 12 years in the Hindi film industry on the 23rd of May. Taking to her social media account, the actress re-shared a fan-page collage edit featuring several of her memorable characters from films over the years.

The collage showcased Kriti in multiple iconic looks and roles from her Bollywood journey. Sharing the edit, Kriti wrote, "Wow! Its been 12 years since I entered this magical world of movies!"

In another social media story, Kriti shared a video clip from her debut film 'Heropanti'. The still featured the actress enjoying gol gappas in a fun scene from the film. Alongside it, she wrote, "Haha I'm such a foodie that my first shot on screen in my debut Hindi film was having gol gappas."

Talking about Kriti Sanon, the actress made her Bollywood debut in 2014 with Sabbir Khan's action-romance film 'Heropanti', opposite Tiger Shroff, who also marked his acting debut with the movie.

Released on May 23, 2014, the film also starred Prakash Raj. Kriti played the role of 'Dimpy', a free-spirited young woman who falls in love amid family opposition and chaos. The actress received a warm response for her screen presence. Over the last 12 years, Kriti has been a part of several successful films including 'Bareilly Ki Barfi', 'Luka Chuppi', 'Dilwale', 'Raabta', 'Hum Do Hamare Do', 'Bhediya', 'Teri Baaton Mein Aisa Uljha Jiya', 'Crew' and 'Do Patti'.

Samay Raina To Appear On Shekhar Suman's Talk Show Ahead Of India's Got Latent 2? Find Out

Shekhar Tonite has been receiving a fabulous response ever since it premiered, with viewers loving the mix of candid conversations, humour, and unexpected celebrity moments. The first two episodes featuring Nitin Gadkari and Bobby Deol as guests were especially loved by audiences, quickly creating buzz online. Now, it looks like Suman is all set to welcome stand-up comedian Samay Raina on his talk show.

Recently, a new behind-the-scenes video surfaced on social media in which Shekhar Suman was seen singing alongside Samay Raina, who's strumming the guitar. Vishal Dadlani can also be seen in the clip, enjoying the jam session in the room. While it remains unclear if Samay will soon appear on Shekhar Suman's show, the video has left everyone wondering what's cooking.

Meanwhile, Samay Raina will soon return with the second season of his controversial show India's Got Latent. He confirmed the same during his 'Still Alive' act. "People keep asking me, will this show come back? I will bring the show, bro. I wanna do a wild, wild f***ing show. I'm gonna take away all your phones. And the first question I will ask the contestant, 'would you rather…?' And rahi baat India's Got Latent ki, log poochte rehte hain mujhse, kya yeh show wapas aayega? Let me rephrase that, I don't think isse high point pe mere show ka season 1 end ho sakta tha," he said.

Alia Bhatt will be appearing on the first episode of India's Got Latent 2. Recently, a photo from the set leaked on social media, which left everyone wondering if Alia Bhatt will be appearing on the show as a special guest. Later, a user named Roshan Sahu also took to his Instagram handle and confirmed the same.

"I was amongst the 80 people who attended this episode live and the show was terrific," he said and then added, "I am a fan of Samay and I booked the ticket just to see raw Samay performing live.

'Mashooqa' Singer Defends Pritam Chakraborty Amidst Plagiarism Claims: 'Completely Baseless'

As the "Cocktail 2" track "Mashooqa" continues to spark controversy over claims that it resembles the 1993 Italian song 'Se So Arrubate A Nonna' by duo Bibi & Coco, singer Raghav Chaitanya has come out in support of Pritam Chakraborty, calling the plagiarism allegations "completely baseless."

Chaitanya, who has lent his vocals for the number picturised on Shahid Kapoor and Kriti Sanon, penned a note in support of Pritam saying that he feels it it's important to address the ongoing speculation directly.

He wrote on the note shared on Instagram: "There has been a lot of conversation around the song Mashooqa, and I feel it's important to address the ongoing speculation directly. The allegations of plagiarism against Pritam da are completely baseless."

As someone who has sung the song and been closely associated with its creative process, Chaitanya said that he "can confidently say that Mashooqa is an original composition."

"In music, certain melodic movements or motifs can occasionally evoke familiarity because there are only so many ways emotions can be expressed musically. A motivic similarity does not amount to copying or plagiarism," he added. He said that to call "Mashooqa" an inspired track is "inaccurate".

Revealing why, he mentioned: "To call this song inspired by another track is itself inaccurate, because the composition, arrangement, emotion and treatment of Mashooqa are entirely its own."

"Pritam da has contributed immensely to Indian music for decades, and reducing creative coincidence to plagiarism undermines the integrity and hard work of everyone involved. I would urge listeners to experience the song in its entirety before jumping to conclusions based on short clips or online comparisons."

"There is already so much negativity in the world, let's please spread some love," Chaitanya concluded.

Trailer of Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai out, David Dhawan and Varun Dhawan reunite for a mass comedy with Mrunal Thakur and Pooja Hegde, releasing in cinemas June 5.

Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai Trailer Out

Varun Dhawan, Mrunal Thakur Promise Chaos, Comedy, Romance

There are some films that don't just arrive quietly, they walk in with music, colour, and that unmistakable "full Bollywood masala" energy. The trailer of Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai seems to be aiming exactly for that space, bringing back the kind of family entertainer vibe that thrives on confusion, comedy, and larger-than-life moments.

The newly released trailer has already set the tone for what looks like a loud, lively, and very familiar cinematic ride. It marks another collaboration between director David Dhawan and Varun Dhawan, their fourth project together, continuing a partnership known for high-energy comedy films designed for mass audiences. The film brings together Varun Dhawan, Mrunal Thakur, and Pooja Hegde in lead roles, supported by a packed ensemble cast including Rakesh Bedi, Chunky Panday, Jimmy Shergill, Mouni Roy, Rajesh Kumar, and Ali Asgar, all of whom appear to add to the film's chaotic humour and layered storytelling.

Speaking about the film, director David Dhawan reflected on his long journey in cinema and his continued focus on entertaining audiences. "This is my 46th film, and entertaining my audience continues to give me biggest joy. The film has all the ingredients of a classic family entertainer — humour, confusion, music, and heart," he said.

On the production side, producer Ramesh Taurani also shared his thoughts on what the film is aiming to deliver. "With Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai, we wanted to create a wholesome entertainer filled with laughter, music, romance, and family fun. We're excited for audiences to experience the film's energy and madness," he said.

Adding to the early buzz, the film's music is already gaining attention, with tracks like WOW turning into a dance number favourite, Tera Ho Jaun leaning into romance, and Vyah Karwado Ji emerging as a wedding playlist contender.

Backed by Tips Films Ltd and co-produced by Maximilian Films (UK), the project continues David Dhawan's long-standing reputation for delivering mass-market comedy entertainers.

Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai is set to release in cinemas on June 5.